वर्ष-07 - अंक 282
पृष्ट-12 मूल्य : 03 रुपया

लखनऊ
रविवार ,19 जुलाई 2026

RNI.No. UPHIN/2019/79073

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार CBC (DAVP) द्वारा जारी दर पर विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अख़बार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदों में प्रसारित

योगी सरकार के प्रयासों से यूपी के आम्रपाली आम को मिली .... 3 | गाजियाबाद में बकरी पालन ने नाजमा को बनाया ग्रामीण स्वावलंबन .... 4 | जिलाधिकारी ने राजस्व कार्यों एवं आईजीआरएस की समीक्षा की...... 11

पटाखा फैक्टरी में आग के बाद धमाके, 9 की मौत, जांच शुरू

अहमदाबाद(एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार को एक पटाखा फैक्टरी में भीषण आग लगने से नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद फैक्टरी में रखे विस्फोटकों में लगातार धमाके होने लगे, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। जानकारी के अनुसार, यह हादसा रामोल-गात्राड रोड स्थित मेहमदपुरा की टैलेंट पटाखा फैक्टरी में हुआ। आग लगने के बाद उठे धुएं का घना गुबार कई सौ मीटर ऊंचाई तक दिखाई दिया, जिसे दूर-दराज के इलाकों से भी देखा गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। जेपीसी क्राइम ब्रांच के अधिकारी शरद सिंघल ने बताया कि हादसे के समय फैक्टरी में करीब 15 लोग काम कर रहे थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फैक्टरी बिना वैध लाइसेंस के संचालित की जा रही थी। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 के तहत मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस और प्रशासन आग लगने के कारणों की जांच के साथ यह भी पता लगा रहे हैं कि बिना लाइसेंस फैक्टरी का संचालन कैसे हो रहा था और सुरक्षा मानकों के पालन में कहां लापरवाही बरती गई। हादसे में घायल लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। इस दर्दनाक हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी संदेश में मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। साथ ही प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की गई है।

संभल में अब 'तुर्कई' नहीं चलेगी: योगी

संभल/बहजोई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को संभल जनपद के बहजोई स्थित फत्तेहपुर शरीफनगर में 569 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने 68.96 करोड़ रुपये की 12 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा करीब 500 करोड़ रुपये की 56 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। साथ ही अतिक्रमण मुक्त कराई गई सरकारी भूमि के पट्टे भूमिहीन परिवारों को वितरित किए। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने संभल की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भगवान विष्णु और भगवान हरिहर की पावन भूमि है। उन्होंने कहा कि अब संभल में विकास और विरासत संरक्षण साथ-साथ आगे बढ़ेंगे तथा 'बहुत हुआ अत्याचार, अब संभल में तुर्क की तुर्कई नहीं चलेगी। अब यहां वही होगा, जो भगवान हरिहर की परंपरा और आस्था के अनुरूप होगा।' मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार संभल के 68 प्राचीन तीर्थों के पुनर्जीवन और पुनर्स्थापना का कार्य करा रही है। साथ ही 24 कोसी परिक्रमा मार्ग के निर्माण एवं चौड़ीकरण की योजना पर भी तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संभल धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई कर करीब 10 हजार एकड़ सरकारी भूमि को भू-माफियाओं के कब्जे से मुक्त कराया है। उन्होंने कहा कि इस भूमि का वितरण गरीबों, दलितों, पिछड़े वर्गों और भूमिहीन परिवारों के बीच किया जा रहा है। सरकार किसी भी कीमत पर गरीबों की जमीन पर अवैध कब्जा नहीं होने देगी। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में दंगे, अराजकता और भू-माफियाओं का बोलबाला था, जबकि आज उत्तर प्रदेश में कानून का राज, विकास और सुशासन स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में दंगे नहीं होते, बल्कि विकास कार्यों और निवेश की चर्चा होती है। उन्होंने कहा कि संभल के विकास के लिए पुलिस लाइन, पीएसी बटालियन, इंटीग्रेटेड मुख्यालय भवन, फोरलेन सड़कें तथा गंगा एक्सप्रेसवे से बेहतर संपर्क जैसी कई परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। इससे जिले में निवेश, रोजगार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने चंदौसी में भगवान गणपति की 145 फीट ऊंची तथा भगवान श्रीराम की 151 फीट ऊंची प्रतिमाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ये धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाई देंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास के साथ-साथ विरासत के संरक्षण के लिए भी समान रूप से प्रतिबद्ध है। किसानों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्राकृतिक मेंथा तेल को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों से संभल क्षेत्र के किसानों और व्यापारियों को लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर सड़क, रेल और अन्य आधारभूत सुविधाएं किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती हैं। संभल अब अपने प्राचीन गौरव, सांस्कृतिक विरासत और विकास की नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है तथा प्रदेश सरकार इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

सोनम वांगचुक से बात करे सरकार उनके सब्र की परीक्षा न ले : अन्ना हजारे

नई दिल्ली(एजेंसी)। पर्यावरण कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाकर अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद इस मुद्दे ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने केंद्र सरकार से वांगचुक के साथ संवाद स्थापित करने की अपील करते हुए कहा कि सरकार को उनके सब्र की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। एक वीडियो संदेश में अन्ना हजारे ने कहा, 'सरकार को सोनम वांगचुक से बातचीत करनी चाहिए। उनकी मांगों पर सरकार चाहे हां कहे या ना, लेकिन बातचीत करने में क्या गलत है। उनके सब्र की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए।' सोनम वांगचुक जंतर-मंतर पर विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे थे। शनिवार को उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें जंतर-मंतर से हटाकर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। बताया गया कि उनकी भूख हड़ताल का यह 21वां दिन था। इस मामले पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि अहिंसक भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाया जाना गलत है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार बल प्रयोग के जरिए छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों को दबाने का प्रयास कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि पेपर लीक, शिक्षा की बढ़ती लागत और छात्रों की आत्महत्या जैसे मुद्दे देश के भविष्य से जुड़े गंभीर विषय हैं और इन्हें उठाने वालों की

एक वीडियो संदेश में अन्ना हजारे ने कहा, 'सरकार को सोनम वांगचुक से बातचीत करनी चाहिए। उनकी मांगों पर सरकार चाहे हां कहे या ना, लेकिन बातचीत करने में क्या गलत है। उनके सब्र की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए।' सोनम वांगचुक जंतर-मंतर पर विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे थे। शनिवार को उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें जंतर-मंतर से हटाकर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। बताया गया कि उनकी भूख हड़ताल का यह 21वां दिन था।

आवाज को दबाया नहीं जा सकता। उधर, नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सचिन शर्मा ने पुलिस कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि सोनम वांगचुक की तबीयत खराब होने के बाद दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि कार्रवाई के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने विरोध किया, लेकिन पुलिस ने संयम बरतते हुए पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से पूरी की। वहीं, कांग्रेस ने भी इस कार्रवाई की आलोचना करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों के विरुद्ध बताया और कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे व्यक्ति को इस तरह हटाया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है।

संक्षिप्त ख़बरें

पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा का निधन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा से फोन पर बात कर उनकी पत्नी चेन्नम्मा के निधन पर शोक व्यक्त किया। चेन्नम्मा का बीमारी के कारण कर्नाटक के बंगलूरू स्थित एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा की पत्नी श्रीमती चेन्नम्मा के निधन से गहरा दुख हुआ। वह अपनी सादगी और समाज सेवा के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित थीं। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं देवेगौड़ा और उनके पूरे परिवार के साथ हैं। ? शांति। 'कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी चेन्नम्मा के निधन पर शोक व्यक्त किया और उन्हें देवेगौड़ा परिवार की 'शांत शक्ति' बताया। उन्होंने कहा कि देवेगौड़ा के साथ उनके लंबे समय से व्यक्तिगत संबंध रहे हैं और इस दुखद घड़ी में वह परिवार के साथ खड़े हैं।खरगे ने 'एक्स' पर लिखा, 'पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा के निधन का समाचार सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है।

गोदावरी नदी में मछली पकड़ने गए पांच लोगों की डूबकर मौत, तीन महिलाएं शामिल

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पोलावरम जिले में शनिवार को गोदावरी नदी में मछली पकड़ने गए पांच लोगों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पोलावरम जिले के प्रभारी पुलिस अधीक्षक अमित बर्दार ने बताया कि हादसा सुबह करीब 10 बजे येटापाका मंडल के गुम्मा कोठागुडेम गांव के पास हुआ। दस लोगों का एक समूह गोदावरी नदी में मछली पकड़ने गया था। सभी लोग एक-दूसरे का हाथ पकड़कर तथा कपड़ों और मच्छरदानी की मदद से मछली पकड़ रहे थे। इसी दौरान समूह के पांच लोग नदी के गहरे हिस्से में पहुंच गए और पानी में डूबने लगे। अन्य साथियों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। कुछ देर तक अपने स्तर पर तलाश करने के बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस के अनुसार, नदी में उस समय जलस्तर अधिक नहीं था, लेकिन गहरे हिस्से में चले जाने के कारण हादसा हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान चलाया।

रिलायंस एडीए समूह पर सीबीआई का शिकंजा

नई दिल्ली/मुंबई(एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को रिलायंस एडीए समूह से जुड़े मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली और मुंबई में 15 परिसरों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) के खिलाफ दर्ज मामलों के सिलसिले में की गई है। जांच बैंक फंड की कथित हेराफेरी और ऋणदाता संस्थानों को वित्तीय नुकसान पहुंचाने के आरोपों से जुड़ी है। सीबीआई के अनुसार, तलाशी अभियान में समूह से जुड़ी 23 परस्पर संबद्ध संस्थाएं जांच के दायरे में हैं। एजेंसी का आरोप है कि इन संस्थाओं का इस्तेमाल आरसीएफएल और आरएचएफएल द्वारा लिए गए बैंक ऋण को अन्य रिलायंस एडीए

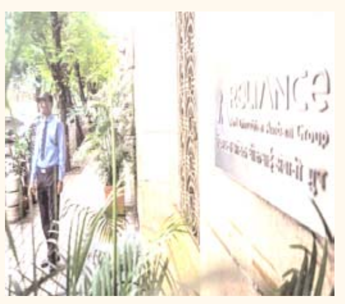

समूह की कंपनियों में कथित तौर पर स्थानांतरित करने के लिए किया गया, जिससे बैंकों और अन्य ऋणदाता संस्थानों को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई की विशेष अदालत से तलाशी वारंट प्राप्त करने के बाद यह कार्रवाई की गई। जांच के दौरान दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। सीबीआई ने इस मामले में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम), रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल), रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) और रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) के खिलाफ कुल सात एफआईआर दर्ज की हैं। ये मामले विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की शिकायतों के आधार पर दर्ज किए गए हैं। जांच एजेंसी का कहना है कि शिकायतों में बैंक फंड के कथित दुरुपयोग, ऋण राशि के अनियमित हस्तांतरण और ऋणदाता संस्थानों को वित्तीय नुकसान पहुंचाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। सीबीआई अब मामले से जुड़े वित्तीय लेन-देन और संबंधित कंपनियों की भूमिका की विस्तृत जांच कर रही है।

सीमाओं की सुरक्षा और जवानों का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता: अमित शाह

सिलीगुड़ी (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित जूमागाछ बॉर्डर आउटपोस्ट (बीओपी) का दौरा कर सीमा सुरक्षा को मजबूत करने वाली स्वदेशी और अत्याधुनिक तकनीकों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे सुरक्षा बलों के जवानों और उनके परिजनों का कल्याण मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गृह मंत्री ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करते हुए सीमा प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने 47 करोड़ रुपये की लागत वाली बीएसएफ की तीन परियोजनाओं का ई-शिलान्यास

किया। इसके अलावा भारत-बांग्लादेश सीमा पर दो सीमा चौकियों के लिए नवअधिग्रहित भूमि पर लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत से चार किलोमीटर लंबी सीमा तारबंदी निर्माण योजना का भी ई-शिलान्यास किया। इसके साथ ही बीएसएफ की 77.06 करोड़ रुपये लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया गया। दौरे के दौरान अमित शाह ने रेडियो आधारित बाड़ भेदन पहचान प्रणाली का अवलोकन किया। इस प्रणाली के माध्यम से सीमा पर लगी बाड़ से किसी प्रकार की छेड़छाड़ होने पर पूर्व-रिकॉर्डेड संदेश के जरिए जवानों को तत्काल सतर्क किया जाता है। उन्होंने दुर्गम और नदी-नालों वाले क्षेत्रों में तैनात इन्फ्रा-रेड अलार्म सिस्टम का भी निरीक्षण किया, जो किसी भी अवरोध की स्थिति में जवानों को तत्काल खतरे की सूचना देता है। गृह मंत्री ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर नागरिकों और किसानों की सुरक्षित एवं सुगम आवाजाही के लिए विकसित गेट मैनेजमेंट सिस्टम का भी अवलोकन किया। उन्होंने बीएसएफ के वॉच टावर का निरीक्षण किया और परिसर में पौधारोपण भी किया।

लखनऊ से श्रीनगर की सीधी उड़ान बंद

अमरनाथ यात्रियों की बढ़ीं मुश्किलें

लखनऊ(एजेंसी)। लखनऊ से श्रीनगर के लिए सीधी उड़ान सेवा बंद होने और जम्मू जाने वाली ट्रेनों में लंबी प्रतीक्षा सूची के कारण अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की परेशानियां बढ़ गई हैं। यात्रियों को अब महंगी कनेक्टिंग उड़ानों और लंबी वेटिंग वाली ट्रेनों का सहारा लेना पड़ रहा है। श्रद्धालुओं ने केंद्र सरकार और रेलवे से अमरनाथ यात्रा के दौरान विशेष ट्रेनें चलाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार, पहलगाम आतंकी हमले के बाद से लखनऊ से श्रीनगर के लिए संचालित सीधी उड़ान सेवा बंद है। पहले यह उड़ान यात्रियों को करीब दो घंटे में श्रीनगर पहुंचा देती थी, जहां से श्रद्धालु टैक्सी के जरिए पहलगाम और चंदनबाड़ी पहुंचकर बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए यात्रा शुरू करते थे। सीधी उड़ान बंद होने के बाद अब यात्रियों को दिल्ली या अन्य शहरों के रास्ते कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी पड़ रही है। इससे यात्रा का समय बढ़ने के साथ खर्च भी काफी बढ़ गया है।

राहुल गांधी ने किया सोनम वांगचुक का समर्थन, बोले- 'असत्य और हिंसा' मोदी सरकार के मूल सिद्धांत

नई दिल्ली(एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पर्यावरण कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद् सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाकर अस्पताल ले जाने की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के मूल सिद्धांत 'असत्य और हिंसा' हैं तथा शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने वालों की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि सोनम वांगचुक को उस समय जंतर-मंतर से हटाया गया, जब वह

अहिंसक तरीके से भूख हड़ताल पर बैठे थे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन प्रत्येक नागरिक का अधिकार है और सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना चाहिए। कांग्रेस सांसद ने कहा कि पेपर लीक, शिक्षा की बढ़ती लागत और छात्रों की आत्महत्या जैसे मुद्दे देश के भविष्य से जुड़े गंभीर विषय हैं। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को उठाने वालों की आवाज को बल प्रयोग से दबाया नहीं जा सकता। राहुल गांधी ने कहा, 'कितना भी बल प्रयोग कर लिया जाए, भारत के छात्रों और उन लोगों को, जो उनसे प्रेम करते हैं और उन पर विश्वास रखते हैं, इन मुद्दों को उठाने से नहीं रोका जा सकता।' उधर, कांग्रेस पार्टी ने भी जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई की आलोचना करते हुए इसे लोकतंत्र और संविधान पर 'कलंक' बताया। पार्टी का कहना है कि शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे व्यक्ति को इस तरह हटाया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। वहीं, दिल्ली पुलिस ने अपनी कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें डॉक्टरों की सलाह और दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप जंतर-मंतर से सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार, उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराना प्राथमिकता थी। गौरतलब है कि सोनम वांगचुक अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे थे।

देहरादून-ऋषिकेश फोरलेन परियोजना पर सीएम धामी का बड़ा फैसला

जनभावनाओं और पर्यावरण संरक्षण को दी प्राथमिकता, सभी हितधारकों से दोबारा संवाद के निर्देश

देहरादून(एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून-ऋषिकेश फोर/सिक्स लेन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना को लेकर बड़ा निर्णय लेते हुए परियोजना के तहत प्रस्तावित पेड़ों की कटाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जब तक स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, पर्यावरण विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों के साथ संतोषजनक सहमति नहीं बन जाती, तब तक पेड़ों का कटान नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से इस परियोजना को लेकर स्थानीय नागरिकों, पर्यावरण प्रेमियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा अपनी चिंताएं और

सुझाव लगातार सामने रखे जा रहे थे। राज्य सरकार ने इन सभी सुझावों और जनभावनाओं का गंभीरता से संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि विकास राज्य की आवश्यकता है, लेकिन विकास कार्यों के नाम पर पर्यावरण और जनता की भावनाओं की अनदेखी नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री ने बताया कि देहरादून-ऋषिकेश फोर/सिक्स लेन परियोजना भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की एक महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजना है। इस परियोजना पर उच्च न्यायालय के निर्देशों तथा सभी आवश्यक वैधानिक और पर्यावरणीय स्वीकृतियों का पालन करते हुए कार्यवाही की जा रही थी। इसके बावजूद राज्य सरकार का प्रयास है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन कायम रखा जाए। उन्होंने कहा कि परियोजना के डिजाइन में वन्यजीव संरक्षण का भी विशेष ध्यान रखा गया है। इसके तहत लगभग 3.5 किलोमीटर लंबा हाथी अंडरपास बनाया जाना प्रस्तावित है, ताकि हाथियों के प्राकृतिक आवागमन में कोई बाधा न आए। इसके अलावा छोटे वन्यजीवों के सुरक्षित आवागमन के लिए विशेष कल्वर्ट का भी प्रावधान किया गया है। इन व्यवस्थाओं से मानव-वन्यजीव संघर्ष में कमी आएगी और सड़क दुर्घटनाओं में वन्यजीवों की मौत की घटनाओं को भी रोका जा सकेगा, जो इस मार्ग पर लंबे समय से एक गंभीर समस्या रही है। मुख्यमंत्री धामी ने प्रमुख सचिव और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि परियोजना को लेकर सभी हितधारकों के साथ पुनः विस्तृत संवाद स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, पर्यावरणविदों और विशेषज्ञों के सुझावों को गंभीरता से सुना जाए तथा आवश्यक होने पर परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर पुनर्विचार भी किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार उच्च न्यायालय के निर्देशों और निर्णयों का पूर्ण सम्मान करेगी तथा सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए ही आगे की कार्रवाई करेगी। हालांकि, जब तक सभी पक्षों के बीच विश्वास और सहमति का माहौल नहीं बन जाता, तब तक परियोजना के अंतर्गत आने वाले किसी भी पेड़ की कटाई नहीं की जाएगी।

उद्धव ठाकरे ने शुरू किया 'राम रक्षा आंदोलन अयोध्या चढ़ावा मामले पर भाजपा को घेरा

नागपुर(एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को नागपुर से 'राम रक्षा आंदोलन' की शुरुआत करते हुए अयोध्या राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के मुद्दे पर भाजपा और उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। आंदोलन की शुरुआत राम नगर स्थित राम मंदिर में पूजा-अर्चना और राम रक्षा स्तोत्र के सामूहिक पाठ के साथ हुई, जिसमें पार्टी के सांसद, विधायक, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। उद्धव ठाकरे के साथ उनके पुत्र एवं विधायक आदित्य ठाकरे, सांसद संजय राउत सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। मंदिर में आरती और पूजा के बाद पार्टी नेताओं ने जनसभा को संबोधित किया और इसके बाद विरोध प्रदर्शन किया। सभा को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक है और

श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए चढ़ावे के उपयोग में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कथित वित्तीय अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए भाजपा और उत्तर प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए। शिवसेना (यूबीटी) का आरोप है कि अयोध्या राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे के प्रबंधन में गड़बड़ी हुई है। इसी मुद्दे को लेकर पार्टी ने राज्यव्यापी 'राम रक्षा आंदोलन' शुरू किया है। उल्लेखनीय है कि आरोप सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जून को मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था।

संक्षिप्त खबरें

भवन निर्माण में मुंशी पर 6.51 लाख की हेराफेरी का आरोप, केस दर्ज

मजदूरी और निर्माण सामग्री के लिए दी गई थी रकम।

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र में मकान निर्माण के दौरान मुंशी पर 6.51 लाख रुपये के गबन और धोखाधड़ी का आरोप लगा है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ऐहार गांव निवासी विनय बाजपेई पुत्र प्रभात कुमार बाजपेई ने पुलिस को बताया कि वह अपना मकान बनवा रहे थे। निर्माण कार्य की देखरेख, श्रमिकों को मजदूरी देने और निर्माण सामग्री उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी कोरिहर गांव निवासी राकेश कुमार तिवारी को मुंशी के रूप में सौंपी गई थी। निर्माण कार्य का कोई ठेका नहीं दिया गया था। पीड़ित के मुताबिक उन्होंने आरोपी को बैंक के माध्यम से 5.51 लाख रुपये और दो बार में 50-50 हजार रुपये नकद दिए। कुल 6.51 लाख रुपये निर्माण कार्य के लिए दिए गए थे। आरोप है कि आरोपी ने न तो मजदूरों को मजदूरी दी और न ही निर्माण सामग्री उपलब्ध कराई। जांच करने पर पता चला कि रकम का गबन कर लिया गया। रुपये वापस मांगने पर आरोपी ने गाली गलौज की और धमकी दी। पीड़ित का यह भी आरोप है कि दबाव बनाने के लिए आरोपी ने अधिकारियों के समक्ष झूठी शिकायतें भी कीं। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

महराजगंज/रायबरेली तहसील सभागार में शनिवार को उपजिलाधिकारी चंद्र प्रकाश गौतम की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 32 शिकायतें दर्ज की गई। इनमें से पांच मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर फरियादियों को तत्काल राहत प्रदान की गई, जबकि शेष शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया। समाधान दिवस में राजस्व विभाग की सर्वाधिक 15 शिकायतें प्राप्त हुईं। इसके अलावा पुलिस विभाग से संबंधित चार, विकास विभाग की दो तथा अन्य विभागों की 11 शिकायतें दर्ज की गईं। अध्यक्षता कर रहे उपजिलाधिकारी चंद्र प्रकाश गौतम ने सभी विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा आमजन की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निराकरण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सम्पूर्ण समाधान दिवस में खंड विकास अधिकारी श्रद्धा सोनकर, खंड विकास अधिकारी शिवगढ़ शिवाकांत बाजपेई, नायब तहसीलदार सत्याराज, क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार, कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डिजिटल सेवा केंद्र का ताला तोड़कर 40 हजार नकद, डीवीआर चोरी

गोपीगंज। थाना के झिलियापुल आजाद नगर स्थित डिजिटल सेवा केंद्र में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर नकदी और सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना 17 जुलाई की रात की है। मो. आदिल पुत्र गुलाम पीर मोहम्मद निवासी चुड़िहारी मोहाल ने बताया कि रोज की तरह दुकान बंद कर वह घर चले गए थे। सुबह दुकान खोलने के लिए पहुंचा तो देखा कि मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चोर मेज की दराज से लगभग 40,000 रुपये नकद और पहचान छिपाने के लिए सीसीटीवी कैमरे का हार्ड डिस्क भी उठा ले गए। इतना ही नहीं चोरों ने आसपास के पड़ोसियों के घरों के दरवाजे बाहर से बंद कर दिए और बगल के एक मकान का ताला भी तोड़ दिया। घटना की सूचना पीआरबी पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और निरीक्षण कर आगे की कार्रवाई के लिए थाने बुलाया। पीड़ित ने थानाध्यक्ष को प्रार्थना पत्र देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

घटतौली साबित, कोटेदार पर कार्रवाई की तैयारी

प्रधान प्रतिनिधि व ग्रामीणों की शिकायत पर जांच टीम ने 12 जुलाई को की थी जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले कप्तानगंज ग्राम पंचायत नरहरपुर के कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ राशन वितरण में गड़बड़ी/अनिमियतता की पुष्टि होने पर जांच टीम ने खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज कृष्ण कुमार सिंह को रिपोर्ट प्रेषित की थी। जांच अधिकारी के द्वारा प्रेषित की गई रिपोर्ट के आधार पर खण्ड विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को अग्रिम कार्यवाही हेतु भेज दिया है। सूत्रों की माने तो जांच टीम ने कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ साक्ष्य के साथ रिपोर्ट खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज कृष्ण कुमार सिंह को प्रेषित किया था जिसको लेकर माना जा रहा है कि अब कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ (उचित दर विक्रेता) कोटेदार की दुकान कन निलंबित होने की कार्यवाही निश्चित हो गई है। कभी भी किसी भी समय उच्चाधिकारियों द्वारा (उचित दर विक्रेता) कोटेदार संजय कुमार की दुकान के निलंबन की कार्यवाही हो सकती है।

आप को बता दे कि विकासखण्ड कप्तानगंज के अन्तर्गत ग्राम पंचायत नरहरपुर में (उचित दर विक्रेता) कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ प्रधान प्रतिनिधि व ग्रामीणों ने लामबंद हो घटतौली का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री पोर्टल समेत अन्य उच्चाधिकारियों से शिकायत किया था जिस पर एडीओ पंचायत कप्तानगंज सुशील कुमार श्रीवास्तव ने जांच टीम गठित किया था। जांच टीम ने जांच करके जांच रिपोर्ट खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज को प्रेषित किया था। जांच अधिकारी द्वारा प्रेषित किये गये जांच रिपोर्ट के आधार पर कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है। उक्त प्रकरण में खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि जांच अधिकारी द्वारा प्रेषित किये गये रिपोर्ट के आधार पर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजा गया है।

पात्र दिव्यांग छात्राओं को मिलेगी निःशुल्क ई-ट्राईसाइकिल, जानें कैसे करें आवेदन

अम्बेडकरनगर। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने जनपद की समस्त 'स्कूल जानें वाली/ शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रही दिव्यांग छात्राओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ई-ट्राईसाइकिल प्रदान करनें हेतु योजना संचालित की गयी है। ऐसी छात्राएं जो किसी स्कूल/ कालेजों में अध्ययन कर रहीं और जो निम्नवत पात्रता की शर्तें जैसे (1) उम्र 16 या वर्ष उससे अधिक है। (2) दिव्यांगता का प्रमाण पत्र निर्गत है। (3) दिव्यांगजन या उसका परिवार आयकर दाता न हो (4) उत्तर प्रदेश की निवासी हों। (5) कमर के ऊपर का हिस्सा (भाग) स्वस्थ हो, उसकी दृष्टि अच्छी हो, मानसिक स्थिति अच्छी हो, और वह ई-ट्राईसाइकिल पर बैठकर अपने हाथों से उपकरण का संचालन करनें में सक्षम हो, इस योजना की पात्र मानी जाएंगी। वे अपना आवेदन पत्र आवश्यक अभिलेखों के साथ कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विकास भवन कक्ष संख्या-56 में किसी भी कार्य दिवस जमा करा सकती हैं। तत्पश्चात उनका आवेदन विभाग द्वारा आनलाइन करके नियमानुसार ई-ट्राईसाइकिल उपलब्ध करानें की कार्यवाही की जाएगी।

रोस्टर के बावजूद पंचायत भवन नहीं पहुंचे सचिव

प्रदेश सरकार के रोस्टर प्रणाली को ठेंगा दिखा रहा सचिव विवेक कुमार नही रहा पंचायत भवन अगौना पर लटक रहा ताला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। प्रदेश की योगी सरकार ने गांव की समस्याओं को निस्तारण के लिए ग्राम पंचायत रोस्टर प्रणाली की व्यवस्था लागू की है जिससे गांव में सप्ताह के एक दिन सचिव को पंचायत भवन पर बैठकर चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्या सुन उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना है जैसे लोगों को प्रमाण पत्र, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, हैंडपंप खराब रीबोर समेत तमाम सारे समस्याओं को गांव में ही लोगों की बातें सुनकर निस्तारण कर देना है लेकिन विकासखंड बहादुरपुर में तैनात सचिव विवेक कुमार अपने तैनात ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत में ना जाकर ब्लॉक मुख्यालय/घर पर बैठकर आराम फरमाते हैं।

मीडिया टीम के पड़ताल में ग्राम पंचायत अगौना में सचिव पंचायत भवन से गायब मिले। पंचायत भवन के आसपास घूम रहे ग्रामीण से बात हुई तो ग्रामीणों ने बताया की सचिव पंचायत भवन पर आते ही नहीं हम लोगों को ब्लॉक मुख्यालय का आए दिन चक्कर लगाना पड़ता है जिससे काफी धन व्यय होता है और समय का भी नुकसान होता है। सचिव विवेक कुमार के मनमानी रवैए से प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी योजनाओं का ग्रामीणों को समुचित लाभ नहीं मिल रहा है जिससे प्रदेश सरकार की छवि भी धूमिल हो रही है रोस्टर प्रणाली को लेकर सहायक विकास अधिकारी अवधेश कुमार से बात की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि मामले की जांच की जाएगी और सचिव को स्पष्टीकरण की नोटिस देकर कार्रवाई की जाएगी। अब देखना यह है कि डियूटी से गायब सचिव विवेक कुमार के खिलाफ विभागीय कार्यवाही हो पाती है या नही? जो जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायतों की सुनवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से जनपद की चारों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में तहसील मुसाफिरखाना में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जाये, शिकायतों को गम्भीरता से लेकर उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना हमारी प्राथमिकता है, मुख्यमंत्री द्वारा भी जन सामान्य की शिकायतों के निस्तारण को लेकर कड़े निर्देश दिए गए हैं। किसी भी स्तर पर शिकायतों के निस्तारण में हीलाहवाली करने पर संबंधित अधिकारी, कर्मचारी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग के संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। तहसील मुसाफिरखाना में कुल 35 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 03 का मौके पर निस्तारण कराया गया, तहसील गौरीगंज में 22 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 03 का निस्तारण किया गया, तहसील अमेठी में 28 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 01 शिकायतों का निस्तारण किया गया तथा तहसील तिलोई में 35 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया तथा शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें मौके पर भेजी गई। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त जनपदीय अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालय में प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक जन समस्याओं को सुने तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। संपूर्ण समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को जल संचयन एवं संरक्षण हेतु शपथ दिलाई। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी मुसाफिरखाना नितेश राज, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, तहसीलदार मुसाफिरखाना सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

किसान की बेटी प्रीति यादव उपनिरीक्षक बन क्षेत्र का बढ़ाया मान

लालगंज (रायबरेली)। विकासखंड क्षेत्र के पूरे अजमेर मजरे शोभवापुर गांव की रहने वाली किसान की बेटी प्रीति यादव का चयन उत्तर प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक पद पर हुआ है। उनकी सफलता से परिवार और गांव में खुशी का माहौल है। प्रीति यादव साधारण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से हैं। उन्होंने कठिन परिस्थितियों के बीच लगातार मेहनत की। इसी का परिणाम है कि उनका चयन उपनिरीक्षक पद पर हुआ। प्रीति ने बताया कि इस सफलता में परिवार का पूरा सहयोग मिला। घर के सभी सदस्यों ने हर कदम पर उनका उत्साह बढ़ाया। इसी सहयोग से वह अपने लक्ष्य तक पहुंच सकीं। प्रीति के पिता राधेश्याम यादव ने बताया कि उनकी बेटी शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी थी। उसने अपनी मेहनत और लगन के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। चयन की खबर मिलते ही गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीण, रिश्तेदार और शुभचिंतक लगातार परिवार को बधाई दे रहे हैं। लोगों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताया। प्रीति यादव की सफलता सीमित संसाधनों में पढ़ाई करने वाली बेटियों के लिए प्रेरणा बन गई है। उन्होंने साबित किया कि दृढ़ संकल्प और मेहनत से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

उच्च कोटी की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने वाले आदर्श इंटर कॉलेज में हुआ वृक्षारोपण

समाज सेवी पीके तिवारी का जुलाई-अगस्त में एक हजार पौधे लगाने का संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। पर्यावरण संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने के उद्देश्य से कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान के प्रबंधक एवं समाजसेवी पी.के. तिवारी ने जुलाई एवं अगस्त माह के दौरान एक हजार पौधों के वृक्षारोपण का संकल्प लिया है। इसी अभियान के तहत उन्होंने क्षेत्र के गुणवत्तापूर्ण शिक्षण संस्थान आदर्श इंटर कॉलेज पहुंचकर विद्यालय परिवार के साथ विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया तथा विद्यार्थियों और शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।वृक्षारोपण कार्यक्रम में पी.के. तिवारी ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और लगातार घटते हरित क्षेत्र को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल भी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखना भी हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान सामाजिक सेवा, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रहा है और जुलाई-अगस्त के दौरान एक हजार पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।विद्यालय के प्रबंधक जयसिंह चंदेल ने पी.के. तिवारी के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। ऐसे अभियान समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ नई पीढ़ी को प्रकृति के प्रति जिम्मेदार बनने की प्रेरणा भी देते हैं। उन्होंने विद्यालय परिवार की ओर से इस अभियान में हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। उपस्थित शिक्षकों ने भी पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया और विद्यार्थियों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अविनाश सिंह, शिक्षक के.एन. पाण्डेय, सुमन सिंह, अंशिका गुप्ता सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को सफल बनाने के लिए सामूहिक सहभागिता पर बल दिया। समाजसेवी पी.के. तिवारी के इस संकल्प को क्षेत्र में सराहना मिल रही है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि समाज के प्रत्येक नागरिक और संस्थान इसी प्रकार पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आएं, तो हरित वातावरण के साथ आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा।

ग्राम प्रधान ने बीएसए के द्वारा दिये गये जनसूचना में लीपापोती का लगाया आरोप

पहले तो 13 बिन्दुओं की जनसूचना देने में बीएसए ने की थी आना-कानी बाद में थी लीपापोती रिपोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के विकासखण्ड बहादुरपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत डारीडीहा में स्थित प्राथमिक विद्यालय के संबंध में विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं विभागीय मदों के अंतर्गत वर्ष 2022- 23 से 2025 - 26 की समस्त प्राप्त धनराशि उसके व्यय का विवरण तथा विद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था से संबंधित अभिलेखों की प्रमाणित जन सूचना , जनसूचना अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत दिनांक 18- 05 - 2026 को ग्राम प्रधान सुनील चौधरी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी बस्ती अनूप कुमार तिवारी से मांगी थी। बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा दिये गये जनसूचना पत्र में लिखा गया है कि 13 बिन्दुओं की जनसूचना का खर्चा लगभग 4000 रुपये होगा जिसका भुगतान ग्राम प्रधान सुनील चौधरी को करना होगा अर्थात् जन सूचना मांगने वाले को देना होगा। बीएसए द्वारा दिये गये पत्र में एक भी बिन्दु की जनसूचना नही दी गई है मात्र जनसूचना के नाम पर लीपापोती की गई है । ग्राम प्रधान ने पुनः दिनांक- 08-07-2026 को एडी बेसिक से अपील किया है कि जनसूचना के लिए बीएसए द्वारा मांगी गई जनसूचना की खर्चा की धनराशि किस खाते में जमा होगी? ताकि समय से जनसूचना उपलब्ध हो सके। ग्राम प्रधान सुनील चौधरी ने शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों पर गंभीर आरोप हुए कहा कि जब हम ग्राम प्रधान है तो हमें जनसूचना के लिए इतना भाग दौड़ करना पड़ रहा है तब आम आदमी को जन सूचना के लिए कितना भाग दौड़ करना पड़ता होगा। मीडिया से बातचीत में ग्राम प्रधान ने कहा कि समय चाहे जितना भी समय लगे लेकिन जन सूचना लेकर ही रहेंगे और प्राप्त जन सूचना के आधार पर प्रधानाध्यापक मंजू देवी के खिलाफ उच्च अधिकारियों से शिकायत होगी और प्रधानाध्यापक मंजू देवी के भ्रष्टाचार की जांच कराकर विभागीय कार्यवाही करायेंगे।

तुर्कीपुर पंचायत में भ्रष्टाचार की जांच कब?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केदुबौलिया विकास खंड ग्राम पंचायत तुर्की पुर की महिला ग्राम प्रधान मंजू देवी सीधे विकसित भारत जी राम जी के मजदूरों के हकों पर डाका डाल रही है और जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी कुंभकर्णी नींद में मस्त हैं जब ऐसे ही जिम्मेदारों का रवैया रहा तो ग्राम पंचायत तुर्की पुर का समुचित विकास कभी नहीं होगा। आपको बता दें कि विकासखण्ड दुबौलिया के अन्तर्गत ग्राम पंचायत तुर्की पुर में तालाब खुदाई व सफाई के नाम पर आनलाइन मस्टर रोल जारी है और आनलाइन मस्टर रोल पर 133 मजदूरों की फर्जी हाज़िरी लग रही है अर्थात् प्रतिदिन लगभग 40 हजार रुपए की फर्जी हाज़िरी लग रही है जिसमें सचिव व TA अपना मनचाहा कमीशन तय कराकर फर्जी हाज़िरी लगवाने में जुटे हैं।

प्रभारी BDO दुबौलिया विनय कुमार द्विवेदी व मनरेगा APO भी ग्राम पंचायत तुर्की पुर के भ्रष्टाचार की नैया पार कराने में लगे हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं ग्राम पंचायत तुर्की पुर में मात्र विकास कार्य कागज में चल रहा है धरातल पर शून्य है। ग्राम प्रधान मंजू देवी पंचायत चुनाव देखते हुए सरकारी खजाने को खाली करने में सफल दिखाई दे रही है। मीडिया के धरातलीय पड़ताल में पता चला कि जिस तालाब पर आनलाइन मस्टर रोल जारी है उस तालाब में घास- पूस जमा हुआ है और कुछ हिस्से पर पानी भरा हुआ है। घास- पूस व पानी के बीच विकसित भारत जी राम जी मजदूरों का फर्जी हाज़िरी जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। उक्त प्रकरण में सीडीओ ने जांच कराकर फर्जी आनलाइन मस्टर रोल को जीरो करने का निर्देश दिया है।

26 जुलाई को होगा सैनिक बन्धु बैठक का आयोजन

अम्बेडकर नगर। आने वाले रविवार को दिनांक 26 जुलाई 2026 को समय 12.00 बजे जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, कार्यालय सभागार में जिलाधिकारी महोदया की अध्यक्षता में कारगिल विजय दिवस एवं सैनिक बन्धु बैठक का आयोजन किया जायेगा। जनपद के समस्त भूतपूर्व सैनिक/वीर नारियों एवं उनके सैनिक आश्रितों से अनुरोध है कि सैनिक बन्धु बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनायें। साथ ही जनपद के भूतपूर्व सैनिकों से अपील है कि जिनका कोई व्यक्तिगत समस्या एवं अन्य कार्यवाही लंबित है तो वह अपना आवेदन पत्र एवं जरूरी दस्तावेज कार्यालय जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अम्बेडकर नगर में दिनांक 24 जुलाई 2026 को समय 12.00 बजे तक दे सकते है।

आयुष्मान कार्य में लापरवाही पर बड़ी कार्रवाई

सीएमओ ने रोका सीएचसी गौर अधीक्षक का वेतन, अधीक्षक ने कर्मचारियों पर निकाली भड़ास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जनपद के एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौर (सीएचसी) में आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने कड़ा रुख अपनाया है। सीएमओ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएचसी अधीक्षक डॉ. पुनीत पांडे के वेतन आहरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। इस प्रशासनिक कार्रवाई के बाद अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया है। हैरानी की बात यह है कि अपना वेतन रुकने से नाराज अधीक्षक डॉ. पुनीत पांडे ने कथित तौर पर केंद्र के पैरामेडिकल और अन्य अधीनस्थ कर्मचारियों का वेतन भी रोक दिया है। अधीक्षक के इस तानाशाही रवैये के कारण नियमित स्वास्थ्य कर्मियों में भारी आक्रोश और अफरा-तफरी का माहौल है। कर्मचारियों का कहना है कि उच्च अधिकारियों की कार्रवाई की गाज उन पर गिराई जा रही है, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। वेतन न मिलने से कर्मचारियों के सामने गहरा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। परेशान कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें मकान का किराया देने, बच्चों की स्कूल फीस जमा करने और रोजमर्रा के घरेलू खर्च चलाने में बेहद दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ित कर्मचारियों ने सीएमओ से न्याय की गुहार लगाते हुए जल्द से जल्द वेतन बहाल कराने की मांग की है।

जल भराव पर डीएम सख्त, नालों की सफाई और जल निकासी के दिए निर्देश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा भारी बारिश से नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर क्षेत्र में जलजमाव का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने वी-मार्ट के सामने, हाइडिल तिराहा का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर को नालों की सफाई कराकर जल निकासी की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में जल जमाव है जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराये। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर अजय कुमार सिंह उपस्थित रहें।

एसडीएम उमाकांत तिवारी ने कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ कार्रवाई करने का दिया निर्देश

ग्रामीणों की शिकायत पर जांच टीम ने 12 जुलाई को की थी कोटेदार संजय कुमार के (उचित दर विक्रेता) दुकान की जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कप्तानगंज बस्ती- उप जिलाधिकारी हरैया उमाकांत तिवारी ने कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ पूर्ति निरीक्षक कप्तानगंज को कार्यवाही करने का निर्देश दिया है और 07 कार्य दिवस के अन्दर कोटेदार (उचित दर विक्रेता) संजय कुमार के खिलाफ की गई कार्यवाही की अवगत कराने का निर्देश दिया है। ग्राम पंचायत नरहरपुर के कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ राशन वितरण में गड़बड़ी/अनिमियतता की पुष्टि होने पर जांच टीम ने खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज कृष्ण कुमार सिंह को रिपोर्ट प्रेषित की थी। जांच अधिकारी के द्वारा प्रेषित की गई रिपोर्ट के आधार पर खण्ड विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने रिपोर्ट को अग्रिम कार्यवाही हेतु उप जिलाधिकारी हरैया को भेज दिया था।

आप को बता दे कि विकासखण्ड कप्तानगंज के अन्तर्गत ग्राम पंचायत नरहरपुर में (उचित दर विक्रेता) कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ राशन कार्ड धारको ने लामबंद होकर घटतौली का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री पोर्टल समेत अन्य उच्चाधिकारियों से शिकायत किया था जिस पर एडीओ पंचायत कप्तानगंज सुशील कुमार श्रीवास्तव ने जांच टीम गठित किया था। जांच टीम ने जांच करके जांच रिपोर्ट खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज को प्रेषित किया था। जांच अधिकारी द्वारा प्रेषित किये गये जांच रिपोर्ट के आधार पर कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है। उक्त प्रकरण में एसडीएम उमाकांत तिवारी ने बताया कि कोटेदार संजय कुमार के खिलाफ कार्रवाई हेतु पूर्ति निरीक्षक कप्तानगंज को निर्देशित किया गया है और 07 कार्य दिवस के अन्दर की गई कार्यवाही अवगत कराने का निर्देश दिया गया है।

महराजगंज इन्हौना मार्ग से प्रतिदिन गुजरने वाले हजारों लोगों के लिए नया पुल बनने से मिली बड़ी राहत

महराजगंज/रायबरेली। महराजगंज इन्हौना मार्ग से प्रतिदिन गुजरने वाले हजारों लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। कैर नइया नाले पर वर्षों से निर्माणाधीन नया पुल बनकर तैयार हो गया है। पुल के तैयार होने के साथ ही लंबे समय से बनी आवागमन की समस्या समाप्त हो गई है। जिससे क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली है। पुल निर्माण के दौरान इस मार्ग से गुजरना किसी चुनौती से कम नहीं था। संकरे वैकल्पिक रास्ते से लोग जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर थे। बरसात के दिनों में हालात और भी गंभीर हो जाते थे। वाहन चालकों को घंटों जाम का सामना करना पड़ता था, जबकि स्कूली बच्चों, किसानों, व्यापारियों, मरीजों और आम यात्रियों को रोजाना भारी परेशानियों से गुजरना पड़ता था।

अब नए पुल के तैयार होने से महराजगंज और इन्हौना के बीच यातायात पूरी तरह सुगम होगा। इससे न केवल यात्रा का समय कम होगा, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी काफी हद तक घटेगी। यह पुल क्षेत्र की ग्रामीण संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियों और स्थानीय विकास को भी नई गति देगा। स्थानीय लोगों ने पुल निर्माण पूरा होने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों से जिस दिन का इंतजार था, वह आखिरकार आ गया। अब लोगों को वैकल्पिक रास्तों की परेशानी और जोखिम भरे सफर से मुक्ति मिल गई है। उपजिलाधिकारी चंद्र प्रकाश गौतम ने बताया पुल का निर्माण कार्य पूरा होने पर आवागमन बहाल हो गया है। अब लोगों को राहत मिलेगी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर जिलाधिकारी ने तहसील में सुनीं फ़रियाद

भीटी, अम्बेडकरनगर। शासन के निर्देशानुसार माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को जनपद के समस्त तहसीलों में जिलाधिकारी व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले संपूर्ण समाधान दिवस के क्रम में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने शनिवार को तहसील भीटी में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जनसामान्य की शिकायतें सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने राजस्व एवं भूमि संबंधी प्रकरणों की मौके पर जांच कर पारदर्शी ढंग से कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण शासन की मंशा के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक ढंग से किया जाए। समाधान दिवस में प्राप्त कुछ शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को नियमानुसार समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील भीटी में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस कुल 107 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें से 06 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारित किए गए, शेष शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रमोद कुमार, उप जिलाधिकारी भीटी, तहसीलदार भीटी तथा संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

योगी सरकार के प्रयासों से यूपी के आम्रपाली आम को मिली वैश्विक पहचान

दो दिनों में 2400 किलो चौसा और आम्रपाली आम यूके निर्यात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध आम्रपाली आम को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिल रही है। योगी सरकार के निरंतर प्रयासों और भारत-यूके व्यापार समझौते के प्रभावी होने के बाद प्रदेश के बागबानों को बड़ा लाभ मिलने लगा है। इसी क्रम में शनिवार को 1200 किलोग्राम आम्रपाली आम की खेप लखनऊ से लंदन के लिए रवाना की गई। अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग बी.एल. मीणा ने उद्यान निदेशालय, लखनऊ से निर्यात खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बी.एल. मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व तथा उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार कृषि एवं उद्यान उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। सरकार का उद्देश्य प्रदेश के किसानों और बागबानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के आमों की गुणवत्ता और स्वाद के कारण विदेशों में इनकी मांग लगातार बढ़ रही है। सरकार निर्यात प्रक्रिया को सरल बनाने, गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के लिए भी लगातार प्रयास कर रही है। इससे प्रदेश के बागबानों की आय में वृद्धि होने के साथ-साथ कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। बी.एल. मीणा ने बताया कि कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) और उद्यान विभाग के समन्वित प्रयासों से उत्तर प्रदेश के आमों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिली है। निर्यात के बढ़ते अवसरों से किसानों को बेहतर बाजार और अधिक लाभकारी मूल्य प्राप्त हो रहा है। इससे प्रदेश की पहचान वैश्विक फल बाजार में लगातार मजबूत होती जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि पिछले दो दिनों में उत्तर प्रदेश से कुल 2400 किलोग्राम चौसा और आम्रपाली आम की खेप यूनाइटेड किंगडम (यूके) के लिए निर्यात की जा चुकी है। यह उपलब्धि प्रदेश के बागबानों के लिए उत्साहवर्धक है और भविष्य में अन्य कृषि एवं उद्यान उत्पादों के निर्यात की संभावनाओं को भी बढ़ाएगी। कार्यक्रम में उद्यान विभाग एवं एपीडा के अधिकारियों के साथ संबंधित निर्यातक भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश के आम सहित अन्य कृषि उत्पादों की मांग वैश्विक बाजार में और बढ़ेगी, जिससे प्रदेश के किसानों और बागबानों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा तथा उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

निपुण भारत मिशन का होगा विस्तार, बालवाटिका से कक्षा-5 तक तय होंगे अधिगम लक्ष्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने बुनियादी शिक्षा को अधिक गुणवत्तापूर्ण और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में निपुण भारत मिशन के विस्तारीकरण का रोडमैप तैयार किया है। नई कार्ययोजना के तहत मिशन का दायरा बालवाटिका से कक्षा-5 तक बढ़ाया जाएगा और प्रत्येक कक्षा के लिए स्पष्ट अधिगम लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप हर बच्चे की मजबूत शैक्षणिक नींव तैयार करने के उद्देश्य से यह पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि एनसीएफ, एनसीईआरटी और परख के मानकों के अनुरूप कक्षावार अधिगम लक्ष्य तय किए जाएंगे, ताकि कोई भी बच्चा सीखने के निर्धारित स्तर से पीछे न रहे। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था में बच्चों के सीखने के स्तर का नियमित मूल्यांकन, लर्निंग गैप की पहचान,

सुधारात्मक शिक्षण तथा शिक्षकों के क्षमता संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सरकारी विद्यालयों में गतिविधि आधारित शिक्षण, डिजिटल संसाधनों और दीक्षा प्लेटफॉर्म के माध्यम से शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश जारी किए हैं। कार्ययोजना के तहत कक्षा-3 से 5 तक हिंदी, अंग्रेजी, गणित और पर्यावरण अध्ययन के लिए विषयवार एवं कक्षावार अधिगम लक्ष्य विशेषज्ञों, एससीईआरटी, डायट और शिक्षकों के सहयोग से तैयार किए जाएंगे। नई योजना में केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने के बजाय प्रत्येक बच्चे के वास्तविक सीखने के स्तर पर फोकस किया जाएगा। नियमित फॉर्मेटिव असेसमेंट के माध्यम से बच्चों की प्रगति का आकलन होगा और कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष कैच-अप कक्षाओं की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही बालवाटिका स्तर पर स्कूल रेडीनेस, विद्यालय पुस्तकालयों के बेहतर उपयोग, पढ़ने की संस्कृति विकसित करने और अभिभावकों की सहभागिता को भी बढ़ावा दिया जाएगा। राज्य सरकार के अनुसार, राज्य, जिला, विकासखंड और विद्यालय स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग एवं समीक्षा व्यवस्था लागू कर मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार का दावा है कि यह पहल प्रदेश में बुनियादी शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार लाएगी और उत्तर प्रदेश को देश के लिए एक मॉडल राज्य के रूप में स्थापित करेगी।

नीट चयनित छात्रों का डीएम-एसपी ने किया सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लहरपुर सीतापुर। मेडिकल की सबसे बड़ी परीक्षा नीट में तहसील लहरपुर के सात छात्रों का चयन हमारे क्षेत्र की यह एक उपलब्धि है। निरंतर विगत 7 वर्षों से यह सिलसिला बराबर चल रहा है आज जिलाधिकारी राजा गणपति आर तथा पुलिस अधीक्षक सीतापुर के द्वारा नीट की परीक्षा में चयनित छात्रों को सम्मानित किया गया। जिसमें केरसौरा निवासी अहमद ए हम्जा अंसारी एवं मुबारकपुर निवासी मोहम्मद सैफ अंसारी को सम्मानित किया गया। इसके अलावा धनपुरिया निवासी चंदन मिश्रा ग्राम देईरामा निवासी शिवा वर्मा ग्राम सभा रिहार ब्लॉक बेहटा से रिया सिंह ग्राम सभा दुगना के विष्णु तथा दरियापुर निवासी प्रिंस भारती का चयन मेडिकल की परीक्षा में हुआ है। जिलाधिकारी ने सभी छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई करें और देश की सेवा करें कार्यक्रम में मुख्य रूप से सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हसीन अंसारी मुबारकपुर प्रधान मोहम्मद शाबान डॉक्टर मोहम्मद इलियास सिराज अहमद मोहम्मद रफीक समेत सैकड़ो की संख्या में सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

लुलु मॉल लखनऊ ने 'फोर एंड फैब्युलस' थीम के साथ मनाई अपनी चौथी वर्षगांठ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 17 जुलाई 2026: लुलु मॉल लखनऊ ने अपनी चौथी वर्षगांठ 'फोर एंड फैब्युलस' थीम के साथ उत्साहपूर्वक मनाई। इस अवसर पर मॉल के रिटेल पार्टनर्स, आमंत्रित अतिथि और लुलु परिवार के सदस्य मौजूद रहे। यह समारोह पिछले चार वर्षों में लखनऊवासियों को बेहतरीन शॉपिंग, मनोरंजन और सामुदायिक अनुभव देने की सफल यात्रा का उत्सव था। समारोह की शुरुआत केक काटकर की गई, जिसमें लखनऊ के लोगों के विश्वास और लगातार मिले सहयोग के लिए उनका धन्यवाद किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए श्री जयकुमार गंगाधरन, निदेशक (उत्तर प्रदेश, तेलंगाना एवं दिल्ली-एनसीआर), लुलु ग्रुप इंडिया ने पिछले चार वर्षों में लखनऊ के लोगों द्वारा दिए गए प्यार, विश्वास और सहयोग के लिए सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि लुलु ग्रुप आने वाले समय में उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर में अपने विस्तार की योजना पर काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि समूह का लक्ष्य अधिक रोजगार के अवसर पैदा करना, स्थानीय कारोबार को बढ़ावा देना और क्षेत्र के विकास में अपना योगदान देना है। साथ ही, लुलु ग्रुप आगे भी ग्राहकों को विश्वस्तरीय शॉपिंग, मनोरंजन और बेहतरीन सेवाओं का अनुभव देता रहेगा। शाम का मुख्य आकर्षण लुलु रिटेलर्स अवॉर्ड्स 2026 रहा, जिसमें बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले रिटेलर्स को सम्मानित किया गया। कुल 27 श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए, जिनके विजेताओं का चयन लखनऊ के लोगों द्वारा की गई पब्लिक वोटिंग के आधार पर हुआ। यूनिकॉर्न, यूनिक्लो, लुई फिलिप, नायका लक्स सहित कई प्रमुख ब्रांड्स को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समीर वर्मा, रीजनल मैनेजर (यूपी, तेलंगाना, दिल्ली एवं एनसीआर), लुलु लखनऊ ने लखनऊ के लोगों, रिटेल पार्टनर्स, कर्मचारियों और सभी सहयोगियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि पिछले चार वर्षों की इस सफल यात्रा में सभी का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा है। अपने उद्घाटन के बाद से ही लुलु मॉल लखनऊ शहर के सबसे पसंदीदा शॉपिंग और फैमिली डेस्टिनेशन में से एक बन चुका है। 300 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ, मॉल ने केवल खरीदारी तक ही खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि समय-समय पर कई विशेष कार्यक्रमों और सामाजिक पहलों का आयोजन भी किया। लुलु साइंस फेस्ट, लुलु वेडिंग उत्सव और डॉल्स ऑफ इंडिया जैसी सांस्कृतिक प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से मॉल ने लोगों को मनोरंजन, शिक्षा और भारतीय संस्कृति से जोड़ने का लगातार प्रयास किया है। पिछले चार वर्षों में लुलु हाइपरमार्केट ने भी गुणवत्तापूर्ण उत्पाद, अंतरराष्ट्रीय विकल्प और बेहतर कीमतों के माध्यम से हजारों परिवारों का विश्वास जीता है। वहीं फनटुरा बच्चों और परिवारों के लिए मनोरंजन का पसंदीदा केंद्र बन चुका है, जहाँ लोग यादगार पल बिताते हैं।

सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने पर बीजेएसपी का विरोध, दो मांगें रखीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में फेसबुक और व्हाट्सएप पर वायरल हो रहे वीडियो को देखकर भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज मोहन सिंह का दिल दहल गया। उन्होंने सोनम वांगचुक को उनके आमरण अनशन स्थल से बलपूर्वक उठाकर ले जाने की घटना को 'अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक' बताया। सिंह ने कहा, 'वीडियो में साफ दिख रहा है कि सादी वर्दी में लोग धोखे से घुसे और अहिंसक आंदोलनकारी को जबरदस्ती उठा ले गए। ये सरकार नहीं, अहंकार है। ये संवाद नहीं, दमन है। 18 जुलाई को घटी इस घटना ने भारत की लोकतांत्रिक छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल किया है। 'भारतीय जन समाज पार्टी की 2 पुरज़ोर मांगें: 1. पारदर्शिता: सादी वर्दी में कार्रवाई करने वालों की पहचान सार्वजनिक की जाए। 2. न्यायिक निगरानी: सोनम वांगचुक जी की चिकित्सा न्यायिक निगरानी में कराई जाए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, 'वांगचुक जी का जीवन मानवता, पर्यावरण-संरक्षण और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए अनमोल है। पूरी दुनिया इस समय भारत सरकार को संदेह की नजर से देख रही है।' उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय जन समाज पार्टी संविधान, लोकतंत्र और अहिंसक आंदोलन के साथ मजबूती से खड़ी है और शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक आवाजों का दमन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।

संक्षिप्त खबरें

20 जुलाई को घाघरा घाट पर होगा खंडित हनुमान विग्रह का विसर्जन, जल्द होगी नए विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा

बिसवां सीतापुर। गत माह बड़े हनुमानजी मंदिर में स्थापित हनुमान जी की प्राचीन विग्रह के खंडित हो जाने से क्षेत्र के भक्तों में शोक व्याप्त था। अब उसे शास्त्रोक्त विधि-विधान से विसर्जित किया जाएगा। हनुमंत सेवक समिति के पदाधिकारियों अमित अग्रवाल, वीरेश कुमार मिश्र और मुकुट बिहारी बाजपेयी ने संयुक्त रूप से बताया कि खंडित विग्रह का विसर्जन 20 जुलाई 2026, दिन सोमवार को प्रातः 8 बजे घाघरा घाट पर किया जाएगा। पदाधिकारियों ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार खंडित मूर्ति को जल में विसर्जित करने की परंपरा है। विसर्जन से पूर्व मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और हवन किया जाएगा। इसके बाद शोभायात्रा के रूप में विग्रह को बैंड-बाजे के साथ घाघरा घाट ले जाया जाएगा। समिति ने कहा कि विसर्जन के बाद जल्द ही मंदिर में हनुमान जी के नए विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा कराई जाएगी। इसके लिए तिथि का निर्धारण किया जा रहा है। समिति ने क्षेत्रवासियों से विसर्जन कार्यक्रम में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है ।

पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के विरुद्ध दर्ज किया मुकदमा

बिसवां सीतापुर। जनपद सीतापुर के लंघनिया गांव की विवाहिता सलीमुन निशा पत्नी बरकत अली की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट, दुष्कर्म के प्रयास व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता का आरोप है कि 13 जुलाई की रात उसका देवर कमरे में घुस आया और दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर अन्य स्वजन ने उसके साथ मारपीट की और पति ने तीन तलाक दे दिया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पुत्री के जन्म के बाद उसे लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा। कोतवाली प्रभारी राम राघव सिंह ने बताया कि लंघनिया गांव निवासी बरकत अली, रहमत अली, अमीना, फैय्याज और परवीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जाँच शुरू कर दी गई है।

बिसवां बार एसोसिएशन ने दो एसडीएम का किया भव्य स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। बिसवा बार एसोसिएशन बिसवा के तत्वाधान में बार सभागार बिसवा में नवागत उपजिलाधिकारी (प्रशासनिक) डॉ. राहुल सिंह एवं नवागत उपजिलाधिकारी (न्यायिक) सुधीर कुमार द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। बिसवा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राज किशोर यादव एवं सचिव नीरज कुमार श्रीवास्तव,वरिष्ठ अधिवक्ता आर एन सिंह,ब्रजेश नारायण गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष दिनेश कुमार श्रीवास्तव,वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष कठेरिया उपाध्यक्ष इंतिखाब आलम सिद्दीकी, कोषाध्यक्ष अनमोल कन्हैया,कैलाश नाथ श्रीवास्तव,सूर्य प्रसाद यादव,प्रमोद कुमार श्रीवास्तव,राजेश वर्मा, मनोज गुप्ता,प्रमोद यादव,जितेन्द्र मिश्रा,अरुण कुमार श्रीवास्तव,अश्वनी श्रीवास्तव, विपिन यादव,शिशुपाल यादव, रवि मौर्या,जीशान खान फूलचंद्र भार्गव, प्रदीप कुमार गौतम आदि अधिवक्ताओं एवं पदाधिकारियों ने दोनों अधिकारियों को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर उनका स्वागत अभिनंदन किया तथा उनके सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

उपजिलाधिकारी (प्रशासनिक) डॉ.राहुल सिंह सिद्धार्थनगर जनपद एवं उपजिलाधिकारी (न्यायिक)सुधीर कुमार अयोध्या जनपद से स्थानांतरित होकर हाल ही में तहसील बिसवां पहुंचे हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद दोनों अधिकारियों ने अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आमजन एवं वादकारियों को पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध प्रशासनिक एवं न्यायिक सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने अधिवक्ताओं के सहयोग से कानून के अनुरूप बेहतर कार्य संस्कृति विकसित करने का विश्वास भी जताया। अधिवक्ताओं ने दोनों उपजिलाधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में तहसील बिसवां में प्रशासनिक एवं न्यायिक कार्यों में पारदर्शिता, कार्यकुशलता तथा जनविश्वास और अधिक मजबूत होगा।

रानीखेड़ा में खुलेगा एसएमटी कॉन्वेंट स्कूल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर रहेगा विशेष जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र के रानीखेड़ा बखारी महमूदपुर में जल्द ही एसएमटी कॉन्वेंट स्कूल का शुभारंभ होने जा रहा है। स्कूल प्रबंधन ने बच्चों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उनके सर्वांगीण विकास का संकल्प लिया है। स्कूल के प्रबंधक हिमांशु सिंह ने बताया कि संस्थान में विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सभी शिक्षक प्रत्येक बच्चे को नियमित रूप से बेहतर तरीके से पढ़ाएंगे तथा प्रतिदिन गृहकार्य भी दिया जाएगा। पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष शैक्षणिक सहयोग और अतिरिक्त मार्गदर्शन की व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक दिलाना नहीं, बल्कि बच्चों का उज्ज्वल भविष्य और बेहतर करियर तैयार करना है। इसके लिए अनुशासित एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के आने-जाने के लिए स्कूल वैन की व्यवस्था भी उपलब्ध कराने की जानकारी दी। प्रबंधन का कहना है कि विद्यालय में सुरक्षित, अनुशासित और बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

सोनम वांगचुक के समर्थन में बिसवां में क्रमिक अनशन प्रारंभ

बिसवां/सीतापुर। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक के समर्थन में बिसवां के अधिवक्ताओं, विभिन्न सामाजिक संगठनों तथा मीडिया कर्मियों ने शनिवार को शहीद पार्क में क्रमिक अनशन शुरू किया। आयोजकों का कहना है कि यह अनशन

सोनम वांगचुक द्वारा दिल्ली के जंतर-मंतर पर किए जा रहे आंदोलन के समर्थन में आयोजित किया गयाद्य क्रमिक अनशन के पहले दिन 61 लोगों ने अपना समर्थन दर्ज कराया। प्रथम दिन अनशन पर बिसवां लायर्स एसोसिएशन अध्यक्ष कमलेंद्र बाजपेई अधिवक्ता अश्वनी कुमार त्रिपाठी, इंद्रपाल वर्मा, क्षितिज मिश्रा, राजन मिश्रा, इंतिखाब आलम रजनीश मिश्रा, नईम अंसारी, आनंद मेहरोत्रा, आर.एन. सिंह, विजय अवस्थी, अनुग्रह गुप्ता, अनवर हबीब सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

नगर निगम का स्वच्छता और अतिक्रमण पर एक्शन, जुर्माना भी लगा, अवैध कब्जे भी हटाए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम ने शनिवार को शहर में स्वच्छता और अतिक्रमण के खिलाफ व्यापक अभियान चलाते हुए कई स्थानों पर कार्रवाई की। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर अलग-अलग जोनों में गंदगी फैलाने वालों पर जुर्माना लगाया गया, अवैध अतिक्रमण हटाए गए और विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। जोन-1 में स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाले सात व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर कुल 59,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। पांच प्रतिष्ठानों पर 10-10 हजार रुपये तथा अन्य दो प्रतिष्ठानों पर 7,500 और 2,000 रुपये का आर्थिक दंड लगाया गया। वहीं जोन-5 में आलमबाग चौराहे से मवैया मेट्रो स्टेशन तक सघन अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाकर 20 से अधिक अवैध ढांचे हटाए गए। कार्रवाई के दौरान 10 ठेले, 4 गुमटियां और 6 काउंटर हटाए गए तथा अन्य सामान भी जब्त किया गया। प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग और गंदगी फैलाने पर 1,000 रुपये का शमन शुल्क भी वसूला गया। उधर जोन-4 में 'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ' अभियान के तहत जनेश्वर मिश्रा पार्क से लक्ष्मी मार्केट तक विशेष स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़कों और फुटपाथों की यांत्रिक धुलाई, खरपतवारों की सफाई तथा सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया। अभियान में 280 से अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। नगर निगम ने कहा कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

कार्यालयः अधिशासी अभियन्ता जोन-2, ऐशबाग, जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

पत्रांक -588/ई0ई0-2/एल0 जे0एस0 दिनॉक - 18/7/2026

अल्प कालीन निविदा सूचना

जलकल विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालिक निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनाँक 25/07/2026 को अपरान्ह 3.00 बजे तक अधिशासी अभियन्ता, जोन-2 कार्यालय के कैश काउन्टर से प्राप्त किये जा सकेते है। सील्ड निविदायें दिनांक 25/07/2026 को अधिशासी अभियन्ता, जोन-2 के कार्यालय में अपरान्ह 3:30 बजे तक सील्ड टेण्डर बाक्स से प्राप्त की जायेगीं। प्राप्त सभी निविदायें दिनाँक 25/07/2026 को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष 4:00 बजे अधिशासी अभियन्ता, जोन-2 के कार्यालय में खोली जायेंगी। एक या समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार बिना कारण बताये महाप्रबन्धक, जलकल विभाग में निहित होगा। पूर्ण विवरण कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में देखा जा सकता है। कार्यालय में अवकाश होने की दशा में निविदायें उसी क्रम में समययानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी।

क्रं0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर राशि	निविदा मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Supply of Visitor Chair, Revolving Chair and Off Table King Size at Jalkal Vibhag, Zone-2 Store, LKo	1900.00	Rs. 100 +18% GST = 118	07 दिवस
2	Reboring of 1.50 HP submersible pump 02 Nos at Shram Vihar Nagar, Aishbagh and Arti Nagar, Gadhi Kanaura, Talkatora, Ambedkar Nagar Ward, Lko	6800.00	Rs. 350 +18% GST = 413	07 दिवस

अधिशासी अभियन्ता, जोन-2
जलकल विभाग, नगर निगम,
लखनऊ

संपादकीय

वांगचुक को जबरन इलाज, जिम्मेदारी या स्वतंत्रता पर हस्तक्षेप

दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता और पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक को उनकी बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति के बीच पुलिस द्वारा अस्पताल ले जाना और उसके बाद शुरू हुआ विवाद केवल एक व्यक्ति के इलाज का मामला नहीं है। इसने भारतीय लोकतंत्र, न्यायपालिका, नागरिक अधिकारों और राज्य की जिम्मेदारियों से जुड़े कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया था कि वांगचुक के स्वास्थ्य की प्रतिदिन सरकारी डॉक्टरों से निगरानी कराई जाए और यदि डॉक्टर आवश्यक समझें तो चिकित्सा हस्तक्षेप किया जाए। अदालत ने यह भी कहा कि 'हर नागरिक का जीवन बहुमूल्य है और उसे बचाने के लिए हर संभव प्रयास होना चाहिए। इसके बाद जब वांगचुक की हालत और बिगड़ी तो दिल्ली पुलिस उन्हें सफदरजंग अस्पताल ले गई। पुलिस ने इसे अदालत के निर्देशों और डॉक्टरों की सलाह के अनुरूप उठाया गया कदम बताया। वहीं वांगचुक के समर्थकों और परिवार ने आरोप लगाया कि उन्हें उनकी इच्छा के विरुद्ध अस्पताल ले जाया गया और बिना सहमति इलाज की कोशिश की गई। विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि अदालत ने 'जबरन अस्पताल ले जाने' का स्पष्ट आदेश नहीं दिया था। अदालत ने सरकार से कहा था कि स्वास्थ्य की नियमित निगरानी हो और डॉक्टरों की राय के अनुसार आवश्यक चिकित्सा हस्तक्षेप किया जाए। बाद में प्रशासन ने इसी आधार पर अस्पताल ले जाने का निर्णय लिया। क्या चिकित्सा हस्तक्षेप का अर्थ व्यक्ति की इच्छा के विरुद्ध अस्पताल में भर्ती करना भी हो सकता है? या फिर इसके लिए अलग कानूनी प्रक्रिया और स्पष्ट सहमति आवश्यक है? भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता दोनों की रक्षा करता है। यदि कोई व्यक्ति पूरी मानसिक क्षमता में है और स्वयं कोई निर्णय ले रहा है, तो सामान्य परिस्थितियों में उसकी इच्छा का सम्मान किया जाना चाहिए। दूसरी ओर यदि लंबे अनशन के कारण जीवन पर तत्काल खतरा उत्पन्न हो जाए, तो राज्य पर भी नागरिक का जीवन बचाने की जिम्मेदारी होती है। यही वह बिंदु है जहां नैतिक और कानूनी दोनों प्रकार का टकराव उत्पन्न होता है। क्या जबरन इलाज उचित है? इस प्रश्न का कोई सीधा उत्तर नहीं है। जबरन इलाज के पक्ष में यह तर्क दिया जाता है कि सरकार किसी नागरिक को मरते हुए नहीं देख सकती। यदि जीवन बचाया जा सकता है तो प्रशासन को हस्तक्षेप करना चाहिए। अदालत ने भी जीवन की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। वहीं विरोध करने वालों का कहना है कि शांतिपूर्ण अनशन लोकतांत्रिक विरोध का संवैधानिक माध्यम है। यदि व्यक्ति मानसिक रूप से सक्षम है तो उसकी इच्छा सर्वोपरि होनी चाहिए। बिना सहमति चिकित्सा हस्तक्षेप व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन माना जा सकता है। परिवार की आपत्ति ने बढ़ाया विवाद वांगचुक की पत्नी ने सार्वजनिक रूप से कहा कि उनकी अनुमति के बिना कोई उपचार न किया जाए। इससे विवाद और गहरा गया क्योंकि अब मामला केवल प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच नहीं रहा, बल्कि परिवार की सहमति का प्रश्न भी सामने आ गया। इस घटनाक्रम के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ ने इसे जीवन बचाने की आवश्यक कार्रवाई बताया, जबकि अन्य ने इसे शांतिपूर्ण आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश कहा। अस्पताल ले जाने के दौरान पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठाए गए। लोकतंत्र केवल विरोध का अधिकार नहीं देता, बल्कि राज्य पर नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी डालता है। इसलिए ऐसे मामलों में संतुलन बनाना सबसे कठिन कार्य होता है। यदि सरकार हस्तक्षेप नहीं करती और कोई अप्रिय घटना हो जाती, तो उसी सरकार पर लापरवाही का आरोप लगता। वहीं हस्तक्षेप करने पर व्यक्तिगत स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर सवाल उठते हैं। सोनम वांगचुक का मामला केवल एक अनशन या एक अदालत के आदेश तक सीमित नहीं है। इसने यह बहस फिर से जीवित कर दी है कि किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में व्यक्ति की स्वायत्तता और राज्य की संरक्षणकारी भूमिका के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, अदालत ने नियमित चिकित्सकीय निगरानी और आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सा हस्तक्षेप का निर्देश दिया था; अस्पताल ले जाने और उसके तरीके को लेकर अलग-अलग पक्ष अपनी-अपनी व्याख्या कर रहे हैं।

राजीव शुक्ला -(संपादक)

मेष-आज चंद्रमा का गोचर आपकी राशि से छठे भाव में होने जा रहा है। इसके प्रभाव से कार्यक्षेत्र में चल रही प्रतियोगिता में आपको सफलता प्राप्त होगी और आपके विरोधी निष्प्रभावी रहेंगे। नौकरी करने वाले जातकों को उच्च अधिकारियों की ओर से नई जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं। व्यापारिक क्षेत्र में पुराने ग्राहकों के आगमन से धन लाभ होगा।

वृषभ-आज चंद्रमा आपकी राशि से पांचवें भाव में स्थित रहेंगे जिससे विद्यार्थियों और प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी में जुटे लोगों के लिए समय अत्यंत अनुकूल सिद्ध होगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और आपसी तालमेल बेहतर होगा।

मिथुन-आज चंद्रमा का गोचर आपकी राशि से चौथे भाव में रहेगा। इसके कारण घरेलू और पारिवारिक कार्यों में आपकी व्यस्तता अचानक बढ़ सकती है। भूमि, भवन या वाहन से संबंधित अटके हुए कार्य अब गति पकड़ेंगे।

कर्क -आज चंद्रमा आपकी राशि से तीसरे भाव में विराजमान रहेंगे जिसके प्रभाव से आपके आत्मबल और साहस में वृद्धि होगी। लंबे समय से रुके हुए कार्य सहजता से पूरे हो जाएंगे। भाई-बहनों का हर मोड़ पर सहयोग प्राप्त होगा।

सिंह -आज चंद्रमा का संचरण आपकी राशि से दूसरे भाव में होने जा रहा है। इसके फलस्वरूप आर्थिक मामलों में आपको अभूतपूर्व सफलता मिलने की संभावना है। पूर्व में रुका हुआ या फंसा हुआ धन आपको वापस मिल सकता है।

कन्या-आज चंद्रमा का गोचर आपकी ही राशि में होने जा रहा है। इसके प्रभाव से आपके भीतर गजब का आत्मविश्वास देखने को मिलेगा और आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी।

तुला-आज चंद्रमा आपकी राशि से बारहवें भाव में गोचर करेंगे। इसके कारण आपके अनावश्यक खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, इसलिए धन के प्रबंधन और बजट पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। विदेश या दूरदराज के क्षेत्रों से जुड़े हुए कार्यों में आपको सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक -आज चंद्रमा आपकी राशि से ग्यारहवें भाव में स्थित रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आपकी आय के नए मार्ग खुलेंगे और धन आगमन के स्रोत बढ़ेंगे। संकट के समय मित्रों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा।

धनु-आज चंद्रमा का गोचर आपकी राशि से दसवें भाव में होने जा रहा है जिसे कर्म भाव भी कहा जाता है। इसके प्रभाव से आपके करियर में उन्नति और प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर-आज चंद्रमा आपकी राशि से नवम भाव में गोचर करेंगे जो कि भाग्य का स्थान माना जाता है। इसके परिणाम स्वरूप आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और काफी समय से अटके हुए महत्वपूर्ण कार्य संपन्न होंगे।

कुंभ -आज चंद्रमा का संचार आपकी राशि से आठवें भाव में होने जा रहा है, इसलिए आपको किसी भी कार्य में जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। विशेष रूप से किसी भी महत्वपूर्ण दस्तावेज या अनुबंध पर हस्ताक्षर करने से पूर्व उसे अच्छी तरह पढ़ और समझ लें।

मीन -आज चंद्रमा आपकी राशि से सातवें भाव में गोचर करेंगे जिससे आपके दांपत्य जीवन में मधुरता और सद्भाव बढ़ेगा। यदि आप साझेदारी में कोई व्यापार करते हैं तो उससे आपको बड़ा लाभ होने की उम्मीद है। व्यवसाय के सिलसिले में नए समझौते या अनुबंध हो सकते हैं जो भविष्य के लिए लाभकारी रहेंगे। नौकरी में सहकर्मियों का पूरा साथ मिलेगा जिससे कार्य समय पर पूरे होंगे।

गाजियाबाद में बकरी पालन ने नाजमा को बनाया ग्रामीण स्वावलंबन की मिसाल

ग्रामीण परिवेश में बकरी नका रखरखाव बेहद आसान है, इसके पोषण के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता होती है और यह न्यूनतम लागत में अधिकतम मुनाफा देने का एक विश्वसनीय साधन है। प्रदेश सरकार की इस दूरदर्शी योजना का प्राथमिक लक्ष्य सीमांत और लघु किसानों की आय में गुणात्मक वृद्धि करना तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोककर स्थानीय स्तर पर ही स्वरोजगार के बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराना है, जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं को प्राथमिकता देकर समावेशी विकास की अवधारणा को साकार किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा इस महत्वाकांक्षी योजना को वैज्ञानिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण से विभिन्न स्तरों पर लागू किया गया है, ताकि हर वर्ग का लाभार्थी अपनी क्षमता के अनुसार इसका लाभ उठा सके। राज्य में मुख्य रूप से दो प्रकार के मॉडल अत्यधिक लोकप्रिय हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और कृषि-प्रधान राज्य में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर संवेदनशील और प्रयासशील है। राज्य के ग्रामीण एवं दूरदराज के इलाकों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने, गरीबी उन्मूलन और समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ''बकरी पालन योजना'' एक युगांतकारी पहल साबित हो रही है। ग्रामीण परिवेश में बकरी नका रखरखाव बेहद आसान है, इसके पोषण के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता होती है और यह न्यूनतम लागत में अधिकतम मुनाफा देने का एक विश्वसनीय साधन है। प्रदेश सरकार की इस दूरदर्शी योजना का प्राथमिक लक्ष्य सीमांत और लघु किसानों की आय में गुणात्मक वृद्धि करना तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोककर स्थानीय स्तर पर ही स्वरोजगार के बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराना है, जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं को प्राथमिकता देकर समावेशी विकास की अवधारणा को साकार किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा इस महत्वाकांक्षी योजना को वैज्ञानिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण से विभिन्न स्तरों पर लागू किया गया है, ताकि हर वर्ग का लाभार्थी अपनी क्षमता के अनुसार इसका लाभ उठा सके। राज्य में मुख्य रूप से दो प्रकार के मॉडल अत्यधिक लोकप्रिय हो रहे हैं। पहले मॉडल के तहत, सीमांत किसानों, भूमिहीन मजदूरों और घरेलू महिलाओं के लिए 10 बकरी और 1 बकरा अथवा 20 बकरी और 1 बकरा की लघु स्तरीय यूनिट स्थापित करने का प्रावधान है। वहीं, बड़े स्तर पर व्यावसायिक पशुपालन शुरू करने के इच्छुक उद्यमियों के लिए 100 बकरी और 5 बकरा की कमर्शियल यूनिट स्थापित करने हेतु भारी वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इस पर प्रदेश सरकार द्वारा दी जाने वाली आकर्षक सब्सिडी है, जो लाभार्थियों पर पूंजीगत व्यय के बोझ को काफी हद तक कम कर देती है। योजना के अंतर्गत सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को कुल लागत का लगभग 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है, जबकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आवेदकों के लिए यह सब्सिडी 60 से 70 प्रतिशत तक निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त, बची हुई आवश्यक धनराशि के लिए प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन के समन्वय से नाबार्ड तथा स्थानीय बैंकों के माध्यम से बेहद आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है, जिससे पूंजी के अभाव में कोई भी पात्र व्यक्ति इस लाभ से वंचित न रहे। योजना की सफलता को सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश की जलवायु के अनुकूल और अधिक दूध व मांस का उत्पादन करने वाली उन्नत नस्लों के पालन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद और आसपास के क्षेत्रों के लिए अत्यधिक उपयुक्त मानी जाने वाली प्रसिद्ध 'बरबरी' नस्ल को प्राथमिकता दी जा रही है। बरबरी नस्ल की बकरियां कम स्थान में आसानी से रह लेती हैं और साल में दो बार बच्चे देने की क्षमता रखती हैं, जिससे पशुपालक को तेजी से आर्थिक लाभ होता है। इसके अलावा, राज्य के विभिन्न क्षेत्रों की मांग के अनुसार दूध उत्पादन के लिए सर्वश्रेष्ठ 'जमुनापारी' तथा मांस और दूध दोनों के लिए बेहतरीन मानी जाने वाली 'बीतल' और 'सिराही' जैसी नस्लों के संवर्धन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार की नीति केवल वित्तीय सहायता देने तक सीमित नहीं है, अपितु पशुओं के समय पर टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण और वैज्ञानिक आहार प्रबंधन के लिए भी व्यापक तकनीकी सहायता निरंतर उपलब्ध कराई जाती है। पारदर्शी और सरल आवेदन प्रक्रिया इस योजना की एक अन्य महत्वपूर्ण कड़ी है। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार, इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह से सुगम और बाधारहित बनाया गया है। आवेदक का उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना तथा उसके पास बकरियों के सुरक्षित रखरखाव के लिए पर्याप्त स्थान होना अनिवार्य है। इच्छुक लाभार्थी को अपने आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, भूमि से संबंधित सामान्य दस्तावेज और बैंक पासबुक जैसे कागजातों के साथ जिला प्रशासन के माध्यम से संबंधित कार्यालयों में संपर्क करना होता है। आवेदन प्राप्त होने के उपरांत जिला प्रशासन द्वारा निष्पक्षता के साथ भूमि और पात्रता का त्वरित भौतिक सत्यापन किया जाता है, जिसके तत्काल बाद बैंक ऋण और अनुदान राशि के हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। यह पूरी प्रक्रिया प्रदेश सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' और पारदर्शिता की नीति को दर्शाती है। प्रदेश सरकार की इस जनकल्याणकारी योजना का धरातल पर क्या प्रभाव पड़ रहा है, इसका सबसे उत्कृष्ट और जीवंत उदाहरण गाजियाबाद जनपद में देखने को मिला है। गाजियाबाद निवासी नाजमा के लिए प्रदेश सरकार की यह बकरी पालन योजना जीवन बदलने वाली संजीवनी साबित हुई है। एक समय था जब नाजमा और उनका परिवार आजीविका के लिए केवल दैनिक मजदूरी पर निर्भर था। आय के सीमित और अनिश्चित साधनों के कारण परिवार को दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने में भी भारी आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ऐसे संघर्षपूर्ण समय में, जिला प्रशासन द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियानों के माध्यम से नाजमा को प्रदेश सरकार की बकरी पालन योजना और उस पर मिलने वाले अनुदान के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने इस अवसर को अपने जीवन का एक नया मोड़ बनाने का संकल्प लिया और योजना के तहत आवेदन कर अनुदान एवं ऋण प्राप्त किया। जिला प्रशासन द्वारा समय से उपलब्ध कराई गई आर्थिक और तकनीकी सहायता के बल पर नाजमा ने वैज्ञानिक विधि से बकरी पालन का कार्य प्रारंभ किया। उन्होंने विशेष रूप से उन्नत नस्ल की बकरियों के प्रजनन और उनके स्वास्थ्य प्रबंधन पर गहन ध्यान केंद्रित किया। प्रदेश सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई निरंतर पशु चिकित्सा सेवाओं और मार्गदर्शन का परिणाम यह हुआ कि नाजमा की यूनिट में उत्तम गुणवत्ता वाले बकरे और बकरियां तैयार होने लगीं। गाजियाबाद और उसके आसपास के स्थानीय बाजारों में उन्नत नस्ल के इन पशुओं की भारी मांग रही, जिसके फलस्वरूप उन्हें बाजार में बहुत ही उचित और लाभकारी मूल्य प्राप्त हुआ। इस उद्यम से नाजमा की आय में निरंतर और अपूर्व वृद्धि होने लगी, जिसने उनके परिवार की आर्थिक नींव को सुदृढ़ कर दिया। बकरी पालन से प्राप्त इस निरंतर और अतिरिक्त आय ने नाजमा के परिवार के सामाजिक और आर्थिक जीवन में एक ऐतिहासिक बदलाव ला दिया है। पहले जहाँ मजदूरी ही एकमात्र सहारा थी, वहीं अब यह सम्मानजनक व्यवसाय उनके परिवार की आय का मुख्य स्रोत बन चुका है। अपनी बढ़ी हुई आर्थिक क्षमता के कारण नाजमा ने अपने घर की बुनियादी जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने के साथ-साथ अपने बच्चों की उच्च एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान देना शुरू कर दिया है। आज उनका परिवार सामाजिक और आर्थिक रूप से पहले की अपेक्षा कहीं अधिक सशक्त, खुशहाल और पूरी तरह से आत्मनिर्भर है। समाज में आज नाजमा को एक सफल महिला उद्यमी के रूप में पहचाना जा रहा है, जो महिला सशक्तिकरण का एक अनूठा उदाहरण है। अपनी इस अभूतपूर्व सफलता का पूरा श्रेय नाजमा प्रदेश सरकार की कल्याणकारी नीतियों और जिला प्रशासन के पूर्ण सहयोग को देती हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि यदि प्रदेश सरकार द्वारा इतनी आसान शर्तों पर वित्तीय सहायता और सतत मार्गदर्शन न प्रदान किया गया होता, तो इस स्तर की सफलता प्राप्त करना असंभव था। नाजमा की इस प्रेरक सफलता को देखकर गाजियाबाद के ग्रामीण परिवेश में एक नई व्यावसायिक क्रांति का सूत्रपात हुआ है। उनके इस सफल प्रयास से प्रेरणा लेकर गांव के कई अन्य परिवारों ने भी पारंपरिक खेती और मजदूरी के साथ-साथ बकरी पालन को स्वरोजगार के एक विश्वसनीय माध्यम के रूप में अपनाना शुरू कर दिया है। नाजमा के पड़ोसी श्री आमिर खान भी प्रदेश सरकार की इस योजना और नाजमा की सफलता से अत्यधिक प्रभावित हुए हैं। श्री आमिर खान ने अब स्वयं इस लाभकारी व्यवसाय से जुड़ने का निर्णय लिया है और वे जिला प्रशासन के माध्यम से प्रदेश सरकार की आगामी योजनाओं में भाग लेने के लिए अपनी पूरी तैयारी कर चुके हैं। गाजियाबाद जनपद की नाजमा की यह प्रेरक कहानी इस तथ्य को पूर्णत: प्रमाणित करती है कि यदि प्रदेश सरकार की नीतियां जन-केंद्रित हों और जिला प्रशासन द्वारा उन्हें पूरी पारदर्शिता एवं तत्परता के साथ लागू किया जाए, तो सीमित संसाधनों वाले नागरिक भी गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकलकर आर्थिक स्वावलंबन के शिखर पर पहुँच सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की बकरी पालन योजना आज प्रदेश के हजारों परिवारों के लिए न केवल एक आर्थिक सुरक्षा कवच बन चुकी है, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं को समाज में एक नई पहचान और आत्मनिर्भरता प्रदान कर राज्य के समग्र विकास में ऐतिहासिक योगदान दे रही है।

जनपद-गाज़ियाबाद

भोजशाला और ज्ञानवापी का नजराना देकर नजीर पेश करे मुस्लिम समाज

दो अंग्रेजी कहावते हैं The eyes are useless when the mind is blind अर्थात् आँखें निरर्थक यदि दिमाग ही सत्य को देखने से इनकार कर दे। और दूजी कहावत है, Flogging a dead horse अर्थात् मरे हुए घोड़े को चाबुक मार-मारकर उससे उठने की आशा रखना। ये दोनों ही कहावतें वर्तमान समय में 'भारतीय मुस्लिम समाज' पर सटीक बैठती हैं।धार की वाग्देवी (मां सरस्वती) की पावन धरोहर 'भोजशाला' और साथ-साथ काशीनाथ के ज्ञानवापी मंदिर का मामला आज पुन: मुस्लिम समाज से सौहाद्र की आशा लिए खड़ा है। मुस्लिम समाज और विशेषत: इस समाज के नेतृत्व का दावा करने वाले नेताओं को क्या यह बात समझ नहीं आती है कि - 'इस ऐतिहासिक परिसर पर हिंदू समाज का दावा केवल आस्था पर नहीं, बल्कि अकाट्य ऐतिहासिक और वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित है?' मुस्लिम समाज के नेता यदि अपनी सियासती स्वार्थों के कारण सही बात नहीं पर पा रहे हैं तो मुल्ला, मौलवी, मुस्लिम स्कालर्स, प्रोफेसर्स, बुद्धिजीवियों को आगे आना चाहिए और भोजशाला व ज्ञानवापी का नजराना थाली में सजाकर हिंदू समाज को सौंपना चाहिए। यदि मुस्लिम नेता और आलिम दोनों ही ऐसा नहीं करते हैं तो फिर बार-बार गंगा जमुनी तहजीब की बात हिंदू और मुस्लिम समाज दोनों को ही बंद कर देनी चाहिए। गंगा-जमुनी तहजीब केवल जुमला नहीं है यह मुस्लिम वर्ग को सिद्ध करने का यह सर्वाधिक सटीक अवसर है। परमार वंश के महान राजा भोज द्वारा वर्ष 1034 में निर्मित यह संस्कृत पाठशाला और वाग्देवी मंदिर भारतीय ज्ञान परंपरा का एक अनुपम केंद्र था। हाल ही में उच्च न्यायालय के आदेश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा किए गए वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इस स्थान के मूल स्वरूप को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। सर्वेक्षण के दौरान परिसर और उसके मलबे से सनातन धर्म के विभिन्न देवी-देवताओं की खंडित एवं संरक्षित प्रतिमाएं प्राप्त हुई हैं। इनमें भगवान गणेश, शिव, विष्णु, ब्रह्मा, माता पार्वती और वाग्देवी (सरस्वती) की अद्भुत कलाकृतियां सम्मिलित हैं। ये मूर्तियां स्पष्ट करती हैं कि यह मूल रूप से एक मंदिर परिसर था। भोजशाला की दीवारों और स्तंभों पर संस्कृत और प्राकृत भाषा में लिखे गए कई शिलालेख मिले हैं। इनमें संस्कृत व्याकरण (पतंजलि के सूत्र), काव्य और राजा भोज की स्तुति अंकित है। मस्जिदों में अरबी या फारसी के शिलालेख होते हैं, परंतु यहाँ देवनागरी लिपि में खुदे वैदिक मंत्र और व्याकरण के नियम इस स्थान के अकाट्य 'सरस्वती कंठाभरण' (विद्या का मंदिर) होने की पुष्टि करते हैं। परिसर के स्तंभों, बीम और छतों पर नक्काशीदार कमल, स्वस्तिक, कलश, शंख, कीर्तिमुख और अप्सराओं की आकृतियां उकेरी गई हैं। इस्लामी वास्तुकला में जीवंत आकृतियों का अंकन पूर्णत: वर्जित है, जबकि भोजशाला के कोने-कोने में ये कलाकृतियां बिखरी पड़ी हैं, जो इसके मंदिर होने का जीवंत प्रमाण हैं। वैज्ञानिक जांच में परिसर के भीतर प्राचीन हवन कुंड और गर्भगृह के स्पष्ट अवशेष मिले हैं। वर्तमान में जो ढांचा मस्जिद के रूप में उपयोग किया जा रहा है, वह वास्तव में मंदिर के ही स्तंभों और सामग्री को उलट-पुलट कर तथा उन्हें क्षतिग्रस्त करके खड़ा किया गया है। ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार, इस मंदिर की मूल अधिष्ठात्री देवी 'वाग्देवी' की प्रतिमा को ब्रिटिश काल में यहाँ से हटाकर लंदन के 'ब्रिटिश म्यूजियम' में रख दिया गया था, जिसके आधार पर भी हिंदू समाज का यह दावा वैश्विक स्तर पर सिद्ध होता है।

इन तमाम वैज्ञानिक और पुरातात्विक तथ्यों के प्रकाश में यह स्पष्ट है कि धार की भोजशाला पर हिंदू समाज का अधिकार पूरी तरह स्वाभाविक, ऐतिहासिक और न्यायसंगत है। ऐसे में, इस सत्य को नकारकर अदालतों में अपील दर अपील करना केवल समय की बर्बादी और समाज में कटुता बढ़ाने का माध्यम ही बनेगा। काशी की 'ज्ञानवापी' और धार की 'भोजशाला' दोनों ही स्थानों पर प्रत्यक्ष दिखने वाले पुरातात्विक साक्ष्य चिल्ला-चिल्लाकर सच्चाई बयां कर रहे हैं। सत्य को केवल कानूनी दांव-पेंचों से कुछ समय के लिए टाला जा सकता है, मिटाया नहीं जा सकता। न्यायालय भी अंतत: साक्ष्यों और जनभावनाओं के संतुलन पर ही निर्णय देता है। ऐसे में फिर से सुप्रीम कोर्ट की शरण में जाना 'अपनी ही कुल्हाड़ी पर पैर मारने' जैसा है। मुस्लिम समाज के नेताओं, मुल्ला-मौलवियों, बुद्धिजीवियों यह विचार करना ही चाहिए कि ऐसी हठधर्मिता भला किस काम की? वो क्यों अयोध्या जैसी ज़िद किए रहना चाहते हैं? हठधर्मिता का अंत हमेशा कड़वाहट के साथ होता है, जबकि संवाद का अंत सदैव सम्मान के साथ होता है। भारतीय मुसलमानों को यह ऐतिहासिक सत्य स्वीकार करना होगा कि उनके पुरखों के जींस और रक्त इस देश की मिट्टी से जुड़े है, किसी विदेशी आक्रांता बाबर या औरंगजेब से नहीं। वे इसी भूमि की संतान हैं। बहुसंख्यक हिंदू समाज ने सदियों तक अपने मानबिंदुओं के विध्वंस को मूक दर्शक बनकर झेला है, और अब स्वतंत्रता के बाद वह अपनी सांस्कृतिक पहचान को पुन: स्थापित करने के लिए आतुर है। ऐसी परिस्थिति में मुस्लिम समाज को कानूनी लड़ाई लड़ने के बजाय एक बड़ा दिल दिखाना चाहिए। हिंदू समाज को 'बड़ा भाई' मानते हुए उन्हें आगे बढ़कर यह कहना चाहिए: 'ये स्थान आपकी आस्था के केंद्र हैं, हम स्वेच्छा से इन पर अपना दावा छोड़ते हैं।' यह कदम मुस्लिम समाज की कमजोरी नहीं, बल्कि उनके बड़प्पन, सहिष्णुता और कथित 'गंगा-जमुनी तहजीब' का जीवंत उदाहरण बनेगा। जब बड़ा भाई अपने मानबिंदुओं को वापस पाने के लिए संघर्षरत हो, तो छोटे भाई का धर्म अड़चन बनना नहीं, बल्कि ससम्मान मार्ग प्रशस्त करना होता है। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि देश का आम मुसलमान झगड़ा नहीं चाहता। वह अमन, शिक्षा और तरक्की की राह पर चलना चाहता है। परंतु समस्या मुस्लिम समाज के भीतर के उन कट्टरपंथी नेताओं और वोट बैंक की राजनीति करने वाले स्वार्थी तत्वों की है, जो अपनी राजनीतिक दुकानें चमकाने के लिए आम मुसलमानों के मन में अकारण भय पैदा करते हैं। वे यह झूठा डर फैलाते हैं कि 'यदि आज एक मस्जिद छोड़ी, तो कल सारी मस्जिदें छीन ली जाएंगी।' मुस्लिम समाज की सबसे बड़ी त्रासदी यह रही है कि वह इन चंद सियासी ठेकेदारों के हाथों की कठपुतली बन जाता है। इस समाज को अब आत्ममंथन करना होगा। उन्हें अपनी कमान अड़ियल रुख वाले नेताओं के हाथ से छीनकर प्रगतिशील, शिक्षित और उदारवादी चेहरों को सौंपनी होगी, जो देश की मुख्यधारा के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने में विश्वास रखते हों। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के फैसले कानून की सीमाओं में बंधे होते हैं, लेकिन दिलों को जोड़ने का काम अदालतें नहीं कर सकतीं। धार और काशी के मामलों में यदि मुस्लिम समाज सुप्रीम कोर्ट न जाकर सीधे हिंदू समाज के संतों और प्रतिनिधियों के साथ बैठकर सौहार्दपूर्ण समझौता कर ले, तो यह पूरे विश्व के समक्ष भारतीय संस्कृति की एक अनुपम मिसाल होगी। यह अवसर इतिहास को बदलने का है। भारतीय मुस्लिम समाज को कड़वाहट की अपनी पुरानी विरासत को यहीं दफन करना चाहिए। उसे धार व काशी में चीख-चीख कर हिंदू मंदिर होने की घोषणा करते वैज्ञानिक व पुरातात्विक साक्ष्यों को हृदय से स्वीकार कर हिंदू समाज को सम्मानपूर्वक एक नजराना देकर एक नजीर पेश करनी चाहिए।

- डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

ओटीटी की चौपाल पर नामचीनों का जमघट

मनोरंजन की दुनिया में ओटीटी (ओवर द टॉप) बड़ा बदलाव है। इसकी नींव उस दौर में पड़ी, जब दुनिया एक अनचाहे संकट से जूझ रही थी। कोरोना महामारी के भयावह काल में लोग घरों में बंद थे, सिनेमाघर भी बंद हो चुके थे। उस माहौल में मानसिक शांति और मनोरंजन के लिए लोगों के पास केवल मोबाइल फोन और टीवी स्क्रीन ही सहारा थीं। संकट के इस दौर में डिजिटल प्लेटफॉर्म ने अपनी उपस्थिति मजबूती से दर्ज कराई। जो दर्शक पहले केवल ढाई घंटे की मसाला फिल्मों के आदी थे, उन्हें घर बैठे ऐसी कहानियों का स्वाद चखने को मिला। हर सप्ताह नई कहानियां, नए विषय और बिना किसी विज्ञापन के निरंतर चलने वाले मनोरंजन ने दर्शकों को ऐसा आकर्षित किया कि यह प्लेटफॉर्म उनका चहेता बन गया। कोरोना काल के बाद भी दर्शकों की

यह आदत नहीं बदली, बल्कि इसने पारंपरिक सिनेमा के एकाधिकार को हमेशा के लिए चुनौती दे दी। एक समय था जब बड़े परदे के कलाकारों के लिए टेलीविजन या किसी छोटे माध्यम पर काम करना उनके स्तर से नीचे माना जाता था। लेकिन, डिजिटल प्लेटफॉर्म की बढ़ती ताकत और इसकी पहुंच ने इस धारणा को बदल दिया। आज स्थिति यह कि सिनेमा के बड़े-बड़े अभिनेता-अभिनेत्रियां इस नए माध्यम की वेब सीरीज में काम करने के लिए लालायित दिखाई देने लगे। सैफ अली खान जैसे स्थापित अभिनेता ने 'सैक्रेड गेम्स' और अब 'तांडव' जैसी वेब सीरीज में मुख्य भूमिका निभाकर चौंका दिया। इसके बाद तो जैसे बॉलीवुड के दिग्गजों की कतार लग गई। अनिल कपूर ने 'द नाइट मैनेजर' जैसी चर्चित श्रृंखला में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरा, तो वहीं 'धक-धक गर्ल' माधुरी दीक्षित ने 'द फेम गेम' और 'मिसेज देशपांडे' के बाद 'मां बहन' के जरिए इस डिजिटल दुनिया में कदम रखा। अजय देवगन ने 'रुद्रा' और शाहिद कपूर ने 'फर्जी' जैसी वेब सीरीज से दर्शकों के दिलों पर राज किया। यह बदलाव सबूत है कि अब कलाकार पर्दे के आकार से नहीं, बल्कि कहानी की गहराई और उसकी पहुंच से अपनी सफलता आंक रहे हैं।इस पूरे परिदृश्य का खूबसूरत पहलू यह रहा कि इसने सिनेमा की वंशवादी और नेपोटिज्म की व्यवस्था पर चोट की, जहां केवल कुछ खास चेहरों को ही अवसर मिलते थे। ओटीटी ने योग्यता और प्रतिभा को तरजीह दी। इसके चलते ऐसे कलाकारों का उदय हुआ, जो आज लोकप्रियता के मामले में किसी बड़े फिल्मी सितारे से कम नहीं, बल्कि कई मायनों में उनसे कहीं आगे हैं। इस सूची में सबसे पहला नाम है पंकज त्रिपाठी। 'मिर्जापुर' जैसी वेब सीरीज में कालीन भैया के उनके किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दी। मनोज बाजपेयी को 'द फैमिली मैन' के श्रीकांत तिवारी के रूप में अभूतपूर्व लोकप्रियता मिली। इसके बाद उन्होंने कई वेब सीरीज में काम किया। इसी तरह 'स्कैम 1992' के जरिए प्रतीक गांधी ने हर्षद मेहता के किरदार में जो जान फूंकी, उसने उन्हें मनोरंजन जगत का बड़ा चेहरा बना दिया। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने भी अभिनय की ताकत से 'सेक्रेड गेम्स' के गणेश गायतोंडे के रूप में खास पहचान बनाई। जितेंद्र कुमार ने 'पंचायत' के सचिव जी और 'कोटा फैक्ट्री' के जीतू भैया के रूप में युवाओं के दिलों में वो जगह बनाई जो शायद बड़े पर्दे के रोमांटिक हीरो भी नहीं बना पाते। डिजिटल प्लेटफॉर्म की एक और बड़ी विशेषता रही कि इन्होंने केवल काल्पनिक अपराध या थ्रिलर कहानियां ही नहीं दिखाई, बल्कि देश के गौरवशाली इतिहास और औद्योगिक विकास की सच्ची कहानियों को भी परदे पर उतारा।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

तकनीकी सहायक को रोजगार सेवक संघ ने दी भावभीनी विदाई

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवा विकास खण्ड के रतनपुर बीडीओ कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में शनिवार को रोजगार सेवक संघ की ओर से एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण मणि त्रिपाठी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त ब्लॉक तकनीकी सहायक अशोक कुमार को माल्यार्पण कर उन्हें उपहार व अंगवस्त्र भेंटकर भावभीनी विदाई दी गई। मूल रूप से महराजगंज जनपद के नगर पालिका फरेंदा के निवासी अशोक कुमार नौतनवा ब्लॉक में ब्लॉक तकनीकी सहायक के पद पर तैनात थे। इस पद पर पांच वर्ष तक अपनी सराहनीय सेवाएं देने के बाद वह बीते 30 जून 2026 को सेवानिवृत्त हुए थे। शनिवार को रोजगार सेवक संघ नौतनवा के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से रोजगार सेवक रामकुण्डल गुप्ता, शिवेश पाण्डेय, दिनेश कुमार, रवि भूषण सिंह, शोएब खान सहित भारी संख्या में संगठन के लोग मौजूद रहे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोपी युवक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में स्थानीय पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। परसामलिक थाना क्षेत्र के एक गांव से एक नाबालिग लड़की को ग्राम पंचायत झिंगटी टोला मुजहना निवासी युवराज (19) पुत्र दयाशंकर बहला-फुसलाकर भगा ले गया था, जिसके बाद पीड़ित परिजनों ने थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई थी। परिजनों की इस तहरीर पर पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए आरोपी युवक के खिलाफ धारा 65(1), 137(2), 352, 351(3) एवं 3/4 पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत मामला पंजीकृत कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी। वहीं शनिवार को सेवतरी चौकी प्रभारी पवन कुमार, कांस्टेबल शुशांक शेखर ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी करके बॉर्डर डेवलपमेंट रोड स्थित से आरोपी युवक युवराज को धर दबोचा। पुलिस ने कागजी कार्यवाही के बाद आरोपी युवक को जेल भेज दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने बताया कि वांछित आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करने के बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

दहेज में चार पहिया न मिलने पर पति सहित ससुराल के लोगों ने विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति, सास, ससुर, देवर खिलाफ दर्ज किया दहेज उत्पीड़न, मारपीट का केस

सहजनवा सहजनवा थाना क्षेत्र के मिनवा निवासी सोनी जायसवाल पुत्री कमलेश जायसवाल जिनकी शादी 13दिसंबर 2022 को हरपुर बूदहट थाना क्षेत्र के सोनबरसा निवासी विकास जायसवाल के साथ हुई थी। विदाई के बाद जब विवाहिता ससुराल पहुंची तो पति सहित ससुराल के लोग कम दहेज का ताना मारते हुए चार पहिया वाहन की मांग करने लगे। मायके के लोगों द्वारा असमर्थता जाहिर करने पर ससुराल के लोग घरेलू हिंसा करने लगे।14 मार्च 2025 को पति सहित ससुराल के लोग मारपीट कर हाथ तोड़ दिए थे। तभी से मायके रह रही थी। समझौता कर पति ससुराल ले गए। फिर पति द्वारा प्रताड़ित किये जाने के साथ मोबाइल छीन लिया गया। 15 जुलाई 2026 को पति और देवर ने मारपीट कर घायल कर दिया । किसी तरह से भाग कर जान बचाई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति विकास जायसवाल,ससुर राम चंद्र जायसवाल,सास संगीता देवी,देवर विक्रम के खिलाफ दहेज उत्पीड़न,मारपीट,अंगभंग,तथा जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कर लिया है।

बघेला नाला का जलस्तर बढ़ा, किसान चिंतित

» जलस्तर बढ़ने से नौतनवां लॉक के दो दर्जन से अधिक गांवों के किसानों की बढ़ी धड़कनें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

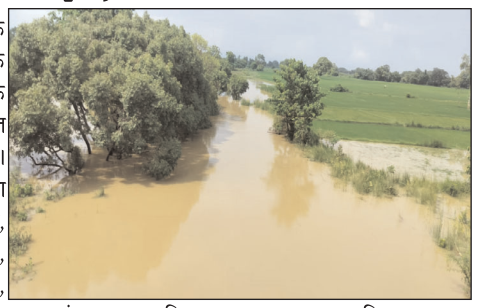

रतनपुर/महाराजगंज। नौतनवां ब्लॉक क्षेत्र के सीमावर्ती गांव रेहरा के समीप भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने वाले बघेला नाला का जलस्तर शनिवार की दोपहर अचानक तेजी से बढ़ने लगा। नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों में शुक्रवार की रात हुई तेज बारिश के कारण नाले में पानी का इनफ्लो काफी बढ़ गया है। इसके चलते सीमावर्ती इलाकों के किसानों को अपनी धान की रोपी गई फसल के जलमग्न होने की गंभीर चिंता सताने लगी है। यदि जलस्तर में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो सैकड़ों एकड़ फसल पानी में डूब सकती है। बघेला नाले के उफान पर आने से इसके तटवर्ती और आस-पास के दो दर्जन से अधिक गांवों के सीवानों में बाढ़ जैसी स्थिति का खतरा मंडराने लगा है। क्षेत्र के रेहरा, महुलानी, परसा बेलभार, मनिकौरा, शंकरपुर, निपनिया, विषखोप, शिवपुरी, लक्ष्मीपुर, परसा, भरटोलिया, जिगिना, श्रीरामपुर, गंगापुर, गंगवलिया, चुड़िहारी, बरनहवा, पिपरवास, मनिकापुर, चकदह, बेलभार और शाहपुर सहित दर्जनों गांवों के किसान अपनी फसलों को लेकर बेहद आशंकित हैं। किसानों का कहना है कि उन्होंने बड़ी लागत और मेहनत से धान की रोपाई की थी, लेकिन अब कुदरत की मार उनकी उम्मीदों पर पानी फेरती नजर आ रही है। नाले के बढ़ते जलस्तर को देखकर प्रभावित क्षेत्र के किसान महबूब अली, गतिराम साहनी, अनिल कुमार पासवान, जयकिशुन यादव, विजय प्रताप सिंह, रामबेलास यादव, जयप्रकाश सिंह, शमशाद खान, विजय कुमार, शफात अहमद, उस्मान खान, कलीम खान, दिनेश, शैलेन्द्र कुमार और जितेन्द्र कुमार ने बताया कि दोपहर बाद से नाले का पानी तेजी से खेतों की तरफ फैल रहा है। जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। किसानों ने जिला प्रशासन से इस स्थिति पर नजर रखने और उचित प्रबंध करने की मांग की है।

लबालब पानी भरे रास्ते से गुजरने को मजबूर ग्रामीणों पानी में खड़े होकर किया विरोध

सहजनवा /गोरखपुर: नगर पंचायत सहजनवा में देखा जाय विकास कार्य खोखला दिखाई दे रहा है। जन समस्याओं को लेकर जिम्मेदार और अधिकारी तनिक भी समाधान कराने की कोशिश नहीं कर रहे है। बताते चले कि नगर पंचायत सहजनवा वार्ड 2 बोकटा में एक सार्वजनिक खड़ंजे का निर्माण नगर पंचायत द्वारा कराया गया। इस रास्ते से करीब एक दर्जन परिवार के लोगों का आना जाना लगा रहता है। खड़ंजे की बहुत ही दयनीय हो चुकी है गली वाले रास्ते में करीब खड़ंजा दो फीट की गहराई तक धंस चुका है। जैसे ही थोड़ी बरसात होती है,पूरा रास्ता जलमग्न हो जाता है। मजबूर ग्रामीण इसी लबालबा हुए कीचड़ से गुजरते है। ग्रामीणों का कहना है। कई बार जिम्मेदारों और अधिकारियों से रास्ते की मरम्मत कराने की शिकायत किया गया। लेकिन अभी तक मरम्मत नहीं कराया गया। इस संदर्भ में अधिशासी अधिकारी सूर्यकांत ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। इसे दिखाकर समस्या दूर कराया जायेगा। विरोध करने वालो में गोलू राय, सुनीता यादव, ओम प्रकाश यादव, विवेक यादव, पूनम यादव, कमलेश साहनी सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

गोला समाधान दिवस में संवेदनशील प्रशासन

» कैंसर पीड़ित को मौके पर मिला अंत्योदय राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर गोला तहसील परिसर में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस उस समय संवेदनशील प्रशासनिक पहल का उदाहरण बन गया, जब ग्राम डढ़ियां निवासी एवं मुंह के कैंसर से पीड़ित राम सुधाकर दुबे को एक ही मंच से अंत्योदय राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराया गया। प्रशासन और संबंधित विभागों की तत्परता से पीड़ित को शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ तत्काल मिल गया। संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता कर रहे नवागत उपजिलाधिकारी (एसडीएम) गोला मनीष कुमार के समक्ष जब राम सुधाकर दुबे की गंभीर बीमारी और आर्थिक स्थिति का मामला सामने आया तो उन्होंने तत्काल अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। एसडीएम के निर्देश पर खाद्य एवं रसद विभाग सक्रिय हुआ और आपूर्ति निरीक्षक प्रतीक कुमार राय तथा विभागीय कर्मचारी कृष्णा ने मौके पर ही पीड़ित का अंत्योदय राशन कार्ड जारी कर उसे एसडीएम के हाथों प्रदान कराया। इसके साथ ही एसडीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गोला के अधीक्षक डॉ. अमरेंद्र नाथ ठाकुर को तत्काल आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कार्ड उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। आदेश मिलते ही सीएचसी की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राम सुधाकर दुबे का आयुष्मान कार्ड भी बनाकर उन्हें सौंप दिया।

अब अंत्योदय कार्ड मिलने से पीड़ित परिवार को अत्यंत रियायती दर पर खाद्यान्न उपलब्ध होगा, वहीं आयुष्मान कार्ड के जरिए कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों के उपचार में शासन द्वारा निर्धारित स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ भी मिल सकेगा। प्रशासन की इस त्वरित पहल से पीड़ित परिवार को बड़ी राहत मिली है। कार्ड प्राप्त करने के बाद भावुक हुए राम सुधाकर दुबे ने कहा कि गंभीर बीमारी के कारण परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा था। ऐसे समय में तहसील प्रशासन, खाद्य एवं रसद विभाग तथा सीएचसी गोला की तत्परता ने उन्हें नई उम्मीद दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए एसडीएम गोला, खाद्य विभाग और स्वास्थ्य विभाग का आभार व्यक्त किया। संपूर्ण समाधान दिवस में हुई इस मानवीय पहल की लोगों ने भी सराहना की। उपस्थित अधिकारियों और फरियादियों ने कहा कि यदि इसी प्रकार पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे तो शासन की मंशा धरातल पर और अधिक प्रभावी ढंग से साकार होगी।

गोला समाधान दिवस में अफसरों को लगी फटकार

» पास बैठे तहसीलदार को 2-बार व्यवस्थाएं जांचने के लिए भेजा 120 शिकायती पत्र आये निस्तारण शून्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी गोरखपुर खजनी तहसील में जुलाई महीने का दूसरा समाधान दिवस जिला अधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जिसमें फरियादियों की भीड़ रही, कुल-120 फरियादी समस्याएं लेकर पहुंचे,दोपहर-12.10बजे तहसील में पहुंचे डीएम ने 1.13-बजे तक दर्जनों लोगों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जांच और समाधान कराने का आदेश दिया। समाधान दिवस में सीधे प्रार्थनापत्र लेकर पहुंचे फरियादियों से डीएम ने पूछा कि शिकायत की रजिस्टर में इंट्री क्यों नहीं हुई तथा फरियादियों को उसकी पर्ची (रसीद) क्यों नहीं दी गई है,उन्होंने एसडीएम खजनी को हिदायत देते हुए कहा कि पिछली बार भी उन्होंने समस्याएं लेकर पहुंचने वाले फरियादियों के प्रार्थनापत्रों की रजिस्टर में इंट्री करके तत्काल उन्हें रसीद देने का निर्देश दिया था। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि इंट्री करने वाले कर्मचारियों की संख्या और काउंटर बढ़ा दिए जाएं समस्याएं लेकर आने वाले पीड़ितों को लाइन में खड़े रख कर परेशान करना और अनावश्यक भीड़ बढ़ाना ठीक नहीं उन्होंने अपने बगल में बैठे तहसीलदार को बाहर निकलकर व्यवस्था ठीक करने का निर्देश दिया,इस बीच तहसीलदार जब वापस आ कर बैठे तो उन्होंने बेरूखी से कहा कि आप को मना किया है कि आप यहां नहीं बैठेंगे उठिए और तुरंत बाहर निकलकर काउंटर की व्यवस्था ठीक कराईए। सामने लेखपालों को खड़े देखकर डीएम ने कहा कि यह सब अपने क्षेत्र की शिकायत लेकर आने वाले फरियादियों को रोकने के लिए खड़े हैं।

जमीन के बंटवारे की समस्या लेकर दूसरी बार पहुंची ढेबरा गांव की बुजुर्ग महिला कलावती (80 वर्ष) को कुर्सी मंगाकर सामने बैठाया और कार्रवाई का निर्देश दिया। ढखवां गांव के विरेन्द्र और सरबसीं गांव के विनय सिंह ने मरम्मत न होने से टूट-फूट कर खराब सड़कों की समस्या बताई, जिसमें डीएम ने पीडब्ल्यूडी के अधिशाषी अभियंता को कार्रवाई का आदेश देते हुए कहा कि जून में ही सड़कों की मरम्मत करा देनी चाहिए थी। उन्होंने बीडीओ उरूवां को मौके पर जाकर जांच करने का आदेश दिया वही रवि त्रिपाठी सिसवा एवं नागेंद्र सिंह निवासी देवता और बनकटा का खतौनी में रखवा गलत दर्द होने पर दोनों शिकायती पत्रों को देखते हुए दम तक गए और तत्काल तहसीलदार को निर्देशित किया कि दोनों पत्राली तत्काल तलब करें दोनों दो बार रिमाइंडर किया तुरंत पत्रावली सामने न आने पर उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि दोनों पत्राली शाम तक मेरे समक्ष प्रस्तुत करें वही आज आईजीआरएस के रजिस्टर को तलब किये जाते वक्त रजिस्टर न आने से कहे का विदेश से आ रहा क्या इस अवसर उप जिलाधिकारी खजनी जनपद एवं तहसील के सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

जोहर विश्वविद्यालय बचाने को सपा का प्रदर्शन

ध्वस्तीकरण पर रोक, निष्पक्ष जांच और हजारों विद्यार्थियों के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को बांगरमऊ में मौलाना मोहम्मद अली जोहर विश्वविद्यालय, रामपुर को बचाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। पार्टी नेताओं ने मोहम्मद इमरान सिद्दीकी के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी के माध्यम से उत्तर प्रदेश की राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर विश्वविद्यालय के प्रस्तावित ध्वस्तीकरण पर तत्काल रोक लगाने, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा वहां अध्ययनरत हजारों छात्र-छात्राओं के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि जोहर विश्वविद्यालय प्रदेश का एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान है, जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। ऐसे में यदि संस्थान के विरुद्ध ध्वस्तीकरण जैसी कार्रवाई की जाती है तो इससे हजारों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित होगा और शिक्षा व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा।

सपा नेताओं ने यह भी दावा किया कि विश्वविद्यालय के निर्माण के समय यह क्षेत्र रामपुर विकास प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में शामिल नहीं था। वर्ष 2024 में क्षेत्राधिकार के विस्तार के बाद ही विश्वविद्यालय परिसर विकास प्राधिकरण के दायरे में आया। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार का प्रशासनिक अथवा कानूनी विवाद है तो उसका समाधान संविधान, कानून और न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप किया जाना चाहिए, न कि शिक्षा के इतने बड़े केंद्र को नुकसान पहुंचाकर।

प्रदर्शन के उपरांत राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए पार्टी पदाधिकारियों ने पूरे मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। इस दौरान जिला सचिव रामनरेश यादव, नगर अध्यक्ष मेराज खान, टीपू सुल्तान, सोनू मोईद, छात्रसभा के प्रदेश सचिव अहसान हुसैन, सुहेल, शिवा, सगीर, एडवोकेट मुजम्मिल, पवन कुमार, विमल यादव, सुरेश कुमार सहित समाजवादी पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कस्टम अधिकारी बनकर 3.4 करोड़ की ठगी करने वाले दो आरोपित गिरफ्तार

आजमगढ़। कोतवाली पुलिस ने 3.14 करोड़ रुपये की निवेश ठगी के मामले में शनिवार को दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। दोनों पर खुद को कस्टम विभाग का अधिकारी बताकर लोगों को अधिक मुनाफे का झांसा देने और करोड़ों रुपये की ठगी करने का आरोप है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विकास राय और विशाल राय दोनों निवासी जोल्हापुर थाना कंधरापुर जनपद आजमगढ़, वर्तमान पता थाना एसीटी, जनपद गौतमबुद्ध नगर के रूप में हुई है। अनंतपुरा कटरा निवासी शेखर श्रीवास्तव की तहरीर पर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। मातवरगंज स्थित एक फ्लैट में रहने वाले विकास राय, विशाल राय समेत अन्य लोगों ने संगठित गिरोह बनाकर निवेश पर 50 से 90 प्रतिशत लाभ का लालच दिया। विकास राय ने खुद को कस्टम विभाग का कर्मचारी बताते हुए फर्जी परिचय पत्र और कूटरचित दस्तावेज दिखाए। साथ ही दिल्ली में अपने रिश्तेदार को कस्टम कमिश्नर बताकर तांबा, कपड़ा, सोना और मोबाइल के कारोबार में निवेश कराने का भरोसा दिलाया।

सराय सुल्तानी में जागरूकता शिविर का आयोजन 22 जुलाई को

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात जो लिखेगा, वही टिकेगा www.swatantraprabhat.com ब्रेकिंग न्यूज़

प्रतापगढ़। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया है कि उ0प्र0 खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड की विपणन विकास सहायता योजना (एससीएसपी) के अन्तर्गत विभाग में संचालित योजनाओं मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत 22 जुलाई को दोपहर 12.30 बजे विकास खण्ड गौरा के सराय सुल्तानी में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया जायेगा।

नवागत बीईओ का स्वागत, शिक्षा सुधार पर मंथन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ ब्लॉक इकाई नौतनवा के ब्लॉक अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में शिक्षामित्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को नवागत खण्ड शिक्षा अधिकारी सुदामा प्रसाद से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने नवागत बीईओ का माल्यार्पण करने के साथ ही उन्हें स्मृति चिह्न भेंटकर और मुंह मीठा कराकर जोरदार स्वागत किया। शिष्टाचार भेंट के दौरान नौतनवा क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने, शिक्षकों व शिक्षामित्रों द्वारा समय से विद्यालय पहुंचकर शिक्षण कार्य सुनिश्चित करने, उपस्थिति प्रपत्रों के समयबद्ध प्रेषण तथा शिक्षामित्रों की स्थानीय समस्याओं व उनके त्वरित समाधान आदि विभिन्न अहम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। सकारात्मक बातचीत के बीच नवागत बीईओ सुदामा प्रसाद ने संगठन को आश्वस्त किया कि वे पूरी सहयोग की भावना के साथ काम करेंगे और ब्लॉक में बुनियादी शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर ब्लॉक महामंत्री गोविंद साहनी, पूर्णवासी गोंड, विजय कुमार, विभा शुक्ला के अलावा बीआरसी स्टाफ से अनुपम लोहिया, यशवंत चौधरी, संतोष कुमार, सुजीत चौधरी और आलोक कुमार सहित तमाम शिक्षक व शिक्षामित्र मुख्य रूप से मौजूद रहे।

बरसात में सफाई कर्मियों की सुरक्षा के लिए नगर पालिका अध्यक्ष ने वितरित किए रेनकोट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पडरौना, कुशीनगर। बरसात के मौसम में नगर की स्वच्छता व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा सफाई कर्मियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद पडरौना के अध्यक्ष विनय जायसवाल ने शनिवार को सफाई कर्मचारियों को रेनकोट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने कहा कि सफाई कर्मचारी नगर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं। प्रतिकूल मौसम में भी वे पूरी निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान सफाई कर्मियों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, इसलिए उनकी सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना नगर पालिका की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नगरवासियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने में सफाई कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

नगर पालिका परिषद उनके कल्याण और आवश्यक सुविधाओं के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। रेनकोट वितरण से कर्मचारियों को वर्षा के दौरान कार्य करने में सुविधा मिलेगी और नगर की सफाई व्यवस्था अधिक प्रभावी ढंग से संचालित हो सकेगी। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष ने सभी सफाई कर्मियों के परिश्रम, समर्पण और सेवा भावना की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी तत्परता से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, सफाई कर्मियों ने इस पहल के लिए नगर पालिका अध्यक्ष एवं नगर पालिका प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष 'बुलबुल' जायसवाल, सभासद संतोष मद्धेशिया, रामाश्रय गौतम, श्याम साहा, अब्दुल्ला, छोटे, कयामुद्दीन, सहित भोला साहा, बबलू मोदनवाल, घनश्याम गुप्ता, अरुण पांडेय, आकाश दुबे, संजय कुमार तथा नगर पालिका परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उन्नाव में संदिग्ध मौत से सनसनी

● फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव, भाई ने पड़ोसी पर लगाया हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। शहर से मात्र दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम हुसैन नगर में शनिवार सुबह एक 20 वर्षीय विवाहिता का शव घर के भीतर फांसी के फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और तनाव का माहौल बना हुआ है। मृतका की पहचान हुसैन नगर निवासी 20 वर्षीय पूजा पत्नी कैलाश के रूप में हुई है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। वहीं पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतका के भाई चंद्रशेखर ने पड़ोस में रहने वाले जीशान पर बहन की हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है।

परिजनों के अनुसार कुछ दिन पूर्व पानी को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी। उनका आरोप है कि उसी रंजिश के चलते घटना को अंजाम दिया गया है। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी परिवार का आपराधिक इतिहास रहा है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला तो आंदोलन करने को विवश होंगे। उधर, पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, परिजनों के बयान तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

बस स्टाफ के साथ मारपीट व गुंडागर्दी करने वाले वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

प्रतापगढ़। वादी निवासी ग्राम बांगरमऊ, थाना बांगरमऊ, जनपद उन्नाव ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 17 जुलाई को प्रातः गहिरी मोड़, थाना लीलापुर के पास बस में सवार दो यात्रियों द्वारा अपने साथियों को बुलाकर वादी एवं बस स्टाफ के साथ गाली गलौज करते हुए लोहे की रॉड, पेचकस, लात-घूंसों से मारपीट की गई। शोर सुनकर स्थानीय लोगों के आने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।इस संबंध में थाना लीलापुर में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था।थाना प्रभारी लीलापुर अमला सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 सौरभ यादव मय हमराह द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना लीलापुर पर दर्ज मुकदमा से संबंधित वांछित अभियुक्त फैज पुत्र मो0 नसीम निवासी ग्राम नेवादा मुस्तरका थाना जेठवारा जनपद प्रतापगढ़ उम्र करीब 26 वर्ष को थाना क्षेत्रान्तर्गत चमरूपुर शुक्लान के पास गजराही मोड़ से गिरफ्तार किया गया है।

संत रविदास एक्सप्रेस का सुल्तानपुर जंक्शन पर स्वागत

» नई ट्रेन के आगमन पर भाजपाइयों और अनुयायियों ने जताया आभार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

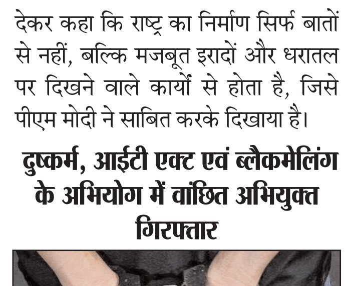

सुल्तानपुर जंक्शन पर शनिवार को 'संत रविदास एक्सप्रेस' ट्रेन का स्वागत किया गया। जालंधर कैंट से वाराणसी के बीच शुरू हुई इस नई ट्रेन के आगमन पर संत रविदास के अनुयायियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने संतों व यात्रियों का स्वागत किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और रेलमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। भारतीय रेलवे ने जालंधर कैंट से वाराणसी के बीच नई ट्रेन संख्या 14624/14623 'संत रविदास एक्सप्रेस' की शुरुआत की है। इस ट्रेन का उद्घाटन 17 जुलाई को जालंधर कैंट से स्पेशल ट्रेन संख्या 04686 के रूप में किया गया था। अपनी उद्घाटन यात्रा के दौरान यह विशेष ट्रेन शनिवार, 18 जुलाई को सुबह 09:33 बजे सुल्तानपुर जंक्शन पहुंची।

सुल्तानपुर जंक्शन पर ट्रेन के आगमन पर श्रद्धालुओं, यात्रियों और साधु-संतों पर फूल बरसाए गए। ट्रेन दो मिनट के ठहराव के बाद सुबह 09:35 बजे वाराणसी के लिए रवाना हुई। सुल्तानपुर से आगे बढ़ते हुए यह ट्रेन जौनपुर सिटी (सुबह 11:01 बजे आगमन) होते हुए दोपहर 12:15 बजे अपने अंतिम गंतव्य वाराणसी जंक्शन पहुंचेगी। संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर (वाराणसी) को जोड़ने वाली इस ट्रेन के शुरू होने से श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष आलोक आर्या ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जो कहते हैं, वह करके दिखाते हैं। उन्होंने इस ट्रेन को 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मूल मंत्र पर हो रहे काम का एक उदाहरण बताया। आर्या ने कहा कि प्रधानमंत्री ने संत शिरोमणि रविदास को जो सम्मान दिया है और समाज को जो संदेश दिया है, वह अनुकरणीय है। उन्होंने सुल्तानपुर को एक नई एक्सप्रेस ट्रेन मिलने को पूरे जनपद के लिए गौरव और प्रसन्नता की बात बताया। आर्या ने जोर देकर कहा कि राष्ट्र का निर्माण सिर्फ बातों से नहीं, बल्कि मजबूत इरादों और धरातल पर दिखने वाले कार्यों से होता है, जिसे पीएम मोदी ने साबित करके दिखाया है।

युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

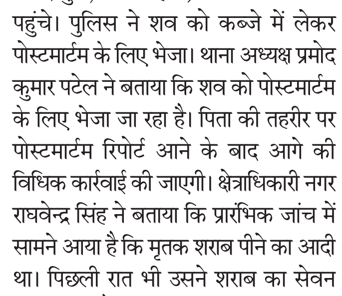

सुल्तानपुर जिले के बंधुआ कला थाना क्षेत्र में एक 27 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना शुक्रवार रात बंधुआ कला थाना क्षेत्र के ग्राम सभा मनियारी गोठवा अलीगंज में हुई। मृतक की पहचान अजय कुमार कोरी (27) पुत्र शिव कुमार कोरी के रूप में हुई है। उसने अपने घर में पंखे से साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। अजय की शादी डेढ़ वर्ष पहले हुई थी। वह दो भाइयों में बड़ा था और मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके परिवार में पिता शिव कुमार, माता आशा देवी और पत्नी तारा देवी हैं। उसका छोटा भाई मुंबई में मजदूरी करता है। घटना के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। सुबह परिवार वालों को घटना की जानकारी होने पर उन्होंने स्थानीय पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही बंधुआ कला थाना अध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल अपनी टीम (विजय कुमार पांडे, महेश मौर्य, धर्मेंद्र गुप्ता, मो फरहान) के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना अध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पिता की तहरीर पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्राधिकारी नगर राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक शराब पीने का आदी था। पिछली रात भी उसने शराब का सेवन किया था और उसकी अपनी पत्नी से कुछ वाद-विवाद हुआ था। पुलिस ने मौके से आवश्यक साक्ष्य संकलित किए हैं और कानून व्यवस्था सामान्य है।

दुष्कर्म, आईटी एक्ट एवं ब्लैकमेलिंग के अभियोग में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

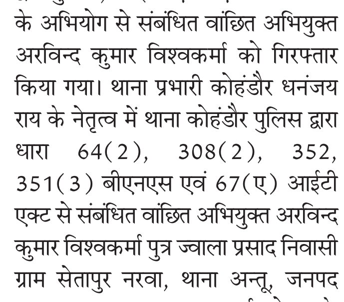

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में थाना कोहंडौर पुलिस द्वारा दुष्कर्म, आईटी एक्ट एवं ब्लैकमेलिंग के अभियोग से संबंधित वांछित अभियुक्त अरविन्द कुमार विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया गया। थाना प्रभारी कोहंडौर धनंजय राय के नेतृत्व में थाना कोहंडौर पुलिस द्वारा धारा 64(2), 308(2), 352, 351(3) बीएनएस एवं 67(ए) आईटी एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त अरविन्द कुमार विश्वकर्मा पुत्र ज्वाला प्रसाद निवासी ग्राम सेतापुर नरवा, थाना अन्तू, जनपद प्रतापगढ़, उम्र लगभग 35 वर्ष को उसके ससुराल ग्राम भरथीपुर, थाना कंधई, जनपद प्रतापगढ़ से गिरफ्तार किया गया।

संक्षिप्त खबरें

शौच को गए व्यक्ति की नदी में डूबकर मौत हो गई

बरेली/ विकासखंड भदपुरा की ग्राम पंचायत अमीर नगर में आज सुबह गांव का नन्हेंलाल पुत्र भोलाराम गंगवार 65 वर्षीय घर से रोज की तरह शौच करने के लिए गांव के पास वह रही देवहा नदी के तट पर गया था परंतु उपाय किसी कारण बस नदी मेंडूब गया और उसकी मृत्यु हो गई इसकी सूचना क्यों लड़िया के प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह को मिली वह सूचना के अनुसार घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने नदी में डूबे नन्हेंलाल का सब कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

मारपीट के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोंच(जालौन)- गत रोज बाप-बेटे के साथ गाली-गलौच मारपीट कर घायल कर देने और जान से मारने की धमकी देने की घटना के आरोपी फैजान पुत्र गफ्फार निवासी मोहल्ला मालवीय नगर कोंच को दरोगा अभिषेक सिंह ने शनिवार को महेतनगर इलाके में चंदुर्रा सड़क मार्ग से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार फैजान के विरुद्ध अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। गौरतलब हो कि मोहल्ला मालवीय नगर निवासी हरदास कुशवाहा ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि बीती 16 जुलाई को फैजान ने अपने अज्ञात साथियों के साथ मिलकर उसे और उसके बेटे रोहित के साथ गाली गलौच कर मारपीट की जिससे बेटे सहित वह घायल हो गया, साथ ही फैजान ने उसे जान से मारने की भी धमकी दी। वहीं उक्त घटना को लेकर पुलिस ने घायल दोनों का चिकित्सकीय परीक्षण कराते हुए आरोपी फैजान सहित उसके अज्ञात साथियों के विरुद्ध दफा 115(2), 351(2), 352, 191(2), 308(5) बीएनएस में एफआईआर दर्ज कर ली थी।

हाथीपुर में हुई हत्या का अनावरण,एक गिरफ्तार

कानपुर। दिनांक 15--07-2026 को थाना महाराजपुर क्षेत्र के ग्राम हाथीगांव में हरिमोहन यादव की धारदार हथियार से हत्या की सूचना पर पुलिस एवं फॉरेंसिक टीम तथा उच्चाधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य संकलित किए तथा परिजनों की तहरीर पर हत्या का अभियोग पंजीकृत किया गया। विवेचना/जांच के दौरान अभियुक्त धर्मेंद्र उर्फ छोटू को गिरफ्तार कर घटना का सफल अनावरण किया गया। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि पूर्व की रंजिश एवं विवाद के चलते उसने घटना कारित की। अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल (फरसा) भी बरामद कर लिया गया है। अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। घटना के सफल अनावरण पर थाना महाराजपुर एवं सर्विलांस टीम को 25,000 के पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है।

शासन की योजनाओं का कराया जाएगा शत प्रतिशत क्रियान्वयन- नवागंतुक एसडीएम

कोंच(जालौन)- शासन से स्थानांतरित होकर जनपद जालौन में आए अभिनव कुमार यादव ने एसडीएम कोंच के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। शनिवार को एसडीएम कोंच के पद पर कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत अभिनव कुमार ने कार्यालय में पदस्थ कर्मियों से परिचय प्राप्त कर कार्यालय का निरीक्षण किया और कर्मचारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। वहीं, उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का शत प्रतिशत क्रियान्वयन कराया जाएगा। मामलों में पीड़ित को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, जनता से बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। 2020 बैच के पीसीएस अधिकारी /नवागंतुक एसडीएम अभिनव कुमार मूल रूप से जनपद बलिया के निवासी हैं और वह जिला सीतापुर से स्थानांतरित होकर यहां आए हैं, सीतापुर में वह लगातार चार वर्ष तैनात रहे।

रक्षा मंत्री ने डॉ प्रदीप टंडन को आईएमए के नेशनल अवार्ड से किया सम्मानित

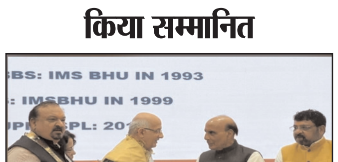

कानपुर। डॉ प्रदीप टंडन को आईएमए नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ प्रदीप टंडन को यह अवार्ड उनके द्वारा की गई समाजसेवा के लिए एक समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रदान किया। आईएमए कानपुर के सभी पदाधिकारियों, शहर के डाक्टरों ने डॉ प्रदीप टंडन को मिले अवार्ड को लेकर खुशी जाहिर की है तथा उन्हें बधाई दी है।

फर्जी ग्राम पंचायत अधिकारी बने शिक्षा मित्र चाचा, अधिकारियों की मिलीभगत आरोप

भतीजी की जगह खुद ग्राम विकास अधिकारी का देख रहे काम

अधिकारियों की मिलीभगत और संघ का संरक्षण होने के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- विकास विभाग और शिक्षा विभाग के अधिकारियों की नाक के नीचे फर्जीवाड़ा और भ्रष्टाचार का एक सनसनी खेज सरकारी धन की लूट की घटना प्रकाश में आई है जिसे सुन और देखकर हर किसीके पैरों के नीचे से जमीन खिसक जायेगी! मामला विकास खंड धौरहरा का है जहां पर 2018 बैच की ग्राम विकास अधिकारी की जगह पर उनके चाचा राकेश त्रिवेदी उर्फ रिंकू त्रिवेदी फर्जी तरीके से ग्राम विकास अधिकारी की नौकरी करते देखे जा रहे हैं !यह कोई महीने चार महीने की बात नहीं है यह फर्जीवाड़ा का खेल अर्से से चल रहा है !ऐसा नहीं कि इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों में खंड शिक्षा अधिकारी धौरहरा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित विकास विभाग के अधिकारी जिला पंचायत राज अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी सहित जिला विकास अधिकारी और खंड विकास अधिकारी को नहीं है मामला सभी की जानकारी में होने की बात सामने आई है !सूत्रों की मानें तो जिला पंचायत राज अधिकारी की मीटिंग और बी सी राकेश कुमार त्रिवेदी उर्फ रिंकू त्रिवेदी ही करते हैं !इतना ही नहीं ब्लॉक में तो राकेश त्रिवेदी ही कार्य करते देखे जाते हैं और यही खंड विकास अधिकारी के सामने पेश होते हैं और मीटिंग भी करते हैं !लकिन प्रति माह मिलने वाली सुविधा शुल्क के चलते सहाब को कुछ भी दिखाई सुनाई ही नहीं पडता है !मामले पर गौर करें तो राकेश त्रिवेदी रिंकू प्राथमिक विद्यालय टापर पुरवा में शिक्षा मित्र के पद पर तैनात है ! लकिन यह कभी स्कूल पढ़ाने ही नहीं जाते हैं और बिना ड्यूटी किए ही 18000 का मानदेय उठा कर सरकारी खजाने को चुना लगा रहे हैं सूत्र बताते हैं यह शिक्षामित्र सेटिंग गेटिंग के उस्ताद माने जाते हैं और ऊपर तक माल खिलाकर मामला मैनेज कर लेते हैं! यही हाल ग्राम विकास अधिकारी भतीजी का है वह भी बगैर ड्यूटी किए वेतन उठा रहीं है अपनी ड्यूटी की जगह अपने शिक्षा मित्र चाचा को लगा रखा है भले ही कागजों पर राकेश त्रिवेदी बच्चों का भविष्य सवार रहे हैं पर जमीनी हालात कुछ और ही बयां कर रहे हैं! फ़िलहाल मामला जांच का विषय बना है !इस पूरे प्रकरण की साक्ष्यों सहित प्रदेश के मुख्यमंत्री से शिकायत की गई है अब देखना यह है कि जीरो टार लेंस वाली सरकार के पास पहुंचने के बाद इस डबल लूट पर शासन, प्रशासन की गाज कब गिरती हैं !सूत्रों के मुताबिक दोनों विभागों के जिम्मेदारों और जालसाज के आरोपों से घिरे चाचा भतीजी के सिंडिकेट में हड़कंप मचा हुआ है!

विद्या निकेतन की छात्रा बनी वैज्ञानिक

गोला गोकर्णनाथ खीरी- स्थानीय विद्यालय वि0कु0स्मा0 सरस्वती विद्या निकेतन इण्टर कॉलेज, गोला गोकर्णनाथ की पूर्व छात्रा रश्मि त्रिवेदी का चयन Star Hi Herbs Ltd, बैंगलोर में वैज्ञानिक पद पर हुआ है। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। इण्टरमीडिएट की संस्थागत छात्रा रही रश्मि त्रिवेदी ने इण्टरमीडिएट परीक्षा में 79.8% अंक प्राप्त कर इंस्पायर छात्रवृत्ति योजना में चयनित हुई जिससे इनको परास्नातक तक प्रतिवर्ष रु 80000/- का छात्रवृत्ति लाभ प्राप्त हुआ। इन्होने महात्मा ज्योतिबा फूले रोहिलखण्ड विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री तथा माइक्रोबायोलॉजी में परास्नातक की उपाधि प्राप्त की है।

तत्पश्चात इन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित गेट और नेट जे0आर0एफ0 परीक्षा उत्तीर्ण कर पारुल यूनिवर्सिटी, गुजरात से पी0 एच0 डी0 हासिल की तथा कैंसर अनुसंधान में 14 शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित किये। डॉ0 रश्मि त्रिवेदी के पिता बाबू कुलभूषण लाल त्रिवेदी उच्च प्राथमिक विद्यालय, राजगढ़ में प्रधानाचार्य तथा माता सरिता त्रिवेदी गृहिणी हैं।

आर पीएफ ने चार आरोपियों को रेल संपति सहित किया गिरफतार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। रेल सुरक्षा बल मंडल झांसी, पोस्ट भीमसेन पर दिनांक 23/06/2026 को पंजीकृत अपराध क्रमांक 04/2026, यूं एस 3 आरपी/यूपी एक्ट मामले की जांच में मुखबिर की खाश सूचना पर भरू बिजली घर के पास कोयला नगर की ओर जाने वालीं सड़क किनारे चार आरोपियों को मामले में चोरित रेल संपति की खरीद फरोख्त करतें हुए आज रगे हाथों मय रेल संपति सहित गिरफ्तार किया गया है,,,, उक्त चारों के अपराध स्वीकारोक्ति व उनके द्वारा घटनास्थल की सही सही निशानदेही कराए जाने पर 26/6/2026 को पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 04/2026 /यू/ एस 3 आरपी यूपी एक्ट में उक्त चारों को बतौर आरोपी आज शुमार किया गया, मामले में दो अन्य आरोपी प्रभात कश्यप,व सज्जाग खान, मुल्ला कबाड़ी,, को बाछित किया गया है आरोपियों के नाम पवन गुप्ता पुत्र जगदीश गुप्ता 28 वर्ष जाति बनिया ,, निवासी केडीए कालौनी अर्रा थाना हनुमंत बिहार कानपुर,, आशीष यादव पुत्र चद्रराम यादव 21 वर्ष निवासी गढेवा बिधनू कानपुर,, शिवम् साहू पुत्र शिव प्रकाश साहू वर्ष 19 निवासी केडीए कालौनी हनुमंत बिहार कानपुर ,, फ़राज़ खान पुत्र विलायत खान निवासी मझावंन बिधनू कानपुर, बरामद रेल संपति 70 बालिस्त लंबी कापर पट्टी तीन टुकड़े कीमत लगभग 7933 रूपए,03 नंग ग्रे कलर की बैटरी कीमत 4027,00 रूपए,, तथा कापर वायर के छिले हुए 20 मीटर 16 एम एम अर्थिंग बायर मय हरे रंग का सुलेचन कीमत 2780,00 रूपए कुल कीमत 14740,00 रूपए, गिरफ्तार करने वाली टीम उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह रावत,एचसी जितेन्द्र कुमार, व कांस्टेबल शंकर मीणा,रेल सुरक्षा बल पोस्ट भीमसेन, सहायक उपनिरीक्षक सूर्य कांत तिवारी, कांस्टेबल रफीक अहमद,रेल सुरक्षा बल आउट पोस्ट बिदकीं,एचसी विनय कुमार,आरपी एफ/डी डब्ल्यू,जी डब्ल्यू डब्ल्यू एल।

समाधान दिवस में एडीएम न सुनीं जनसमस्याएं

कई शिकायतों का मौके पर हुआ निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/नवाबगंज। तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में अपर जिला अधिकारी (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह ने आमजन की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। हल्की बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर तहसील पहुंचे और प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई। समाधान दिवस में नवागत उपजिलाधिकारी सचिन यादव, खंड विकास अधिकारी महेश चंद्र शाक्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान सबसे अधिक शिकायतें आवास योजना और राजस्व विभाग से संबंधित प्राप्त हुईं। इसके अलावा पुलिस, विकास एवं अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें भी दर्ज की गईं। मौके पर कई शिकायतों का तत्काल निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए शीघ्र एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एडीएमई पूर्णिमा सिंह ने अधिकारियों से कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। समाधान दिवस के दौरान एडीएमई पूर्णिमा सिंह, एसडीएम सचिन यादव, नायब तहसीलदार शोभित चौधरी, नायब तहसीलदार शुभम पांडेय, खंड विकास अधिकारी महेश चंद्र शाक्य, खंड विकास अधिकारी भदपुरा ईशा अग्निहोत्री, एसडीओ राजेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं थाना प्रभारी मौजूद रहे।

आईएमए में आयाम फाइनेंस मीट एवं भजन संध्या का आयोजन

कानपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन कानपुर शाखा द्वारा बेस्टमेट इन्वेस्टमेंट सर्विस के सहयोग से जितेन्द्र कुमार लोहिया ऑडिटोरियम, आईएमए भवन, परेड, कानपुर में 'आयाम फाइनेंस मीट एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईएमए कानपुर के अध्यक्ष डॉ. अनुराग मेहरोत्रा ने की। कार्यक्रम का सफल संचालन आईएमए कानपुर की सांस्कृतिक सचिव डॉ. रेणु सिंह गहलौत ने किया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन आईएमए कानपुर की सचिव डॉ. (प्रो.) शालिनी मोहन ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में स्नेहांशु प्रधान एवं अंकित अग्रवाल ने चिकित्सकों को आधुनिक निवेश, ने स्मार्ट फाइनेंशियल प्लानिंग, वेल्थ क्रिएशन तथा एसेट प्रोटेक्शन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की तथा उपस्थित चिकित्सकों के निवेश संबंधी प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

सामुदायिक केंद्र भवन बनने से ग्रामीण जनता को मिल सकेगी सहूलियत- मूलचंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- ग्रामीण इलाकों में सामुदायिक केंद्र भवन का निर्माण कार्य होने से निश्चित रूप से ग्रामीण जनता को सुविधा के साथ सहूलियत प्राप्त हो सकेगी। उप्र की भाजपा सरकार ग्रामीण जनता के हित में लगातार काम कर रही है, यह बात क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन ने ग्राम बरोदा कलां में सामुदायिक केंद्र भवन के निर्माण कार्य हेतु भूमि पूजन कर कही। कोंच ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम बरोदा कलां में एकीकृत विकास योजना के अंतर्गत 65 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले सामुदायिक केंद्र भवन (विवाह घर) का शनिवार को बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन ने भूमि पूजन किया। विधायक ने उच्चारित मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया और प्रतीक स्वरूप फावड़े चलाया। इस मौके पर उपस्थित ग्रामीणों के बीच विधायक ने कहा कि सामुदायिक केंद्र भवन बन जाने के बाद ग्रामीणों को किसी भी प्रकार के आयोजन करने के लिए परेशान होकर इधर उधर नहीं जाना पड़ेगा, साथ ही धन की भी बचत हो सकेगी। उन्होंने कहा कि बिजली, पानी, सड़क, शौंचालय, आवास जैसी मूलभूत सुविधाये मिलने के बाद सामुदायिक केंद्र भवन बनना निश्चित रूप से गांव के विकास में सहायक सिद्ध होगा। इस दौरान विधायक ने ग्रामीणों की समस्याएं शिकायतें भी सुनी और उनसे विकास की धारा में साथ चलकर सहयोग किए जाने का आह्वान किया। इससे पूर्व प्रधान अयोध्या प्रसाद सहित ग्रामीणों ने विधायक का माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम में विभाग के सहायक अभियंता सौरभ पिपरैया, अवर अभियन्ता नागेंद्र प्रताप सिंह, अवर अभियंता अक्षय राज, ठेकेदार हिमांशु गुप्ता सहित भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सोनू पटेल बोहरा, धर्मेंद्र दुबे, आलोक खरे, विकास पटेल, अबधेश पटेल पचीपुरी, आलोक खरे, रमेशचंद्र वर्मा, डॉ शिवकुमार, अमर सिंह आदि मौजूद रहे।

पुलिस उपायुक्त यातायात ने किया ट्रेफिक व्यवस्था का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आज दिनांक 18.07.2026 को पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा सुगम यातायात योजना 'Reducing Traffic Congestion (RTC) Scheme ' के अंतर्गत बड़ा चौराहा,परेड चौराहा,ग्रीन पार्क चौराहा,घंटाघर चौराहा एवं नरौना चौराहा का भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान द्वारा यातायात व्यवस्था , सड़क पर वाहन दबाव , अवैध पार्किंग , ई-रिक्शा एवं ऑटो संचालन , सड़क किनारे अतिक्रमण तथा प्रमुख चौराहों पर यातायात संचालन की स्थिति का गहन अवलोकन किया गया। प्रमुख चौराहा/ तिराहा से ई-रिक्शा, ई-ऑटो, टेम्पो आदि को कम से कम 100 मीटर की दूरी पर सवारी बैठाने एवं उतारने हेतु निर्देशित किया गया तथा सड़क पर अनावश्यक रुकने वाले वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए गए एवं चौराहा/ तिराहा पर चिन्हित चोक पॉइंट्स (Choke Points) की पहचान कर उनके कारकों को दूर किया जाए जिससे यात्रियों के मैक्सिमम ट्रैवल टाइम को घटाया जा सके। पुलिस उपायुक्त यातायात द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं यातायात कर्मियों को निर्देशित किया गया कि यातायात को सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु प्रभावी एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उनके द्वारा बताया गया कि ' Reducing Traffic Congestion (RTC) Scheme ' का उद्देश्य शहरवासियों को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना है।

समाधान दिवस में दर्ज कराई गई 22 शिकायतें

कोंच(जालौन)- शनिवार को तहसील स्तरीय समाधान दिवस का आयोजन तहसील कार्यालय के सभा कक्ष में नवागंतुक एसडीएम अभिनव कुमार यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस दौरान पुलिस, राजस्व, नगर पालिका, ब्लॉक कार्यालय, जल संस्थान, विद्युत जैसे प्रमुख विभागों से जुड़ी 22 शिकायतें फरियादियों ने दर्ज कराई। मौके पर सिर्फ दो शिकायतें ही निस्तारित की जा सकी। एसडीएम अभिनव कुमार ने दर्ज कराई गई शिकायतों का अवलोकन कर संबंधित विभागों के स्थानीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण कार्य में जरा सी भी लापरवाही न बरतें, मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें और समय सीमा का भी ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि एक ही शिकायत बार बार नहीं आनी चाहिए वरना कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। इस दौरान तहसीलदार मनोज कुमार, नायब तहसीलदार वैभव गुप्ता, ईओ नगर पालिका मोनिका उमराव, जेई विद्युत अमन खान सहित अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

विधायक की पहल लाई रंग, ईओ के खिलाफ सभासदों का अनशन कराया समाप्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- नगर पालिका परिषद कोंच की अधिशासी अधिकारी मोनिका उमराव पर शिकायत किए जाने के बाद भी विकास कार्यों में रुचि न दिखाने, व्यवहार और आचरण ठीक न रखने जैसे आरोप लगाते हुए पालिका कार्यालय के अंदर पोर्च में गुरुवार की सुबह 11 बजे से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे संबंधित सभासदों का अनशन बातचीत कर क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन ने जूस पिलाकर समाप्त करा दिया। शनिवार को पालिका कार्यालय में सभासदों के अनशन स्थल पर पहुंचे विधायक ने पालिका के साथ फर्श पर बैठकर सबसे पहले संबंधित सभासदों से गंभीरतापूर्वक उनकी समस्या शिकायत जानी, तदोपरांत विधायक ने अधिशासी अधिकारी को मौके पर बुला लिया। विधायक ने सभासदों को आश्वस्त किया कि सुंदर नगर की परिकल्पना हेतु विकास कार्यों के प्रति उनकी सकारात्मक सोच के साथ हम सभी लोगों की सोच भी समान है इसलिए मिल बैठकर विकास कार्य कराए जाएंगे, रही बात अधिशाषी अधिकारी के आचरण और व्यवहार की तो निश्चित रूप से अधिशाषी अधिकारी सभासदों का सम्मान और उनकी गरिमा रखेंगी, ऐसी अपेक्षा है। इस दौरान अधिशाषी अधिकारी ने भी सामंजस बनाकर कार्य करने की बात कहते हुए कहा कि उनकी मंशा कभी भी किसी सभासद के प्रति गलत नहीं रही और भविष्य में भी गलत नहीं रहेगी। विधायक ने अधिशासी अधिकारी को स्पष्ट रूप से कहा कि सभासदों की बात को आगे से गंभीरता से लिया जाए। वहीं विधायक की सार्थक पहल के बाद अनशन पर बैठे सभासद महेंद्र कुशवाहा, रघुवीर कुशवाहा, मनोज मोर सहित सभासद प्रतिनिधि लकी दुबे, गौरव तिवारी, सरताजुद्दीन, शकील, रिजवान, अशोक गुर्जर ने विधायक के हाथों जूस पीकर अपना अनशन समाप्त कर दिया। गौरतलब हो कि, सड़क निर्माण कार्यों में कथित धांधली, लंबे समय से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटें और नगरवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध न कराए जाने जैसी समस्याओं का कई बार शिकायत के बावजूद समाधान न किए जाने का आरोप लगाते हुए सभासद महेंद्र कुशवाहा, रघुवीर कुशवाहा, मनोज मोर, अमित यादव, विनोद सोनी, मनोज इकड़या सहित सभासद प्रतिनिधि गौरव तिवारी, लकी दुबे, सरताजुद्दीन, शकील, रिजवान, अशोक गुर्जर आदि अनशन पर बैठ गए थे। अनशन के दौरान ही गुरुवार की रात स्थिति उस समय टकराव की बन गई थी जब तमाम सफाई कर्मी महिला पुरुष हाथों में झाड़ू थामकर मौके पर पहुंच गए थे जिसको लेकर सभासदों ने अधिशासी अधिकारी पर सफाई कर्मियों को बुलाकर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया था जबकि अधिशासी अधिकारी ने साफ सफाई को लेकर निर्देशित करने के लिए सफाई कर्मियों को मौके पर बुलाने की बात कही गई थी, हालांकि कोतवाल की अगुवाई में पुलिस बल और मीडिया कर्मियों को देख कुछ ही देर बाद सफाई कर्मी मौके से चले भी गए थे। वहीं अधिशासी अधिकारी द्वारा अनशन पर बैठे एक सभासद महेंद्र कुशवाहा को नोटिस जारी कर आगे की कार्यवाही किए जाने की चेतावनी भी दी गई थी जिससे अनशन पर बैठे साथी सभासद भड़क गए थे।

नीट यूजी परीक्षा पास करने वाले कर्तव्य एवं अंदेश का डॉक्टर कौशल वर्मा ने किया सम्मान

गोला गोकर्णनाथ खीरी- नीट यूजी परीक्षा पास कर डॉक्टर बनने का सपना पूरा करने वाले दो मेडिकल छात्रों का नगर के सनशाइन हॉस्पिटल और ट्रॉमा सेंटर ग्रुप के संचालक एवं भाजपा नेता डॉ कौशल वर्मा ने फूल मालाओं से लादकर मिठाई खिलाई कर भव्य स्वागत और सम्मान करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। मूल रूप से ग्राम बैदा खेड़ा निवासी व गोला के मोहल्ला पटेल चौराहा स्थित हॉस्पिटल संचालक डॉक्टर एसपी वर्मा के पुत्र कर्तव्य मोहन पटेल ने एवं ग्राम घरथनिया निवासी ललित मोहन मिश्रा के पुत्र अंदेश मोहन मिश्रा ने नीट यूजी परीक्षा पासकर डॉक्टर बनने का मार्ग प्रशस्त्र किया है।दोनों मेडिकल छात्रों नें इस परीक्षा पास करने का श्रेय अपने माता-पिता परिवार जनों एवं स्कूल के गुरुजनों को दिया है। डॉ कौशल वर्मा ने बताया कि शिक्षा में आगे बढ़ाने के लिए वह प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को समय-समय पर सम्मानित कर उनका मार्गदर्शन करते हैं। सम्मान समारोह बच्चों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देते हैं जिससे साहस मिलता है। जिसे देखकरअन्य बच्चे भी प्रतिस्पर्धी बनते हैं। डॉक्टर ने बच्चों को भविष्य में भी सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया है। नीट यूजी परीक्षा पास करने बाले नगर के अन्य छात्रों का भी सम्मान शीघ्र किया जाएगा।

डंपर से कुचलकर बाइक सवार युवक की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। घाटमपुर में शनिवार दोपहर करीब 12 ,30 बजे घाटमपुर थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे अधेड़ उछल कर दूसरी ओर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया, सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया,, जनपद फतेहपुर के चतनपुर अमौली थाना चांदपुर निवासी विवेक कुमार सचान 45 वर्ष पुत्र रामपाल अपनी बहन रूपम सचान के घर थाना सजेती के गांव निमधा में रह कर खेती किसानी करते थे,, शनिवार को वह गांव के ही सुरजन सिंह 50 वर्ष के साथ बाइक से नलकूप का सामान लेने घाटमपुर आए थे, सामान खरीदने के बाद दोनों वापस लौट रहे थे, घाटमपुर चौराहे के पास कानपुर सागर हाइवे पर पीछे से आए डंपर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, टक्कर लगते ही विवेक डंपर के पहियों के नीचे आ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई, वहीं सुरजन दूसरी ओर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गए, घटना के बाद चालक डंपर छोड़ कर मौके से फरार हो गया, राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाटमपुर भर्ती कराया, पुलिस ने म्रतक के परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, घाटमपुर थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएंगी।

जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक हुई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य की अध्यक्षता में आज कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में पूर्व की बैठकों में अधिकारियों को जो निर्देश दिए गए थे उसमें क्या-क्या कार्यवाही हुई है, उसकी विस्तार से जानकारी ली गयी। थानावार कांवर की व्यवस्थाओ को लेकर क्या समस्याएं है उनकी भी जानकारी ली गयी और थानाध्यक्षों से जो कमियां हैं उन्हें लिखित में देने को कहा गया, जिस पर विद्युत पोलों पर पन्नी लपेटवाना, ट्रांसफार्मर जो रोड के निकटतम हो उनकी बेरीक्रेटिंग खराब रोडो को सही कराना । आदि के बारे मे थानाध्यक्षगण द्वारा बताया गया। लाल फाटक पुल के दोनों ओर गड्ढे और जलभराव की समस्या के बारे भी बताया गया, जिस पर लोक निर्माण विभाग को गड्ढों को भरवाने और पानी निकासी हेतु नालों पर से अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए गए। बैठक में बभिया रोड पर बिचैलिया ग्राम के पास रोड लाइट की भी आवश्यकता बतायी गयी, किला पुल के नीचे लाइटिंग करने तथा अलखनाथ मंदिर के पास ट्रांसफार्मर की बैरिकेडिंग करने का कहा गया। गोताखोरों को छोटी बोट व लाइफ जैकेट की उपलब्धता कराने को भी कहा गया। विकासखंड बिथरी चैनपुर के नवदिया झादा पर जो पुल बन रहा है उसके दोनों ओर ब्रेकर बनवाने के लिए कहा गया।

बैठक में नगर पालिका/ पंचायतों को निर्देश दिए गए कि उनके क्षेत्र में जिन रास्तों में दिक्कत हैं उन्हें कांवड़ यात्रा से पूर्व ठीक करा दिया जाए तथा जहां आवश्यकता हो खुले नालों पर स्लैब भी डलवायी जाए। मार्गो से गोवंशीय पशुओं को हटाकर संरक्षित करने के भी निर्देश दिए गए, जिससे आवागमन में बाधा उत्पन्न ना हो। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि विगत वर्ष की भांति शांतिपूर्ण तरीके और सकुशल श्रावण मास सम्पन्न हो इसके लिए समय से तैयारियां पूर्ण कर लें। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वागत द्वारों का निर्माण, वॉटर प्रुफ टेंट कांवड़ियों के लिए भंडारे, पानी, भोजन, स्वास्थ्य, सुरक्षा का ध्यान रखा जाये। सीसीटीवी कैमरे/ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कंट्रोल रुप स्थापित किया जाए तथा स्टेटिक/ सेक्टर/ जोनल/ सुपर जोनल मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि महिला कांवड़ियों के लिए शौचालय की भी व्यवस्था विश्राम गृह पर की जाए तथा समाज सेवी संगठनों का भी सहयोग लिया जाए। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने समस्त व्यवस्थाएं ससमय सुनिश्चित करने तथा गम्भीरता को समझते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। कांवड़ रुट और शिव मंदिरों पर विशेष फोकस रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई, जलभराव, विद्युत तार, गढ्ढों आदि को भरवाने, निराश्रित पशुओं का संरक्षण, आंधी आदि के कारण टूटे हुए पेड़ या डाल आदि को हटवाने, गूलर आदि के पेड़ो की छटाई आदि की आवश्यकता हो तो वह भी करवा लिया जाए। उन्होंने भंडारों में बटने वाले भोजन की गुणवत्ता की भी जांच समय-समय कराए जाने तथा जिन स्थानों पर रात के समय अंधेरा रहता है वहां लाइट की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डीजे की लम्बाई-चौड़ाई निर्धारित मानकों के अनुरूप हो इसकी जानकारी जत्थेदारों तक अवश्य पहुंचाएं तथा सिविल डिफेंस का पूरा सहयोग लिया जाए।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि 30 स्वास्थ्य शिविर बनाए जाएंगे, जिसमें 23 ग्रामीण क्षेत्र तथा 07 नगरीय क्षेत्र में बनेंगे वहां आवश्यक दवाईयां उपलब्ध रहेगी साथ ही कांवड़ियों को मेडिकल किट भी उपलब्ध करायी जाएगी। बैठक में नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) संतोष कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर अविनाश त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक, पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अंशिका वर्मा, पुलिस अधीक्षक यातायात मो0 अकमल खान, मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 विश्राम सिंह, सचिव बरेली विकास प्राधिकरण सहित समस्त सम्बंधित पुलिस/प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

शत-प्रतिशत नामांकन के लिए निकली स्कूल चलो अभियान की जागरूकता रैली

भदोही। विकास क्षेत्र भदोही के कंपोजिट विद्यालय भुलईपुर में शनिवार को 'स्कूल चलो अभियान' के द्वितीय चरण के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का उद्देश्य क्षेत्र के सभी बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित कर शिक्षा के प्रति जनजागरूकता फैलाना था। रैली में छात्र-छात्राएं हाथों में पोस्टर, बैनर और तख्तियां लेकर गांव की गलियों से गुजरे तथा शिक्षा से जुड़े प्रेरक नारे लगाए। बच्चों के उत्साह को देखकर बड़ी संख्या में अभिभावक भी रैली में शामिल हुए। शिक्षकों ने घर-घर जाकर अभिभावकों से संपर्क किया और अपने बच्चों का सरकारी विद्यालय में नामांकन कराने के लिए प्रेरित किया। यह अभियान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पांडेय एवं खंड शिक्षा अधिकारी यशवंत सिंह के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। अधिकारियों ने शिक्षा से कोई भी बच्चा वंचित न रहने का संदेश दिया। रैली का नेतृत्व प्रधानाध्यापक आशीष कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर सहायक अध्यापक अजय कुमार सिंह, संजय कुमार कुशवाहा, चंद्रभूषण मिश्रा, सूर्य भूषण पटेल, वीरेंद्र कुमार, राजकुमार, अनिल महतो, रविंद्र बच्चन, पंकज कुमार, सुशील कुमार सिंह, राजू यादव, मैना देवी, ऋषिकेश सिंह एवं आरती गुप्ता सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। शिक्षकों ने अभिभावकों को विद्यालय में मिलने वाली निःशुल्क सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की जानकारी भी दी।

समाधान दिवस में 131 प्रार्थना पत्र में 11 का हुआ निस्तारण

चुनार, मीरजापुर। सम्पूर्ण समाधान दिवस मे जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार व पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने सुना फरियाद। हुसैनपुर निवासी हरिओम श्रीवास्तव ने राजस्व व अहरौरा पुलिस पर आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र दिया कि 3 जून 2026 को रात्रि के लगभग 8 बजे राजस्व व स्थानीय पुलिस की उपस्थिति मे पचास वर्ष पुराने कच्चा मकान गिरा दिया गया कार्यवाही की जाने के आदेश की प्रति प्रार्थी को उपलब्ध कराये जाने हेतु पिछले तहसील दिवस मे जिलाधिकारी द्वारा दिया गया था वावजूद आज तक ना ही कोई कार्यवाही और ना ही आदेश की प्रति उपलब्ध करायी गई।मगंरहा गांव निवासी बालमणि सिंह ने गांव के सितेन्द्र सिंह के विरुद्ध प्रार्थनआ पत्र दिया कि अतिक्रमण कर गांव के आ0नं0 411 तालाब के पानी का निकासी बन्द कर दिया है अतिक्रमण मुक्त कर पानी निकासी कराने का मांग किया है। कुल 131 प्रार्थना पत्र पडे जिसमें से 11 प्रार्थना पत्रो का मौके पर निस्तारण कर दिया गया शेष संबंधित को गुडवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए दिया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार,मुख्य चिकित्सा अधिकारी के 0 के0 मिश्रा, अपरपुलिस अधीक्षक आपरेशन राजकुमार मीणा, उपजिलाधिकारी अनेग सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी गायत्री यादव, तहसीलदार इवेन्द्र कुमार सहित अन्य विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

नवागत एसडीएम व सीओ का नवयुवक अधिवक्ता समिति ने किया स्वागत

चुनार, मीरजापुर। शुक्रवार को तहसील प्रांगण स्थित बार भवन में नवयुवक अधिवक्ता समिति द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में नवागत उप जिलाधिकारी अनेग़ सिंह व पुलिस उपाधीक्षक गायत्री यादव का स्वागत व सम्मान किया गया। समारोह में सर्वप्रथम उप जिलाधिकारी व पुलिस उपाधीक्षक ने सभी अधिवक्ताओं से परिचय प्राप्त किया।अपने संबोधन में नवागत उप जिलाधिकारी ने कहा कि बार और बेंच को समन्वय बनाकर कार्य करना चाहिए जिससे न्यायिक प्रक्रिया सरल हो सके उन्होंने अधिवक्ताओं को भरोसा दिलाया कि उनके सहयोग के लिए हम सदैव तैयार रहेंगे।नवागत पुलिस उपाधीक्षक ने अपने संबोधन में कहा कि नवयुवक अधिवक्ता समिति को कार्यक्रम आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया, साथ ही कहा कि अधिवक्तागण को हमारे स्तर से जो सहयोग हो सकेगा हम करने को तैयार हैं। इस दौरान नायब तहसीलदार संजय, बार अध्यक्ष शिव शंकर सिंह एड, महामंत्री रामविलास सिंह एड, उपाध्यक्ष राम मूरत यादव एड, कोषाध्यक्ष अविनाश गुप्ता एड, अखिलेश सिंह एड, श्याम मुरारी सिंह एड, गजेंद्र सिंह एड आदि अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 150 शिकायती पत्रों में 17 का हुआ त्वरित निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। शासन की मंशा के अनुरूप जनशिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की तीनों तहसीलों ज्ञानपुर, भदोही और औराई में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील ज्ञानपुर में जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया। शेष मामलों को संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने के निर्देश दिए। ज्ञानपुर तहसील में कुल 35 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से पांच का मौके पर निस्तारण किया गया। वहीं भदोही तहसील में 35 शिकायतों में छह तथा औराई तहसील में प्राप्त 80 शिकायतों में छह का तत्काल निस्तारण किया गया। तीनों तहसीलों में कुल 150 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें 17 मामलों का मौके पर समाधान किया गया।

समाधान दिवस के दौरान बाल विकास एवं पुष्टाहार, आयुष्मान गोल्डन कार्ड, परिवार नियोजन, समाज कल्याण, महिला कल्याण, मिशन शक्ति तथा राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों के शिविर लगाए गए। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने इन शिविरों का निरीक्षण कर लाभार्थियों को दी जा रही योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों की जांच निष्पक्ष, तथ्यपरक और विस्तृत होनी चाहिए, ताकि शिकायतकर्ता को न्याय मिल सके। जांच के दौरान शिकायतकर्ता की उपस्थिति में जीपीएस आधारित फोटो अपलोड करने तथा एआई टूल्स के माध्यम से बेहतर ड्राफ्टिंग और रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही या उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की

जाएगी। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने राजस्व संबंधी विवादों के शीघ्र निस्तारण के लिए कानूनगो, लेखपाल और पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर एक सप्ताह के भीतर स्थलीय निरीक्षण एवं सत्यापन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त टीम दोनों पक्षों और गवाहों के बयान लेकर स्पॉट नोट तैयार करे तथा बार-बार आने वाले विवादों की सूची बनाकर उनका स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त अन्य शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

मृतक के परिजनों से मिले उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर

मिर्जापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत 2 दिन पूर्व कुदरान ग्राम में ट्रेलर घर में घुस जाने से हुई तीन लोगों की मौत को मुख्यमंत्री जी के संज्ञान लेने पर राज्य में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त कर हर संभव मदद का आश्वासन दिये। पुलिस द्वारा लाठी चार्ज की शिकायत किए जाने पर राज्य मंत्री द्वारा बताया गया की हाईवे जाम करना कानूनन अपराध है। ट्रैफिक सुचारू रूप से करना पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी है इसमें हम हस्तक्षेप नहीं कर सकते।साथ में आये युवा नेता आदित्य राजभर ने भी अपने स्तर से लोगों की मदद करने की सांत्वना दिए। आदित्य राजभर ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही हमारी टीम घायलों के उपचार के लिए ट्रामसेंटर में दिलोंजान से लग गई। कैबिनेट मंत्री के आने से पूर्व क्षेत्रीय विधायक रमाशंकर पटेल परिजनों से मिलकर दिलासा दिए, और सरकार द्वारा चल रहे योजनाओं का लाभ दिलाने का आश्वासन दिये।

22 जुलाई से शुरू होगा एफएमडी टीकाकरण अभियान

2.09 लाख पशुओं को लगेगा निःशुल्क टीका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में खुरपका-मुंहपका (फुट एंड माउथ डिजीज-एफएमडी) जैसी संक्रामक बीमारी से पशुओं की सुरक्षा के लिए 22 जुलाई से 8 सितंबर तक एफएमडी टीकाकरण अभियान का आठवां चरण चलाया जाएगा। इस दौरान लगभग 2.09 लाख गोवंश एवं भैंसवंशीय पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने पशुपालकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि पर अपने सभी पशुओं का अनिवार्य रूप से टीकाकरण कराएं और टीकाकरण टीमों का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि समय पर टीकाकरण ही इस संक्रामक रोग से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. ए.के. सचान ने बताया कि जनपद में कुल 2,18,650 गोवंश एवं भैंसवंशीय पशु पंजीकृत हैं।

इनमें से लगभग 2.09 लाख पशुओं को टीका लगाया जाएगा। अभियान के लिए 15 टीकाकरण टीमों का गठन किया गया है, जो ब्लॉकवार कार्यक्रम के अनुसार गांव-गांव

पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण करेंगी। उन्होंने बताया कि चार माह से कम आयु के बछड़े-बछिया तथा सात माह की गर्भवती गाय एवं भैंस को टीका नहीं लगाया जाएगा। यदि टीकाकरण के 21 दिनों के भीतर किसी पशु में खुरपका-मुंहपका रोग के लक्षण दिखाई दें तो पशुपालक तत्काल निकटतम पशु चिकित्सालय अथवा संबंधित पशु चिकित्साधिकारी से संपर्क करें।मुख्य पशु चिकित्साधिकारी के अनुसार इस रोग के प्रमुख लक्षणों में मुंह व खुरों में छाले पड़ना, तेज बुखार, लंगड़ाना, चारा कम खाना तथा दूध उत्पादन में कमी शामिल है। समय पर टीकाकरण और उपचार से पशुओं को इस बीमारी से सुरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने सभी पशुपालकों से अभियान में सहयोग कर अपने पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण कराने की अपील की।

साइबर अपराध से बचाव को लेकर महिलाओं को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के नेतृत्व में शनिवार को नई बाजार रोड स्थित आनंद होटल पैलेस में साइबर जागरूकता एवं मिशन शक्ति फेज-5 (द्वितीय चरण) के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्रेडिट एक्सेस संस्था के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं एवं संस्था के कर्मचारियों को साइबर अपराधों से बचाव और महिला सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने कहा कि साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट, फर्जी पुलिस या सीबीआई अधिकारी बनकर कॉल, बैंक केवाईसी अपडेट, ओटीपी व यूपीआई पिन प्राप्त कर ठगी, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग, फर्जी निवेश योजनाओं, ऑनलाइन ट्रेडिंग ऐप, पार्ट टाइम जॉब, टेलीग्राम टास्क, ऑनलाइन लोन ऐप, कस्टमर केयर फ्रॉड, फर्जी कूरियर कॉल, सेक्सटॉर्शन और क्यूआर कोड स्कैनिंग जैसे नए तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं।

उन्होंने लोगों से बैंक खाते, ओटीपी, एटीएम, सीवीवी और यूपीआई पिन जैसी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करने तथा संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने

की अपील की। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर ठगी होती है तो तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत करें, ताकि समय रहते धनराशि होल्ड या वापस कराई जा सके। कार्यक्रम में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी भी दी गई। महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181 तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में जानकारी देते हुए जरूरत पड़ने पर इनका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में साइबर क्राइम थाना एवं साइबर हेल्पडेस्क की टीम भी मौजूद रही। अधिकारियों ने कहा कि साइबर जागरूकता ही साइबर सुरक्षा का सबसे प्रभावी माध्यम है।

विंध्याचल धाम पहुंची दिल्ली से मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

मीरजापुर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार दोपहर करीब 2:00 बजे विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां विंध्यवासिनी धाम पहुंची। उन्होंने विधि विधान से माता विंध्यवासिनी का दर्शन पूजन किया और प्रदेश व देश की सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल सदर विधायक पंडित रत्नाकर मिश्रा भाजपा जिला अध्यक्ष लाल बहादुर सरोज पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी और मंत्री रविंद्र जायसवाल सहित भाजपा के कई जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी मौजूद रहे। मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और दर्शन के लिए श्रृद्धालुओ की काफी भीड़ थी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मिलने और उनका स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में भाजपा महिला कार्यकर्ता भी मंदिर परिसर पहुंची हालाकि भारी भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था के कारण अधिकांश महिला कार्यकर्ताओं को उनसे मुलाकात का अवसर नहीं मिल सका कई कार्यकर्ता केवल दूर से ही उनका अभिवादन कर पाई। मां के धाम में पहुंची रेखा गुप्ता ने बताया कि वह धार्मिक यात्रा पर निकली है और केवल मंदिर के बारे में ही बात करेगी उन्होंने दिल्ली और देशवासियों की।

प्राथमिक विद्यालय पुरवा में अव्यवस्था के आरोप, जांच के आदेश

बच्चों के भविष्य से खिलवाड़, विभागीय दावे फेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया (मीरजापुर)। सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की अलख जगाने और बच्चों को साक्षर बनाने के सरकार के करोड़ों के दावे, मीरजापुर के हलिया विकासखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय पुरवा की दहलीज पर आकर दम तोड़ रहे हैं। एक ओर सरकार बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने का ढिंढोरा पीट रही है, वहीं दूसरी ओर यह विद्यालय पूरी तरह से 'अंधेरे' की भेंट चढ़ चुका है। यहाँ तैनात प्रधानाध्यापक की कार्यशैली पर न केवल सवाल उठ रहे हैं, बल्कि उन पर गंभीर कदाचार के आरोप भी लगे हैं। निलंबन का सबक 'बेअसर' यह पहला मौका नहीं है जब शिक्षक विवादों के केंद्र में आए हों। जनवरी 2025 में विद्यालय में शराब के नशे में आने के आरोपों के बाद बीएसए अनिल कुमार वर्मा ने उन्हें निलंबित कर कड़ा संदेश देने की कोशिश की थी। लेकिन, विभाग का यह निलंबन महज एक औपचारिकता बनकर रह गया। निलंबन के बाद बहाली हुई, लेकिन शिक्षक की कार्यशैली में रत्ती भर भी सुधार नहीं आया। ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षक की लापरवाही के कारण विद्यालय शिक्षा का केंद्र न रहकर 'अव्यवस्था का अड्डा' बन गया है।

सन्नाटा पसरा, रसोईघर बंद:

नामांकन का मजाक

विद्यालय में 20 छात्रों का नामांकन दर्ज है, लेकिन धरातल पर हकीकत कुछ और ही है। विद्यालय परिसर में बच्चों की चहकती आवाजें सुनाई देने के बजाय वहां सन्नाटा पसरा रहता है। चौंकाने वाली बात यह है कि दोपहर के समय भी विद्यालय का रसोईघर बंद मिला, जो मध्याह्न भोजन योजना के क्रियान्वयन की पोल खोलने के लिए पर्याप्त है। शैक्षणिक गतिविधियां पूरी तरह ठप होने के कारण अब अभिभावक भी बच्चों को स्कूल भेजने से कतराने लगे हैं, जिससे सरकारी शिक्षा तंत्र के प्रति उनका भरोसा पूरी तरह खत्म हो रहा है।

परिसर में धूम्रपान का 'विषाक्त' माहौल

ग्रामीणों के आरोप और भी गंभीर हैं। उनका दावा है कि विद्यालय परिसर का उपयोग धूम्रपान के लिए किया जा रहा है। विद्यालय की बाउंड्री वॉल के पास बड़ी संख्या में सिगरेट के खाली पैकेट और अवशेषों का मिलना यह दर्शाता है कि शिक्षा के मंदिर को किस हद तक दूषित किया जा रहा है। बच्चों के सामने इस तरह का आचरण न केवल अनैतिक है, बल्कि यह विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी बड़ा तमाचा है।

एबीएसए हलिया की दो टूक: 'लापरवाही बर्दाश्त नहीं'

विद्यालय में फैली इस अराजकता पर

खंड शिक्षा अधिकारी (एबीएसए) हलिया ने कड़ा संज्ञान लिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा:'विद्यालय से संबंधित शिकायतें बेहद गंभीर हैं। पूर्व में हुई विभागीय कार्रवाई और वर्तमान में लगे आरोपों की एक साथ निष्पक्ष जांच की जाएगी। यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो संबंधित शिक्षक के विरुद्ध कठोरतम विभागीय कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। '

क्या इस बार होगी ठोस कार्रवाई?

प्राथमिक विद्यालय गलरिया का मामला केवल एक शिक्षक की करतूत नहीं, बल्कि विभाग की लचर निगरानी का आईना है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि अब भी केवल कागजी कार्रवाई हुई, तो गांव के गरीब बच्चों के भविष्य का क्या होगा? अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या यह जांच केवल फाइल में दबेगी या फिर दोषी शिक्षक पर ऐसी नजीर पेश करने वाली कार्रवाई होगी, जो अन्य शिक्षकों के लिए भी सबक बने।

खादी विभाग द्वारा जागरूकता शिविर का आयोजन कर लोगों को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। जिला खादी एवं ग्रामोद्योग कार्यालय द्वारा विपणन विकास सहायता (एससीएसपी) योजनान्तर्गत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का कठवार गांव के पंचायत भवन में आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों ने महात्मा गॉधी की प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विपणन विकास सहायता (एससीएसपी)जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी अमितेश सिंह ने बताया कि रोजगार के नये पहल के अन्तर्गत प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अन्तर्गत ईकाइयों का उत्पादों के लिए विपणन सहायता के रूप में उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रदर्शनी, क्रेता, विक्रेता, सम्मेलन आदि आयोजित किए जाते है। उन्होंने उ0प्र0 माटी कला बोर्ड द्वारा संचालित मुख्यमंत्री माटी कलां, रोजगार योजना व माटी कलां टूल्स किट वितरण योजना सहित अन्य योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि हम रोजगार सृजन करते है एवं समृद्धि बुनते है। उन्होंने खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा व्यक्तिगत उद्यम स्थापना हेतु बैंको से वित्त पोषण कराकर रोजगार/स्वरोजगार उपलब्ध कराने की योजना पर विधिवत प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए पवन कुमार ने कहा कि स्वरोजगार से नई उड़ान, युवाओं का कौशल विकास रोजगार का आधार, रोजगार के लिए ऋण लेना आसान हुआ। कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार, हर हुनरमंद हाथों को काम मिले, नये-नये स्टार्टअप/उद्यम स्थापित करना, रोजगार के अवसर अपार आदि बिन्दुओं पर जानकारी दी गई। खादी व ग्रामोद्योग विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जनमानस को जागरूक किया गया। साथ ही उपस्थित महिलाओं व युवाओं को बताया

गया कि प्रशिक्षण संस्था में विभिन्न प्रकार के ट्रेड जैसे ब्यूटीपार्लर, सिलाई-कढ़ाई, आदि का निःशुल्क व आवासीय सुविधा सहित प्रशिक्षण दिया जाता है। जहॉ से प्रशिक्षित होने के बाद खादी विभाग के माध्यम से सुविधा जनक लोन व अनुदान के साथ आप-अपना स्वरोजगार शुरू कर आत्मनिर्भर बन सकते है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान कठवार रामसेवक, गोविंद तिवारी, वरिष्ठ सहायक महेश मौर्य, पवन कुमार सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

जल संरक्षण का लें संकल्प, जल बचाना हम सबकी जिम्मेदारी-जिलाधिकारी चर्चित गौड़

भूजल सप्ताह के तहत संपूर्ण समाधान दिवस में जनजागरूकता का दिया संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- घोरावल तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने प्रदेश सरकार द्वारा 16 से 22 जुलाई तक आयोजित भूजल सप्ताह के अंतर्गत उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प केवल एक संदेश नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने का संकल्प है। जिलाधिकारी ने कहा कि भूजल संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन, तालाबों एवं पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण, जल का विवेकपूर्ण उपयोग तथा भूजल पुनर्भरण को जनआंदोलन का स्वरूप देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझते हुए अपने घर, गांव

और आसपास जल संरक्षण के उपाय अपनाने की अपील की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई तथा निर्देश दिए कि भूजल सप्ताह के दौरान जन-जागरूकता रैली, पौधरोपण, जल निकायों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा अन्य निर्धारित गतिविधियां पूरी सक्रियता के साथ आयोजित की जाएं। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, जिला विकास अधिकारी हेमंत कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमेश कुमार मिश्रा, जिला विकास अधिकारी, जिला कार्यक्रम समन्वयक (मनरेगा), जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

फर्जी महिला आईडी बनाकर अश्लील सामग्री बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश

भदोही। साइबर थाना और ज्ञानपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने सोशल मीडिया पर फर्जी महिला प्रोफाइल बनाकर अश्लील सामग्री साझा करने और अवैध लेन-देन करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से एक मोबाइल फोन और दो आधार कार्ड बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक रामसरीख गौतम के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। मुखबिर की सूचना पर दुलाहीपुर तिराहे के पास से शशिपाल सिंह निवासी मऊरामशाला, थाना सुरियावां को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक रेडमी मोबाइल और दो आधार कार्ड बरामद हुए। दूसरी कार्रवाई में कसियापुर रोड स्थित गजधर पुलिया के पास से मनीता यादव निवासी बसुपरा, थाना भदोही को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि मुख्य आरोपित फर्जी फेसबुक और व्हाट्सएप आईडी बनाकर अपनी पहचान छिपाते हुए चैट ग्रुप संचालित करता था। इन माध्यमों से कथित रूप से अश्लील सामग्री साझा कर अवैध रूप से धन का लेन-देन किया जाता था।

घर के पीछे से घुसे चोरों ने लाखों के आभूषण व पचास हजार रूपए पर किया हाथ साफ

घर में घुस रहे दो चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद, चोरों ने सीसीटीवी कैमरे का तार तोड़कर घटना को दिया अंजाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। ड्रमंडगंज क्षेत्र के रतेह चौराहा के पास सेमरा कलां गांव में शुक्रवार की देर रात मकान के पीछे से घुसे हौसला बुलंद चोरों ने लाखों रुपए के सोने चांदी के आभूषण व पचास हजार रूपए नगद उठा ले गए। घटना की जानकारी होने पर गृहस्वामी सीताराम केसरवानी व स्वजनों के होश उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस घटना की जांच में जुट गई है।

सेमरा कलां गांव निवासी सीताराम केसरवानी ने अपने रिहायशी मकान के आगे के हिस्से में किराने की दुकान खोल रखी है। शुक्रवार की रात खाना खाने के बाद परिवार के अन्य सदस्य मकान के ऊपरी हिस्से में सोने चले गए। वहीं गृहस्वामी मकान के सामने वाले हिस्से में सो रहे थे।रात दो बजे के करीब घर के पीछे लगे लकड़ी के दरवाजे की कुंडी तोड़कर चोर मकान के भीतर घुस गए। चोरों ने घर में घुसने से पहले सीसीटीवी कैमरे का तार तोड़कर अलग कर दिया। लेकिन सीसीटीवी कैमरे में घर में घुस रहे दोनों चोर कैद हो गए।चोर घर के पिछले हिस्से के कमरे में घुसकर आलमारी का लाक तोड़कर उसमें

रखे लाखों रुपए के सोने चांदी के आभूषण उठा ले गए।चोर किराने की दुकान में दराज में रखे पचास हजार नकद भी उठा ले गए। गृहस्वामी सीताराम केसरवानी के अनुसार चोर आलमारी में रखे पत्नी स्वर्गीया सीता केसरवानी मां गुलाब कली और बेटे अनुज की पत्नी रूबी के करीब 52 लाख रुपए की कीमत के सोने चांदी के आभूषण उठा ले गए।चोर दुकान में रखा पचास हजार रूपए नगद भी ले गए।

सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक ड्रमंडगंज राजेश कुमार,एसआई रमेश यादव, पुनीत गुप्ता व रघुवर शरण राय ने घटना की जांच की। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे को खंगाला और दोनों चोरों की पहचान कराने में जुट गई है। प्रभारी निरीक्षक ड्रमंडगंज राजेश कुमार ने बताया कि घटना की हर पहलुओं से जांच की जा रही है। सीसीटीवी कैमरे में कैद गमछे से मुंह ढके दोनों चोरों की पहचान करवाई जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

महाविद्यालय के छात्रों ने लिखी पुस्तक समीक्षा

चुनार, मीरजापुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के 48 वां दीक्षांत समारोह 2025 -26 के उपलक्ष्य में दीक्षोत्सव के अंतर्गत महाविद्यालय के छात्रों ने लिखी पुस्तक समीक्षा कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। छात्रों ने कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक सहभागिता की पुस्तकों का चयन कर अध्ययन किया और पुस्तक समीक्षा तैयार की जिसको संकलित कर विश्वविद्यालय महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी को प्रेषित किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डॉ माधवी शुक्ला ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें पुस्तक पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संयोजन एवं मंच संचालन करते हुए कार्यक्रम की संयोजक डॉक्टर नलिनी सिंह ने पुस्तकों को जीवन का पथ प्रदर्शक एवं सच्चा मित्र बताया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम की सहसंयोजक डॉक्टर रीता मिश्रा ने किया। इस अवसर पर डॉ चंदन साहू,प्रो कुसुमलता,डॉ भास्कर प्रसाद द्विवेदी,डॉ दीप नारायण,डॉ विनोद यादव,डॉ अवधेश सिंह यादव,डॉ स्मिता,डॉ अरविंद कुमार,डॉ अमित कुमार,डॉ शैलेंद्र कुमार,डॉ शिखा,डॉ विद्या,डॉ गुरु प्रसाद,डॉ संकटा प्रसाद सोनकर,डॉ रमेशचन्द्र एवं समस्त कर्मचारीगण सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।

सोनम वांगचुक को बलपूर्वक गिरफ्तार करना लोकतंत्र को समाप्त करने का संकेत- भागीरथी सिंह मौर्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रावर्ट्सगंज/सोनभद्र- शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा की मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता पर्यावरणविद वैज्ञानिक 60 वर्षीय सोनम वांगचुक को गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती करना लोकतंत्र को समाप्त करने का संकेत है ।जन अधिकार पार्टी के प्रदेश प्रमुख महासचिव भागीरथी सिंह मौर्य ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 21 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक एवं उनके समर्थकों द्वारा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा की मांग को लेकर शांति पूर्वक कर रहे धरना प्रदर्शन के दौरान सोनम वांगचुक के साथ धक्का मुक्की कर घसीट कर गिरफ्तार करने के उपरांत अस्पताल ले जाना सरकार को अलोकतांत्रिक के साथ तानाशाह होना दर्शाता है ।जब की सरकार को सोनम वांगचुक की मांगों पर गंभीरता पूर्वक विचार

करते हुए वार्ता करनी चाहिए ऐसा न करना यह साबित करता है कि सरकार धरना प्रदर्शन से डरी हुई है।

सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाने का विरोध करने पर समर्थकों पर लाठीचार्ज करना लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान में प्रदत्त शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार पर गंभीर प्रश्न है। यदि किसी शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बलपूर्वक समाप्त किया जाता है तो यह लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को संविधान के दायरे में रहकर अपनी बात रखने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराने का अधिकार है वही सरकार और प्रशासन का दायित्व है कि संवाद और संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से समस्याओं का समाधान निकाला जाए, ताकि जनता का लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विश्वास बना रहे।जन अधिकार पार्टी मांग करती है कि सरकार सोनम वांगचुक की मांगों पर गंभीरता पूर्वक विचार करे क्योंकि गिरफ्तारी अथवा अस्पताल में भर्ती करा देने से, जेल भेज देने से विचारों को न तो दबाया जा सकता न ही मारा जा सकता।

संक्षिप्त खबरें

प्रयास में शुभम यादव ने फहराया सफलता का परचम, नीट परीक्षा में हासिल की शानदार रैंक

भदैया/सुल्तानपुर। भदैया विकासखंड के वजूपुर गांव के निवासी सुरेंद्र यादव के पुत्र शुभम यादव ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शुभम ने अखिल भारतीय स्तर पर लगभग 19 हजारवीं रैंक प्राप्त कर मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश का सपना साकार किया है। शुभम की इस उपलब्धि से उनके परिवार, रिश्तेदारों और पूरे गांव में खुशी का माहौल है। बधाई देने वालों का उनके घर पर तांता लगा हुआ है। शुभम की प्रारंभिक शिक्षा दिल्ली में हुई, जिसके बाद उन्होंने मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी जारी रखी। लगातार मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने चौथे प्रयास में यह सफलता हासिल की। शुभम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और परिवार के निरंतर सहयोग तथा मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, धैर्य और आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य की ओर लगातार बढ़ते रहने से सफलता अवश्य मिलती है। शुभम की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के सम्मानित ग्रामीणों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी सफलता से क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिली है कि निरंतर प्रयास और लगन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

जिला बार एसोसिएशन के चुनाव में चंद्र प्रताप अध्यक्ष व योगेश सिंह महामंत्री चुने गए

प्रतापगढ़। जिला बार एसोसिएशन प्रतापगढ़ (उ0प्र0) 2026-27 के चुनाव में सम्पन्न मतगणना में अध्यक्ष-चंद्र प्रताप सिंह,महामंत्री -योगेश सिंह,वरिष्ठ उपाध्यक्ष-अशोक सिंह,उपाध्यक्ष (दो)- अजय कुमार सिंह व विकास सिंह,कोषाध्यक्ष- उमेश प्रताप सिंह,संयुक्त मंत्री(दो)-अरुण सिंह'राजू'व सचिन्द्र सिंह चुने गए हैं।

पूर्व प्रधानाचार्य की पत्नी का निधन, मोना समेत लोगों ने जताया दुःख

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के एसबीएम रोड निवासी पूर्व प्रधानाचार्य एवं संस्कृत विद्वान डॉ0 शक्तिधरनाथ पाण्डेय की धर्मपत्नी उषा 65 का शुक्रवार की देर रात हृदयगति रूकने से निधन हो गया। निधन की जानकारी पर क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने गहरा दुख जताया है। वहीं चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, वरिष्ठ अधिवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल, विशालमूर्ति मिश्र, डॉ0 राजकुमार पाण्डेय, अधिवक्ता कमलेश तिवारी, विनोद मिश्र, डॉ0 शिवमूर्ति शास्त्री, आचार्य राजेश मिश्र, पूर्व प्राचार्य दयाशंकर पाण्डेय, केशवराम ओझा, डॉ0 डीपी ओझा, डॉ0 ज्ञानेन्द्रनाथ त्रिपाठी ने भी उषा के निधन पर दुख जताया है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत, दो घायल

सिद्धार्थनगर में शोहरतगढ़-ढेबरुआ मार्ग पर हुई दुर्घटना

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के शोहरतगढ़- ढेबरुआ मार्ग पर स्थित मड़वा चौराहा के पास शनिवार दोपहर एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि इस हादसे में बाइक पर सवार दो अन्य लोग घायल हो गए।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की।मृतक की पहचान थाना कठेला समय माता क्षेत्र के दुबिहारे गांव निवासी पंचराम निषाद (70)पुत्र झिनकू निषाद के रूप में हुई है। पंचराम निषाद अपने बेटों के साथ किसी काम से शोहरतगढ़ की ओर जा रहे थे। मड़वा चौराहा के पास पहुंचे ही थे कि पीछे से आ रही एक पिकअप वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। इस दुर्घटना में पंचराम निषाद को गंभीर चोटें आईं, जिससे उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

उनके बेटों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि फरार पिकअप वाहन का पता लगाया जा रहा है।

सोहना- कोहरोडा मार्ग से खखराव जाने वाला मार्ग पर पुलिया क्षतिग्रस्त, आवागमन में दिक्कत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। इटवा तहसील क्षेत्र के सोहना- कौहरोडा मार्ग से खखराव जाने वाले मुख्य मार्ग के बीच सड़क पर बनी पुलिया क्षतिग्रस्त होने से राहगीरों को दिक्कत हो रही है।

कोहरोडा- सोहना मार्ग से खखराव जाने जाने वाले मार्ग मुख्य मार्ग के बीच पुलिया कई महिनों से क्षतिग्रस्त हो जाने से राहगीरों एवं स्कूली बच्चों को जोखिम भरी यात्रा करने पर विवश हैं, समय रहते मरम्मत कार्य नहीं हुआ तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। क्षेत्रीय नागरिकों में प्रभात कुमार, जगतराम,मो सलीम , संतोष कुमार, अभय कुमार, प्रमोद कुमार आदि लोगों ने बताया खखराव गांव को जाने वाले सड़क के बीच में कई महिनों से पुलिया क्षतिग्रस्त हो चुका है ।लेकिन जिम्मेदारों ने अब तक मरम्मत नहीं कराया इस मार्ग से सैकड़ों लोगों का आवागमन रहता है कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है यह सिर्फ एक टूटी हुई पुलिया नहीं, बल्कि हर दिन सैकड़ों लोगों की जान के साथ खेला जा रहा खुला खतरा है। किसान, छात्र, महिलाएँ, बुजुर्ग और और जरूरत पड़ने पर एम्बुलेंस तक इसी रास्ते से गुजरते हैं। जरा सी चूक किसी परिवार की खुशियाँ हमेशा के लिए छीन सकती है।

लेखन व पत्रकारिता का सामाजिक सरोकारों से गहरा नाता

» विकास भवन सभागार में प्रेस क्लब प्रतापगढ़ के नवनिर्वाचित पदाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। विकास भवन स्थित सभागार में शनिवार को प्रेस क्लब प्रतापगढ़ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का समारोहपूर्वक शपथ ग्रहण हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ परियोजना निदेशक दयाराम यादव तथा वरिष्ठ पत्रकार जगत बहादुर सिंह एवं नवनिर्वाचित अध्यक्ष सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। परियोजना निदेशक दयाराम यादव तथा विशिष्ट अतिथि राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने नव निर्वाचित अध्यक्ष सत्येन्द्र प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष अजय यादव, महासचिव नवीन श्रीवास्तव, सचिव योगेन्द्र नारायण, संगठन मंत्री अब्दुल मुहीब, कोषाध्यक्ष अंशुमान सिंह व प्रेस प्रवक्ता आसिफ सिद्दीकी को पद के उत्तरदायित्व का प्रतिज्ञान कराया। मुख्य अतिथि पीडी दयाराम यादव ने पत्रकारिता और लेखन को समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में आधार स्तम्भ कहा। विशिष्ट अतिथि ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि सामाजिक एवं राष्ट्रीय सरोकार की मजबूती में पत्रकारिता का अहम योगदान है। मुख्य वक्ता पूर्व अध्यक्ष दीपेन्द्र तिवारी ने मीडिया के समक्ष उत्पन्न वर्तमान चुनौतियों पर प्रकाश डाला। नव निर्वाचित अध्यक्ष सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता कहा। समारोह की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार जगत बहादुर सिंह ने कहा कि आज के समय में स्वस्थ पत्रकारिता तथा सद्भावनापरक विचार सबसे बड़ी जरूरत है। वहीं आयोजन समिति द्वारा दयाराम यादव, ज्ञानप्रकाश शुक्ल व जगत बहादुर सिंह को बुकें एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन पूर्व अध्यक्ष हरिलाल विश्वकर्मा ने किया। निवर्तमान अध्यक्ष पंकज दुबे ने स्वागत भाषण तथा वासिफ खां ने आभार प्रदर्शन किया। समारोह को वरिष्ठ पत्रकार शिवशंकर तिवारी सोहगौरा, बीके शर्मा, प्रमोद श्रीवास्तव, अरविंद दुबे, लवलेश शुक्ला ने भी संबोधित किया। इस मौके पर जयवीर सिंह, प्रदीप मिश्र, निलेश मिश्र, प्रदीप वर्मा, अमित दुबे, आदर्श शुक्ला, लाल अंकित प्रताप सिंह, आशीष सिंह, देवेन्द्र मिश्र, अरविंद पाण्डेय, शैलेष मिश्र, मो0 शरीफ खां, जय बहादुर सिंह, मो0 रईस, मो0 इस्यिाक आदि मौजूद रहे।

आबादी के बीच सूअर पालन से दुर्गंध और बीमारी फैलने की शिकायत

कार्रवाई न होने पर होगी सख्त कानूनी कार्रवाई

अम्बेडकरनगर। नगर पालिका परिषद अकबरपुर ने आबादी के बीच कथित रूप से अवैध सूअर पालन के मामले में सख्त रुख अपनाया है। नगर पालिका की ओर से जारी नोटिस में वार्ड नंबर-02 राजस्व ग्राम गौसपुर (ऊंचेगांव) निवासी एक व्यक्ति को तीन दिन के भीतर चारागाह एवं बंजर भूमि से सूअरबाड़ा हटाने का निर्देश दिया गया है। नगर पालिका को मिली शिकायत में आरोप लगाया गया है कि चारागाह और बंजर भूमि पर अवैध रूप से सूअर पाले जा रहे हैं। सूअरों से निकलने वाला गंदा पानी और मल-मूत्र आबादी के बीच फैल रहा है, जिससे दुर्गंध के साथ संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। शिकायत में इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बताया गया है।नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी द्वारा जारी नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि तीन दिन के भीतर सूअरबाड़ा आबादी से दूर अपनी निजी भूमि पर स्थानांतरित कर अवैध कब्जा हटाया जाए, अन्यथा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। मामले की प्रति कोतवाली अकबरपुर को भी भेजी गई है, ताकि आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

22 जुलाई सम्मेलन को लेकर भाजपा की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लोटन (सिद्धार्थनगर)। विधानसभा चुनाव 2027को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं को अपना बूथ सबसे मजबूत बनाने के टिप्स वरिष्ठ नेताओं द्वारा दिए जा रहे हैं।उसी कड़ी में आगामी 22 जुलाई को आयोजित होने वाले विधानसभा स्तरीय बूथ अध्यक्ष सम्मेलन की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी लोटन मण्डल की एक बैठक शनिवार को लोटन बाजार स्थित सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में आयोजित हुई।जिसमें सम्मेलन की तैयारियों, संगठनात्मक गतिविधियों तथा डिजिटल लर्निंग अभियान की समीक्षा की गई। बैठक के मुख्य अतिथि जिलामंत्री एवं मंडल प्रभारी बजरंगी वर्मा ने कार्यकर्ताओं से कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक अपनी बात पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि 22 जुलाई को आयोजित बूथ अध्यक्ष सम्मेलन संगठन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी बूथ अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक कार्यकर्ता डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर प्रशिक्षण एवं परीक्षण अवश्य पूरा करें।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंडल अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार शुक्ल ने सभी कार्यकर्ताओं से डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर प्रशिक्षण एवं परीक्षण शीघ्र पूरा करने तथा बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव, जिला मंत्री रामनरायण, क्षेत्रिय कार्य समिति सदस्य प्रतीमा वर्मा, जिलामंत्री पूनम जयसवाल, ब्लॉक महामंत्री सतीश वर्मा, रुद्र नारायण पांडेय, उपाध्यक्ष बब्लू पांडेय, सह मीडिया प्रभारी सूरज त्रिपाठी, पवन पांडेय, कृष्णदत्त त्रिपाठी, विनोद मिश्रा, शिवम विश्वास, अरुण मद्धेशिया, भगवान पांडेय, बब्लू गुप्ता, राधेश्याम शर्मा, भूनेश श्रीवास्तव, संदीप कुमार मद्धेशिया सहित मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपूर्ण समाधान दिवसः 38 मामले आए 1 का निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। समाधान दिवस तहसील नौगढ़ में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। तहसील नौगढ़ में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0, उपजिलाधिकारी नौगढ़ तथा पुलिस विभाग से सम्बंधित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन द्वारा किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 द्वारा तहसील समाधान दिवस में पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया।

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस नौगढ़ में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 38 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व-30, पुलिस विभाग से सम्बन्धित-02, नगर पालिका-03, अन्य-03 प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत हुए। राजस्व के 01 प्रार्थना-पत्र का निस्तारण करा दिया गया। तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत-प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

तहसील दिवस के उपरान्त जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन, डीएफओ नीला एम द्वारा तहसील नौगढ़ परिसर में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर डीएफओ नीला एम, प्र0 मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 प्रमोद कुमार, पी0डी0 अनिल कुमार, डीसी मनरेगा सन्दीप सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक अरूण कुमार, तहसीलदार नौगढ़, तहसील नौगढ़ क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त थानाध्यक्ष एवं खण्ड विकास अधिकारी तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दूध बेचकर लौट रहे बुजुर्ग की हत्या

सुल्तानपुर/चांदा। चांदा कोतवाली क्षेत्र के बरनी गांव में बीती रात 65 वर्षीय दूध व्यवसायी रमापति तिवारी की धारदार हथियार से हत्या किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। वारदात उस समय हुई जब वह रोज की तरह चांदा बाजार में दूध बेचकर देर रात करीब 11 बजे घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि घर से कुछ ही दूरी पर अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल रमापति तिवारी सड़क पर गिर पड़े। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, जबकि हमलावर फरार हो चुके थे। डायल-112 की सूचना पर पुलिस पहुंची और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के तीन बेटे हैं। बड़ा बेटा हेमंत और सबसे छोटा बेटा उनके साथ रहते थे, जबकि बीच का बेटा बलवंत अलग रहता है। बलवंत के दो बेटे शुभम और सुधांशु हैं। मृतक की बड़ी बहू ममता तिवारी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि तीन दिन पहले रमापति तिवारी का अपनी बहू शशि नाती शुभम और सुधांशु से विवाद हुआ था। उनका आरोप है कि इसी रंजिश के चलते शुभम, सुधांशु और उनकी मां शशि ने मिलकर हत्या की है। ममता तिवारी ने साफ कहा कि जब तक आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक परिवार अंतिम संस्कार नहीं करेगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। अभी हत्या के कारणों और आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

ताईक्वाण्डो कलर बेल्ट टेस्ट का होगा आयोजन

जलालपुर, अंबेडकर नगर। ताइक्वांडो एसोसिएशन के जिला सचिव मंगेश कुमार मां ने बताया कि उत्तर प्रदेश ताईक्वाण्डो एसोसिएशन के निर्देशन में अंबेडकर नगर ताईक्वाण्डो एसोसिएशन द्वारा रविवार 19 जुलाई को बुद्ध वॉरियर्स ताईक्वाण्डो एकैडमी एन डी इंटर कॉलेज जलालपुर आयोजित किया गया है विभिन्न ताईक्वाण्डो क्लब में प्रशिक्षण ले रहे सभी खिलाड़ी समय से बुद्ध वॉरियर्स ताईक्वाण्डो एकैडमी जलालपुर में आयोजित होने वाले कलर बेल्ट टेस्ट में हिस्सा ले सकते हैं। इसमें सभी खिलाडियों का बेल्ट के अनुसार टेस्ट में पूमसे, स्टांस ब्लॉक, ब्रेकिंग रिटन टेस्ट होगा।

मत्स्य विभाग की छः योजनाओं के लिए 31 जुलाई तक करें ऑनलाइन आवेदन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य कमलेश कुमार बौद्ध ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। विभागीय योजनाओं के अन्तर्गत लाभ प्राप्त करने के इच्छुक पात्र व्यक्ति 31 जुलाई तक विभागीय वेबसाइट द्वद्वद्यद्धद्ददृद्धद्दद्दह्य.ह्नश्च.द्द1.द्धठ्ठ पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। मत्स्य विभाग द्वारा राज्य सेक्टर के अन्तर्गत संचालित की जा रही योजनाओं में मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अन्तर्गत मोपेड विद आइस बॉक्स परियोजना, अन्तर्देशीय खारे जल क्षेत्रों में मात्स्यिकी के विकास हेतु नये तालाब निर्माण एवं प्रथम वर्ष निवेश, उत्तर प्रदेश में मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना शामिल हैं। योजनाओं के अन्तर्गत परियोजना का विवरण, इकाई लागत, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले आवश्यक अभिलेख एवं अन्य विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होने बताया है कि योजनाओं में यदि भविष्य में किसी प्रकार का संशोधन किया जाता है तो संशोधित प्राविधान ही प्रभावी होंगे। साथ ही, पूर्व वर्षों में निरस्त अथवा प्रतीक्षारत आवेदन वाले आवेदक भी इन योजनाओं के लिए पुनः आवेदन कर सकते हैं। योजनाओं से सम्बन्धित अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए इच्छुक व्यक्ति किसी भी कार्य दिवस में मत्स्य पालक विकास अभिकरण, कमरा संख्या-5, विकास भवन, प्रतापगढ़ से सम्पर्क कर सकते हैं।

21 जुलाई तक मौसम का अलर्ट, मेघगर्जन, वज्रपात और तेज हवाओं की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदित्य कुमार प्रजापति ने मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के मद्देनज़र जनपद में आगामी दिनों के दौरान मेघगर्जन, वज्रपात, तेज आंधी और भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए अलर्ट जारी किया है। उन्होने आमजन से सतर्क रहने तथा मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने की अपील की है। उन्होने बताया है कि मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) लखनऊ द्वारा जारी चेतावनी के तहत जनपद प्रतापगढ़ में 18 जुलाई से 21 जुलाई तक सक्रिय मानसूनी परिस्थितियों के कारण मेघगर्जन, वज्रपात, तेज हवाएं तथा कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। इस दौरान हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तथा झोंकों के साथ 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। उन्होने बताया कि 18 एवं 19 जुलाई को यलो जोन तथा 20 एवं 21 जुलाई को जिले को ऑरेन्ज जोन में रखा गया है। उन्होने बताया है कि सावधानी के तौर पर खुले में ऐसी दशा में खुले में न रहकर किसी पक्के मकान में शरण लें, व्यर्थ की यात्रा से बचें, खिड़कियों, दरवाजे, बरामदे एवं छत से दूर रहे, ऐसी वस्तुएं जो बिजली की सुचालक हैं, उनसे सावधान रहें। बिजली के उपकरणों या तार के साथ संपर्क से बचें व बिजली के उपकरणों को बिजली के संपर्क से हटा दें। तालाब और जलाशयों से भी दूरी बनाये रखें। बाहर रहने पर धातु से बनी वस्तुओं का उपयोग न करें। बाइक, बिजली या टेलीफोन का खंभा, तार की बाड़, मशीन आदि से दूर रहें। धातु से बने कृषि यंत्र-डंडा आदि से अपने को दूर कर दें। आसमानी बिजली के झटके से घायल होने पर पीड़ित व्यक्ति को तत्काल नजदीकी प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र लें जाने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

स्थानीय रेडियों अन्य संचार साधनों से मौसम की जानकारी प्राप्त करते रहें। यदि खेत खलिहान में काम कर रहे हो और किसी सुरक्षित स्थान की शरण न ले पायें हो तो जहां हैं यहीं रहें, हो सके तो पैरों के नीचे सूखी चीजें से जैसे लकड़ी, प्लास्टिक, बोरा या सूखे पत्ते रख लें तथा यथाशीघ्र सुरक्षित स्थान पर शरण लें, दोनों पैरों को आपस में सटा लें एवं दोनों हाथों से कानों को बंद कर अपने सिर को जमीन की तरफ यथा संभव शरीर को झुका लें तथा सिर को जमीन से न सटाए, जमीन पर कदापि न लेटें, ऊंचे इमारत वाले क्षेत्रों में शरण नहीं लें। साथ ही बिजली एवं टेलीफोन के खंभों के नीचे कदापि शरण नहीं लें, क्योंकि ऊंचे वृक्ष, ऊंची इमारते एवं टेलीफोन/बिजली के खम्भे आसमानी बिजली को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। पैदल जा रहे हो तो धातु की डंडी वाले छातों का उपयोग न करें। यदि घर में हों तो पानी का नल, फ्रिज, टेलीफोन आदि को न छुए। एडवाइजरी में कहा गया है कि बिजली गिरने की घटनाओं से बचाव के लिए सचेत एवं दामिनी मोबाइल ऐप को अनिवार्य रूप से डाउनलोड करें, जिससे मौसम संबंधी पूर्व चेतावनी समय रहते प्राप्त हो सके और संभावित क्षति को कम किया जा सके। उन्होने कृषि मौसम आधारित पूर्वानुमान में किसानों को फसलों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय अपनाने की सलाह दी गई है। गन्ना, दलहन, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली तथा सब्जी फसलों में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करने, मल्चिंग अपनाने तथा तेज हवा और वर्षा से फलों एवं सब्जियों को बचाने के उपाय करने की अपील की गई है। आम, केला और पपीता उत्पादकों को भी तेज हवा और अत्यधिक तापमान से फलों को होने वाले नुकसान से बचाव के लिए विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। आमजन से अपील की गई है कि मौसम संबंधी ताजा सूचनाओं पर नजर रखें और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

पत्थर नसब की कार्रवाई में लापरवाही पर राजस्व निरीक्षक से मांगा स्पष्टीकरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जमीन सम्बन्धी मामले के निस्तारण में लापरवाही को लेकर प्रभारी डीएम ने राजस्व निरीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। वही समाधान दिवस में जमीन सम्बन्धी ज्यादातर मामले देखकर भी प्रभारी डीएम मातहतों पर तल्ख दिखे। डीएम की अध्यक्षता में यहां समाधान दिवस को लेकर बड़ी संख्या में सुबह से ही फरियादी जमे दिखे। हालांकि जनपद मुख्यालय से बाहर होने के कारण डीएम अभिषेक पाण्डेय समाधान दिवस में नही आ सके। प्रभारी डीएम के रूप में मुख्य विकास अधिकारी राम मोहन मीना ने शिकायतो की सुनवाई की। सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग की छान्नवे, पुलिस की बीस व विकास की दो, बेसिक शिक्षा एक, विद्युत नौ, आपूर्ति दो व अन्य विभाग की सत्ताईस रही। कुल एक सौ सत्तावन शिकायतों में अफसरों ने ग्यारह शिकायतों का निस्तारण कराया। सीडीओ के सामने अगई के एक फरियादी ने जमीन सम्बन्धी पत्थर नसब की कार्रवाई न होने को लेकर राजस्व निरीक्षक के द्वारा लापरवाही को लेकर शिकायती प्रार्थना पत्र दिया। सीडीओ ने सम्बन्धित राजस्व निरीक्षक को तलब किया तब वह गैरहाजिर मिले। इस पर नाराजगी जताते हुए क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक धर्मराज का स्पष्टीकरण तलब कर लिया। सीडीओ ने ज्यादातर जमीनी विवादों में दोबारा शिकायतें देखी तब उनका पारा चढ़ आया। उन्होने नवागान्तुक एसडीएम वाचस्पति सिंह व तहसीलदार रवि यादव को रैण्डम चेकिंग के निर्देश दिये। पुलिस से जुड़ी शिकायतें सीओ राजीव द्विवेदी ने सुनीं। इस मौके पर जिला पूर्ति अधिकारी अनुभव त्रिवेदी, नायब तहसीलदार वीरेन्द्र कुमार मिश्र, वन क्षेत्राधिकारी प्रेमचंद्र मिश्र, नायब तहसीलदार पंकज कुमार, एसडीओ विद्युत आशुतोष कुमार, बीडीओ लालगंज मानवेन्द्र शर्मा, अधीक्षक डा0 अरविन्द गुप्ता, पूर्ति निरीक्षक अमित शुक्ला आदि रहे।

अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मुकदमा दर्ज

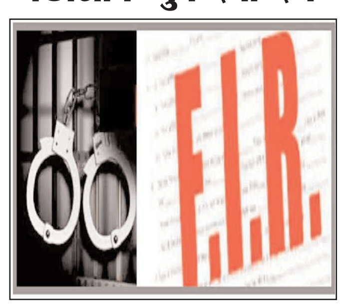

लालगंज, प्रतापगढ़। उदयपुर थाना क्षेत्र के पूरे कदीम राँकी गाँव निवासी मिठाई लाल पुत्र विंध्यादीन शर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि स्टेट बैंक आफ इंडिया शाखा ननौती में उसका खाता है। खाते में लिंक मोबाइल नम्बर पर मैसेज आया कि लोन चाहिए तो पांच हज़ार रुपये दिए गये क्यू आर कोड पर भेजिए।

पैसा मैंने भेज दिया लेकिन लोन नहीं हुआ। उसके बाद इक्कीस हज़ार माँगा गया मैंने उसको भी भेज दिया। इसी तरह झांसा देकर कुल चार लाख रुपये ठग ने ले लिया, लेकिन कोई लोन अभी तक नहीं हुआ। उदयपुर एसओ दीप नारायण के अनुसार जाँच कर विधिक कार्यवाही की जायेगी।

कचनरवा बाजार में मीट विक्रेताओं के हौसलें बुलंद, खुलेयाम सड़क पर बेचा जा रहा है मीट

मुख्य बाजार, अस्पताल रोड व बागेसोती मार्ग पर सड़क किनारे हो रही मुर्गा-मछली की बिक्री, संक्रामक रोग फैलने की आशंका; स्थानीय लोगों ने डीएम से लगाई कार्रवाई की गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोन/सोनभद्र- ओबरा तहसील क्षेत्र के कोन थाना अंतर्गत कचनरवा मुख्य बाजार में खुलेआम सड़क किनारे मुर्गा, मछली और मांस की बिक्री से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। आरोप है कि बाजार, अस्पताल मार्ग, बागेसोती रोड और कोन-विंढमगंज मार्ग पर मीट विक्रेताओं ने सड़क तक कब्जा कर रखा है, जिससे राहगीरों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती है, जिसके चलते अवैध मीट विक्रेताओं के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई बार शिकायतें और समाचार प्रकाशित होने के बावजूद संबंधित विभाग ने सिर्फ औपचारिक कार्रवाई की। कुछ माह पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने छापेमारी कर दो दुकानदारों पर कार्रवाई की थी, लेकिन उसके बाद फिर से खुलेआम सड़क किनारे मांस और मछली की बिक्री शुरू हो गई।

लोगों का कहना है कि सड़क पर ही मुर्गों

का वध और मांस की कटाई होने से आसपास गंदगी और दुर्गंध फैली रहती है। बाजार से गुजरने वाले लोगों पर खून और पानी के छींटे पड़ने की शिकायतें भी सामने आती हैं। इससे न केवल विवाद और मारपीट की आशंका बनी रहती है, बल्कि संक्रामक रोग फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। जबकि जिले में इन दिनों संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है, ऐसे में कचनरवा बाजार की स्थिति अभियान की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि बाजार में कुछ मिठाई और नाश्ते की दुकानों पर भी मानकों की अनदेखी करते हुए बासी एवं खराब गुणवत्ता की खाद्य सामग्री बेची जा रही है। लोगों ने खाद्य सुरक्षा विभाग से पूरे बाजार का व्यापक निरीक्षण कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुसार खुले में मांस का प्रदर्शन और बिक्री प्रतिबंधित है। खाद्य सुरक्षा विभाग के नियमों के तहत मांस विक्रेताओं के लिए वैध लाइसेंस, स्वच्छता मानकों का पालन तथा दुकान को इस प्रकार ढंकना अनिवार्य है कि बाहर से मांस दिखाई न दे। नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना, लाइसेंस निरस्तीकरण और दुकान सील करने तक का प्रावधान है। इसके बावजूद कचनरवा बाजार में नियमों की खुलेआम अनदेखी किए जाने का आरोप लगाया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

नारायणपुर में श्रद्धा और आस्था के साथ संपन्न हुई माँ विपत्तारिणी की पूजा

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- शनिवार को नारायणपुर प्रखंड क्षेत्र में माँ विपत्तारिणी की पूजा पारंपरिक श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुई। नारायणपुर दुर्गा मंदिर में सुबह से ही बड़ी संख्या में महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। व्रती महिलाओं ने 13 प्रकार के फल, फूल एवं पकवान अर्पित कर माँ दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना की तथा सिंदूर और आलता चढ़ाकर परिवार की सुख-समृद्धि एवं विपत्तियों से रक्षा की कामना की। पूजा-अर्चना का विधिवत संचालन भैयाडीह निवासी सुनील ने कराया। मान्यता है कि माँ विपत्तारिणी की आराधना से परिवार पर आने वाले संकट दूर होते हैं और पति एवं परिवार के सदस्यों की दीर्घायु तथा मंगल की प्राप्ति होती है। इसी आस्था के साथ महिलाओं ने पूरे विधि-विधान से व्रत एवं पूजन संपन्न किया। नारायणपुर दुर्गा मंदिर में नारायणपुर के अलावा दलदला, पराठ, बिरसिंहपुर, बावनबीघा सहित आसपास के कई गांवों से आई महिलाओं ने पूजा-अर्चना में भाग लिया। वहीं कमलडीह में भी श्रद्धापूर्वक माँ विपत्तारिणी की पूजा आयोजित की गई। पूजन कार्यक्रम को सफल बनाने में निताई दास, शंभू दास सहित अन्य श्रद्धालुओं का सराहनीय योगदान रहा। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह पर्व पूरे क्षेत्र में उत्साह, आस्था और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया।

हजारों व्रतियों ने श्रद्धा एवं भक्तिभाव से की माँ विपत्तारिणी की पूजा-अर्चना

करों, देवघर, झारखंडः- शनिवार को अनुमंडल के करों प्रखंड अंतर्गत करोंग्राम स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंदिर, सिंहवाहिनी मंदिर, दे टोला दुर्गा मंदिर तथा माँ चंडी मंदिर प्रांगण में माँ विपत्तारिणी की पूजा-अर्चना श्रद्धा, भक्ति और विश्वास के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर हजारों की संख्या में महिला व्रतियों ने विधि-विधान से पूजा कर अपने परिवार की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। पूजा में डुमरतर, जांत, दुबरा, सालतर, गोविंदपुर, कमलकर, रानीडीह, रान्हा, सिरियाँ, चौरबरिया, चाँदचौरा, गुडबाद, पंचगढ़िया तथा प्रतापुर सहित आसपास के कई गांवों से श्रद्धालु पहुंचे। व्रतियों ने माँ विपत्तारिणी को 14 प्रकार के फूल, 14 प्रकार के फल तथा 14 प्रकार के पकवान अर्पित किए। पूजा-अर्चना पुजारी उत्तम मुखर्जी, आलोक आचार्य, अरूप ओझा, तुलसी कालीचरण ओझा, दिलीप ओझा एवं अमित ओझा ने भक्तिपूर्ण वातावरण में क्रमवार संपन्न कराई। पूजा के दौरान व्रतियों ने सोलह श्रृंगार धारण किया तथा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दाहिने हाथ में दूब घास का रक्षा-सूत्र बंधवाया। महिलाओं ने एक-दूसरे की मांग में सिंदूर भरकर अखंड सौभाग्य की मंगलकामना की। इस अवसर पर नेताजी सुभाष समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेयजल एवं शरबत की व्यवस्था की गई। पूजा समिति के सदस्य, स्थानीय होमगार्ड एवं चौकीदार व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

पति की मौत का सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाई पत्नी, एक साथ उठी दोनों की अर्थी

बिहपुर। 'छोड़ेंगें ना तेरा साथ ओ साथी, मरते दम तक' यह गाना भले ही फिल्मी है, लेकिन इस कथन को बिहपुर प्रखंड के बिहपुर दक्षिण पंचायत के सोनवर्षा वार्ड नंबर सात निवासी एक दंपती ने सच कर दिया। शुक्रवार की शाम तबियत खराब होने पर सोनवर्षा निवासी 85 वर्षीय कृष्णकांत कुंवर उर्फ फेको हजारी को स्वजन इलाज के लिए खरीक सीएचसी ले गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए जेएलएनएमसीएच, मायागंज रेफर कर दिया। जहां करीब देर शाम करीब पौने आठ बजे उनकी मौत हो गई। इस मौत की खबर स्वजनों ने फोन पर घर में उनकी पत्नी 72 वर्षीय रूक्मिणी देवी को दिया। जीवनसाथी के ना रहने की खबर सुनने के कुछ देर बाद ही रूक्मिणी देवी ने अपने प्राण त्याग दिए।

फर्जी नंबर प्लेट लगे ट्रक से सीमेंट की बोरियों में छिपी 127 कार्टन शराब जब्त

बिहार में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद शराब तस्कर पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। मुजफ्फरपुर में उत्पाद विभाग की टीम ने बेनीबाद के शिवदाहा में बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी नंबर प्लेट लगे एक ट्रक से 127 कार्टन शराब जब्त की है। उत्पाद इंस्पेक्टर प्रकाश कुमार राम ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि दूसरे प्रदेश से शराब लाकर शिवदाहा में रखी गई है। संदिग्ध ट्रक की तलाशी लेने पर ऊपर सीमेंट की बोरियां लदी थीं, जिन्हें हटाने पर भारी मात्रा में सिक्किम निर्मित शराब बरामद हुई। मौके से सुनसान इलाके का फायदा उठाकर चालक और धंधेबाज फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है। ट्रक की तलाशी के दौरान बंगाल, यूपी, दिल्ली और अरुणाचल प्रदेश के चार अलग-अलग नंबर प्लेट मिले हैं, जिससे स्पष्ट है कि ट्रक पर लगा वैशाली का नंबर भी फर्जी है।

'ऑपरेशन रक्षा' एवं बाल श्रम अभियान के तहत विशेष चेकिंग

7 बाल श्रमिकों का रेस्क्यू कर कराई गई वैधानिक कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। मानव तस्करी की रोकथाम हेतु थाना नजीराबाद, बजरिया एवं सीसामऊ क्षेत्र में संयुक्त टीम द्वारा विशेष 'ऑपरेशन रक्षा' एवं बाल श्रम अभियान चलाया गया। बाल श्रमिकों का सकुशल रेस्क्यू कर उनके परिजनों को किया गया सुपुर्द। मानव तस्करी की रोकथाम, महिलाओं एवं बालिकाओं के संरक्षण, रेस्क्यू, विधिक कार्यवाही एवं पीड़ितों के पुनर्वास हेतु संचालित 15 दिवसीय 'ऑपरेशन रक्षा' एवं बाल श्रम अभियान के क्रम में दिनांक 17.07.2026 को पुलिस उपायुक्त अपराध श्रवण कुमार के आदेशानुसार तथा अपर पुलिस उपायुक्त महिला अपराध स्नेहा तिवारी के कुशल निर्देशन में थाना एएचटी, श्रम विभाग, चाइल्ड हेल्पलाइन द्वारा थाना नजीराबाद, सीसामऊ व बजरिया क्षेत्रान्तर्गत सम्बन्धित थाना पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान थाना क्षेत्र में संचालित होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट, स्पा, मसाज पार्लर, ब्यूटी पार्लर, वर्कशॉप एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सघन चेकिंग की गई । चेकिंग के दौरान नजीराबाद थाना क्षेत्र में 1 बाल श्रमिक व सीसामऊ, बजरिया थाना क्षेत्र में 6 बाल श्रमिक कार्य करते हुए पाये गये, जिसे संयुक्त टीम द्वारा सकुशल रेस्क्यू कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुए बालकों को उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। साथ ही संबंधित प्रतिष्ठान संचालक के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करते हुए कड़ी चेतावनी दी गई कि भविष्य में किसी भी स्थिति में 18 वर्ष से कम आयु के बालक/बालिका से कार्य न कराया जाए तथा उन्हें रोजगार पर न रखा जाए । अभियान के दौरान किसी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि प्रकाश में नहीं आई । सभी प्रतिष्ठान संचालकों को निर्देशित किया गया कि भविष्य में किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा अवैध गतिविधि पाए जाने पर उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के एक वर्ष पूर्ण होने पर सम्मान समारोह आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के सफलतापूर्वक एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हजारीबाग के एक स्थानीय रिसॉर्ट में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अभियान के जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने की। इस अवसर पर बरही विधानसभा क्षेत्र से कई जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में बरही विधायक मनोज कुमार यादव, सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, सह सांसद प्रतिनिधि रंजित चंद्रवंशी, रामस्वरूप पासवान, मणिलाल यादव, अंबिका सिंह, गणेश यादव, रमेश ठाकुर, गुरुदेव गुप्ता, बंटी मोदी, विजय यादव, नागेश्वर यादव, नंदकिशोर सोनी, बाबूलाल मेहता, आरती कौशल, रेवाशंकर साव, कुलदीप पांडेय, मोतीलाल चौधरी, भगवान केशरी, अजय मेहता, सुखदेव साव, सहदेव यादव, रिशु वर्णवाल, मुकेश सिन्हा, द्वारिका राणा, सीताराम साव, नारायण यादव, जन्मेजय कुमार सिंह, प्रकाश ओझा, दशरथ प्रसाद मेहता, सुनील कुमार साव, बंधन यादव, राजेंद्र सोनी, किशोर सोनी, दामोदर महतो, सुनील कुमार सिंह, आकाश जायसवाल सहित अनेक लोग शामिल रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि एवं सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के प्रणेता, हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने अभियान की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि जनसेवा और धार्मिक-सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया यह अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है। समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं हजारों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन सभी सम्मानित अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

स्कूल बना 'मयखाना'! हेडमास्टर के ऑफिस से शराब बरामद

रानीगंज (अररिया)। अररिया जिले का स्कूल इन दिनों चर्चा का केंद्र बिंदु बनता जा है। विद्यालय से शिक्षकों के एक से एक कारनामे सामने आ रहे हैं। तीन दिन पूर्व बृहस्पतिवार को जोगबनी नगर परिषद स्थित प्राथमिक विद्यालय खजूरबाड़ी की एक शिक्षिका ने अपने पैर कीचड़ से बचाने के लिए बच्चों से बेंचों का पुल बनवाकर उस पर चढ़कर स्कूल में एंट्री ली। यह मामला अभी शांत भी नहीं हुआ कि शुक्रवार को रानीगंज प्रखंड के मझुआ पश्चिम पंचायत के मध्य विद्यालय शिवनगर डहरिया में बिहार में शराबबंदी की खुलेआम धज्जियां उड़ती नजर आई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक के कार्यालय से शील्ड सिग्नेचर ग्रीन ब्रांड की शराब की बोतल और उसके साथ छह गिलास मिला। सूचना पर पहुंची रानीगंज पुलिस ने शराब जब्त कर प्रधानाध्यापक को हिरासत में लिया। बाद में उन्हें न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। ग्रामीण नीरज कुमार ने बताया कि विद्यालय के कुछ बच्चों ने उन्हें सूचना दी कि प्रधानाध्यापक संजय पोद्दार विद्यालय में शराब मंगवाए हैं। सूचना पर जब वे विद्यालय पहुंचे तो प्रधानाध्यापक के कार्यालय में टेबल पर शराब की बोतल रखी हुई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि शराब पीने की तैयारी की जा रही थी और टेबल पर शराब के साथ छह गिलास भी रखा हुआ था।

27 जुलाई से चलेगी सावन स्पेशल कांवरिया ट्रेन

शेफाली गुप्ता ने केंद्रीय रेल मंत्री का जताया आभार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- ओम आरोहणम् संस्था के विगत तीन वर्षों के सतत प्रयासों से सावन माह में बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले कांवरिया श्रद्धालुओं के अनुरोध पर रांची-भागलपुर-रांची (वाया हजारीबाग) विशेष कांवरिया सावन स्पेशल ट्रेन का संचालन जारी है।जनहितकारी पहल की स्वीकृति के लिए ओम आरोहणम् संस्था की संस्थापिका सह भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं रेल प्रबंधक का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त की। संस्था द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन से विशेष कांवरिया रेलगाड़ी के संचालन का अनुरोध किया गया था, जिस पर सकारात्मक पहल करते हुए ट्रेन संचालन की स्वीकृति प्रदान की गई। इससे झारखंड, बिहार एवं आसपास के राज्यों के हजारों श्रद्धालुओं को लाभ मिलेगा। इस वर्ष श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए ट्रेन के कोचों की संख्या 14 से बढ़ाकर 20 कर दी गई है, जिससे यात्रा और अधिक सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक होगी। सावन स्पेशल ट्रेन रांची, मुरी, बरकाकना, हजारीबाग, तिलैया, कोडरमा, गया होते हुए सुलतानगंज, भागलपुर सहित प्रमुख स्टेशनों से होकर संचालित होगी। प्रत्येक सोमवार को रांची से खुलकर मंगलवार को सुल्तानगंज सुबह-सुबह पहुंचेगी और शुक्रवार को इसी प्रकार यथावत रहेगी तथा भागलपुर से प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को इसका परिचालन किया जाएगा। इसकी शुरुआत 27 जुलाई से होगी। साथ ही ओम आरोहणम् संस्था ने इस रेल सेवा को सावन मास में स्थायी रूप से संचालित करने की मांग भी की है, जिस पर ओम आरोहणम संस्था को सकारात्मक आश्वासन प्राप्त हुआ है। ताकि प्रत्येक वर्ष सावन मास में पहल करने की जरूरत न हो। ओम आरोहणम संस्था की संस्थापिका सह भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने कहा कि सावन माह आस्था, श्रद्धा और भक्ति का पर्व है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु सुल्तानगंज से पवित्र गंगाजल लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। विशेष कांवरिया ट्रेन के संचालन एवं कोचों की संख्या में वृद्धि से श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुलभ यात्रा की बेहतर सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि ओम आरोहणम् संस्था सदैव जनहित एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर सक्रिय रही है और आगे भी समाजहित के कार्यों के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी।

6 दिन बाद थी शादी, युवक ने ट्रेन के सामने कूदकर दी जान

नाथनगर। भागलपुर में नाथनगर के पश्चिमी केबिन के पास शनिवार दोपहर करीब 12 बजे एक युवक ने विक्रमशिला एक्सप्रेस के सामने कूदकर जान दे दी। इस घटना में युवक के दोनों पैर कटकर शरीर से अलग हो गए। मृतक की पहचान खगड़िया जिले के परबत्ता थाना क्षेत्र के नया गांव निवासी 24 वर्षीय इलु कुमार के रूप में हुई है। वह पेशे से हलवाई था और नाथनगर में किराये के मकान में रहकर काम करता था। मृतक की मौसी ने बताया कि इलु की शादी 24 जुलाई को नवगछिया के खरीक प्रखंड में होनी थी। शुक्रवार रात ही परिवार के लोग लग्न की रस्म पूरी कर लौटे थे। ऐसे में घटना से परिवार सदमे में है। स्वजन यह नहीं समझ पा रहे कि उसने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक के कान में हेडफोन लगा था और वह प्लेटफार्म के पास टहलते हुए मोबाइल पर बात कर रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही विक्रमशिला एक्सप्रेस को देखकर वह अचानक रेलवे ट्रैक पर लेट गया। ट्रेन की चपेट में आने से उसका शरीर दो हिस्सों में बंट गया। रेल पुलिस ने तत्काल उसे जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (जेएलएनएमसीएच) में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अंतर-हाउस भाषण प्रतियोगिता आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- डीएवी पब्लिक स्कूल बरही के साहित्यिक क्लब द्वारा कक्षा 8वीं से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उदय विषय पर अंतर-हाउस भाषण प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अवसरों, चुनौतियों तथा भविष्य पर उसके प्रभाव के संबंध में अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का मंच प्रदान करना था। प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों हंसराज, दयानंद, विवेकानंद एवं एन. डी. ग्रोवर के प्रतिभागियों ने पूरे आत्मविश्वास, प्रभावशाली अभिव्यक्ति और विषय की गहन समझ का परिचय दिया। प्रतिभागियों के भाषणों में व्यापक अध्ययन, तार्किक सोच तथा उत्कृष्ट संप्रेषण कौशल की झलक देखने को मिली, जिससे प्रतियोगिता अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रही। प्रतियोगिता के समग्र परिणामों में अंशु प्रिया कक्षा 11वीं विज्ञान, हंसराज सदन ने 50 में से 47 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सृष्टि रानी कक्षा 9वीं, एन. डी. ग्रोवर सदन ने 50 में से 42 अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन विषय-वस्तु, प्रस्तुतीकरण, अभिव्यक्ति, स्वर, मंच संचालन तथा समय-प्रबंधन के आधार पर किया गया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के आत्मविश्वास, मौलिक विचारों एवं प्रभावशाली मंच-प्रस्तुति की सराहना की। विद्यालय के प्राचार्य पी. के. झा ने सभी प्रतिभागियों एवं विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता तथा संप्रेषण कौशल को सुदृढ़ बनाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक रहने तथा उनका जिम्मेदारीपूर्वक एवं नैतिक रूप से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन साहित्यिक क्लब के समन्वयक धर्मेंद्र कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने प्रतियोगिता की सफलता में योगदान देने वाले सभी प्रतिभागियों, निर्णायकों, हाउस मास्टर्स एवं शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

चार दिन में दूसरी बार पटना पहुंचे नितिन नवीन

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में बिहार भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन चार दिन के भीतर दूसरी बार दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को पटना पहुंचे। पटना पहुंचते ही उन्होंने भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा की जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ चुनावी रणनीति पर मंथन शुरू किया। बांकीपुर विधानसभा सीट नितिन नवीन की पारंपरिक और पारिवारिक सीट रही है। ऐसे में उपचुनाव को भाजपा प्रतिष्ठा की लड़ाई के रूप में देख रही है। पार्टी नेतृत्व इस सीट पर किसी तरह की चूक नहीं चाहता। यही वजह है कि नितिन नवीन लगातार क्षेत्र और संगठन पर नजर बनाए हुए हैं। इस बार जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर भी चुनावी मैदान में सक्रिय हैं। इसे देखते हुए भाजपा ने अपनी चुनावी तैयारियां और तेज कर दी हैं। सूत्रों के अनुसार, नितिन नवीन ने नेताओं और कार्यकर्ताओं को घर-घर संपर्क अभियान तेज करने और हर बूथ पर संगठन को मजबूत करने का निर्देश दिया है।

सोनम वांगचुक के समर्थन में अनशन

राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लोहरदगा, झारखंडः। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रख्यात शिक्षाविद्, पर्यावरणविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में चल रहे आंदोलन के समर्थन में शनिवार को लोहरदगा कल्चरल सोसाइटी के तत्वावधान में उपायुक्त कार्यालय परिसर के समक्ष एक दिवसीय सांकेतिक अनशन आयोजित किया गया। अनशन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि सोनम वांगचुक पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा व्यवस्था में सुधार, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर शांतिपूर्ण एवं अहिंसात्मक आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र वार्ता कर सकारात्मक समाधान निकाला जाए। कार्यक्रम के समापन के बाद लोहरदगा कल्चरल सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल ने भारत की महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन लोहरदगा के उपायुक्त को सौंपा। ज्ञापन में राष्ट्रपति से अनुरोध किया गया कि वे केंद्र सरकार को सोनम वांगचुक से शीघ्र वार्ता कर उनकी मांगों के समाधान हेतु आवश्यक पहल करने का निर्देश दें। इस अवसर पर आरिफ हुसैन बब्लू, इम्तियाज़ खान उर्फ बबलू, गोल्डन कुरैशी, तुफैल अंसारी, सरवर आलम, अतहर इमाम, सादिक अनवर, मोहम्मद मुमताज आलम, मोहम्मद बबन, सिराज अंसारी, सज्जाद आलम, रहमत अंसारी, शरीफ खान, साजिद शाह, साजिद खान, राजा मुस्तफा, मीनू खान, लुकमान अंसारी, सनाउल्लाह अंसारी, अयाज अहमद, लड्डुन तथा नूर मोहम्मद अंसारी सहित लोहरदगा कल्चरल सोसाइटी के सदस्य एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सिदो-कान्हू मोड़ से बाजार जाने वाली मुख्य सड़क जर्जर, आवागमन में बढ़ी परेशानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- पाकुड़िया के सिदो-कान्हू चौक स्थित पीडब्ल्यूडी मुख्य पथ से प्रखंड मुख्यालय, पाकुड़िया बाजार और हाट परिसर तक जाने वाली वर्षों पूर्व निर्मित पीसीसी सड़क जर्जर होने से लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, वर्षों पहले बनी यह सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। चाय दुकान, मोटर पार्ट्स की दुकान, ट्रैक्टर गैरेज और बक्सा कारखाने से लेकर हाट परिसर के नव निर्मित पीसीसी मार्ग तक सड़क में जगह-जगह दरारें पड़ गई हैं और बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। विशेषकर वर्षा के दिनों में जलभराव के कारण पैदल चलने वालों तथा छोटे-बड़े वाहनों के लिए आवागमन बेहद कठिन हो जाता है। प्रखंड मुख्यालय स्थित सीएसपी, ग्रामीण बैंक, हाट, बाजार, विद्यालय तथा अन्य सरकारी एवं निजी कार्यों के लिए प्रतिदिन दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग यहां आते हैं। इसके बावजूद सड़क का नए सिरे से निर्माण नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। शनिवार, 18 जुलाई को हुई हल्की बारिश के बाद सड़क पर जलभराव की स्थिति और गंभीर हो गई। साप्ताहिक हाट और बाजार आने वाली महिलाओं ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के कई गांवों में नई पक्की सड़कें बन चुकी हैं, लेकिन प्रखंड मुख्यालय की मुख्य सड़क आज भी बदहाल स्थिति में है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों से सड़क का नए सिरे से निर्माण कराए जाने की मांग की। उनका कहना था कि प्रखंड मुख्यालय होने के कारण यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग, विशेषकर महिलाएं, विभिन्न कार्यों से आती-जाती हैं और जर्जर सड़क के कारण उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ती है।

वहीं दूसरी ओर ग्रामीण बैंक के समीप पीसीसी सड़क पर नाली का दूषित पानी बहने से भी लोगों में नाराजगी देखी गई। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण के साथ-साथ जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने की भी मांग की।

गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ा

पटना समेत कई घाटों पर बढ़ाई गई निगरानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। जिले में लगातार हो रही वर्षा के कारण गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। 10 जुलाई से 18 जुलाई के बीच हुए विश्लेषण में जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। आने वाले दिनों में नदी का जलस्तर और बढ़ने की आशंका जताई गई है। इसे देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है। जिला प्रशासन ने सभी अंचलाधिकारियों और जल संसाधन विभाग के अभियंताओं को नदी के जलस्तर पर 24 घंटे नजर रखने का निर्देश दिया है। संवेदनशील घाटों और तटबंधों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति से समय रहते निपटा जा सके। पटना के दीघा घाट पर 10 जुलाई को गंगा का जलस्तर 44.12 मीटर था, जो 18 जुलाई की सुबह बढ़कर 46.17 मीटर पहुंच गया। यहां खतरे का निशान 50.45 मीटर है। फिलहाल नदी खतरे के निशान से 4.28 मीटर नीचे बह रही है। गांधी घाट पर भी जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 10 जुलाई को यहां जलस्तर 43.82 मीटर था, जो 18 जुलाई को बढ़कर 45.85 मीटर हो गया। खतरे का निशान 48.60 मीटर है और नदी अब इससे केवल 2.75 मीटर नीचे रह गई है। हाथीदह में 10 जुलाई को जलस्तर 35.51 मीटर था, जो 18 जुलाई तक बढ़कर 38.01 मीटर पहुंच गया। यानी आठ दिनों में यहां 2.50 मीटर की वृद्धि दर्ज की गई। यहां खतरे का निशान 41.76 मीटर है और नदी फिलहाल इससे 3.75 मीटर नीचे बह रही है। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और अफवाहों से बचने की अपील की है। जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है और स्थिति के अनुसार आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

औरंगाबाद में सड़क हादसा, 2 युवकों की मौत

औरंगाबाद। नगर थाना क्षेत्र के कामा बिगहा मोड़ के समीप शुक्रवार की रात हुए सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को बेहतर इलाज के लिए गया स्थित अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद सदर अस्पताल में स्वजनों व मित्रों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए करीब दो घंटे तक हंगामा किया। मृतकों की पहचान मूल रूप से सिमरा थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव निवासी तथा पिछले 20-25 वर्षों से शाहपुर में रह रहे रामजन्म यादव के पुत्र अभय कुमार तथा गया जिले के निवासी एवं वर्तमान में शाहपुर निवासी प्रेम सोनी के पुत्र लक्की कुमार के रूप में हुई है। घायल युवक की पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी थी। बताया जाता है कि तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार थे। कामा बिगहा मोड़ के पास सड़क पार करने के दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी और चालक वाहन लेकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने अभय कुमार और लकी कुमार को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को गया रेफर कर दिया गया।

ऑपरेशन के लिए जमीन गिरवी रखने पर बूढ़े माता-पिता को पीटा, घर से बाहर निकाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोकामा। बेटों ने मुंह फेरा तो पति ने जमीन गिरवी पर रख पत्नी का आपरेशन कराया।पिता की इस गुस्ताखी से नाराज कलयुगी बेटों ने वृद्ध माता-पिता को लाठी-डंडे से पीट-पीट का लहूलुहान कर दिया और घर से भी निकाल दिया।मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष ने वृद्ध दंपत्ति को घर पहुंचाया और एक बेटे को दबोच लिया।कलयुगी बेटे की यह शर्मनाक हरकत घोसवरी थाना क्षेत्र के ईशानगर गांव की है। जानकारी के अनुसार,नेपाली राम ने अपने दो पुत्रों से पत्नी सांझो देवी के पेट की बीमारी का आपरेशन कराने के लिए पैसे की मांग की।बेटों ने अपनी मां के पेट का आपरेशन के लिए रुपये देने से साफ मना कर दिया।काफी आरजू-मिन्नत के बावजूद जब बेटों से निराशा मिली तो नेपाली राम ने अपनी जमीन गिरवी पर रख बीवी का आपरेशन कराया।पिता के इस कदम से दोनों बेटे मनोज राम और अनिल राम ताव खा गए। परिणाम यह हुआ कि घर में प्रतिदिन पारिवारिक कलह होने लगी।दोनों बेटे पिता पर संपत्ति के बंटवारे का भारी दबाव बनाने लगे।बताया जाता है कि नेपाली राम (80 साल) जमीन बांटने से साफ मुकर गए।पिता के इंकार से तिलमिलाए दोनों बेटों ने लाठी-डंडे से वृद्ध माता सांझो देवी (76 साल) और नेपाली राम की बेरहमी से पिटाई कर दी। दोनों बेटों ने माता-पिता को इतना पीटा कि सांझो देवी और नेपाली राम के पूरे शरीर और चेहरे पर लाठियों के कई गहरे निशान उभर आये हैं।कलयुगी दोनों बेटों को इतने से भी संतोष नहीं हुआ तो जख्मी हालत में ही माता-पिता को घर से भी बाहर निकाल दिया।इसी दौरान किसी ग्रामीण ने घोसवरी थानाध्यक्ष सत्यम तिवारी को सूचना दे दी। जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे और जख्मी दंपत्ति को उपचार के लिए घोसवरी अस्पताल में भर्ती कराया।पुलिस ने मामला दर्ज कर एक आरोपित बेटे मनोज राम को गिरफ्तार कर लिया है।फरार दूसरे बेटे की खोज की जा रही है।इस घटना के बाद ग्रामीणों में बेटे की करतूत की निंदा हो रही है।

भागलपुर में मुर्गी फार्म की आड़ में नशे की तस्करी

कहलगांव। शिवनारायणपुर थाना पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कारीकादो गांव स्थित एक मुर्गी फार्म में छापेमारी कर ब्राउन शुगर बनाने और उसकी पैकेजिंग से जुड़े बड़े नेटवर्क का खुलासा किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कारीकादो गांव निवासी मोहम्मद मीर तैयब के पुत्र मो रब्बानी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसके साथ मौजूद तीन आरोपित फरार हो गए। नगर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा एसडीपीओ कहलगांव और शिवनारायणपुर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में गठित टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। तलाशी में 263 ग्राम तैयार ब्राउन शुगर, 12 किलो 100 ग्राम अर्धनिर्मित मादक पदार्थ, तीन डिजिटल इलेक्ट्रानिक वेट मशीन, तीन मोबाइल फोन, 100 प्लास्टिक पन्नियां तथा एक पन्नी सील करने वाली मशीन बरामद की गई।

संक्षिप्त खबरें

कैलाश हिल्स हत्याकांड में आरोपित को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

दिल्ली। अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र स्थित कैलाश हिल्स में आईआरएस अधिकारी की बेटी की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में आरोपित राहुल मीणा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल होने के बाद शनिवार को साकेत कोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपित को फिर से 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले में अगली सुनवाई अब एक अगस्त को होगी। आरोपित आईआरएस अधिकारी का पूर्व घरेलू सहायक था, जिसे फरवरी में ही गलत व्यवहार और वित्तीय हेराफेरी के कारण निकाल दिया गया था। बदला लेने के लिए उसने वारदात को अंजाम दिया। कोर्ट में प्रस्तुत 973 पन्नों की चार्जशीट में पुलिस ने 82 गवाहों के बयान दर्ज किए हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र जमुनाबाद में मूंगफली उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

गोला गोकर्णनाथ खीरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, जमुनाबाद में तिलहन फसलों के क्षेत्रफल एवं उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक दिवसीय मूंगफली उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केंद्राध्यक्ष डॉ. एस. के. विश्वकर्मा ने कहा कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर ही तिलहन उत्पादन को अधिक लाभदायक बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि किसी भी फसल की अधिक उपज के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीज का चयन अत्यंत महत्वपूर्ण है। केंद्र के फसल वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने किसानों को बताया कि तिलहनी फसलें अधिक पोषक तत्वों की आवश्यकता रखती हैं। इसलिए मृदा परीक्षण कराना आवश्यक है, जिससे यह पता चल सके कि मिट्टी में किन पोषक तत्वों की कमी है और कितनी मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि मूंगफली की अच्छी पैदावार के लिए कैल्शियम एवं सल्फर युक्त उर्वरकों का प्रयोग जरूरी है। इसके लिए बुआई से पूर्व अंतिम जुताई के समय प्रति एकड़ 2 क्विंटल जिप्सम खेत में मिलाना चाहिए।

चंडीगढ़ में अतिक्रमण से मिलेगी राहत, 498 रेहड़ी-फड़ी विक्रेताओं को मिला स्थायी ठिकाना

चंडीगढ़। शहर को अतिक्रमण से मुक्त दिलाने के मकसद से बड़ा कदम उठाया गया है। नगर निगम शनिवार को 498 पात्र स्ट्रीट वेंडर्स को 498 खाली वेंडिंग साइटें आवंटित कीं। यह ड्रॉ शहर के विभिन्न अधिसूचित वेंडिंग जोन के लिए नगर निगम के वेंडर सेल द्वारा आयोजित किया गया। ड्रॉ प्रक्रिया संयुक्त आयुक्त डॉ. हिमांशु गुप्ता, पार्षद एवं आब्जर्वर तरुण मेहता, टाउन वेंडिंग कमेटी (टीवीसी) की सदस्य चंचल रानी और सबरा तथा वेंडर सेल के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में संपन्न हुई। पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराई गई। नगर निगम के अनुसार, वेंडिंग साइटों का आवंटन स्ट्रीट वेंडर्स (प्रोटेक्शन आफ लाइवलीहुड एंड रेगुलेशन ऑफ स्ट्रीट वेंडिंग) एक्ट-2014, चंडीगढ़ स्ट्रीट वेंडर्स नियम एवं योजना तथा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप किया गया। नगर निगम ने बताया कि इस पहल से पात्र स्ट्रीट वेंडर्स को सुरक्षित और निर्धारित स्थानों पर कारोबार करने का अवसर मिलेगा, जिससे वे सम्मानपूर्वक अपनी आजीविका चला सकेंगे। साथ ही शहर में अनधिकृत वेंडिंग पर अंकुश लगाने, यातायात और सार्वजनिक स्थानों के बेहतर प्रबंधन तथा स्वच्छ और व्यवस्थित शहरी वातावरण बनाने में भी मदद मिलेगी।

जारी है सोनम वांगचुक का अनशन

डॉक्टरों की सलाह को किया दरकिनार, अस्पताल में भी जारी है सोनम वांगचुक का अनशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। सफदरजंग अस्पताल में भर्ती जलवायु कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद् सोनम वांगचुक की हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन 20 दिन के उपवास से उनकी सेहत पर गंभीर असर पड़ा है। अस्पताल में भर्ती होने के बाद भी उन्होंने अनशन जारी रखा है। उनकी पत्नी गीतांजलि जे. आंगमो ने मांग की है कि परिवार और पिछले 20 दिनों से उनकी निगरानी कर रहे डॉक्टरों की सहमति के बिना उन्हें मुंह से या नस (आइवी) के जरिये कोई दवा या तरल पदार्थ न दिया जाए। सफदरजंग अस्पताल के हेल्थ बुलेटिन के अनुसार दिल्ली पुलिस सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह अस्पताल लेकर पहुंची थी, उन्हें 7:40 बजे भर्ती किया गया। वह पूरी तरह होश में और सजग थे। पर, लंबे उपवास और डिहाइड्रेशन के कारण वह कमजोर हैं। जांच में शरीर में अम्लता बढ़ने के संकेत पाए गए, पोटेशियम का स्तर कम मिला और ब्लड शुगर 78 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर मिली। चिकित्सकों ने आइवी फ्लूड, रीहाइड्रेशन फ्लूड और दवा देने की सलाह दी, लेकिन उन्होंने लेने से इन्कार कर दिया। अस्पताल प्रबंधन ने जानकारी दी है कि विशेषज्ञ चिकित्सक उनकी लगातार निगरानी कर रहे हैं। उधर, वांगचुक के निजी डॉक्टर डॉ. नितिन दिघे ने दावा किया कि शुक्रवार को उनकी जांच में पोटेशियम 4.8 था। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें और उनके वकील को वांगचुक से मिलने नहीं दिया गया तथा परिवार के मांगने के बावजूद अस्पताल जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं करा रहा है।

लोनी में बाइक हॉर्न विवाद में हत्या

लोनी। बार्डर थाना क्षेत्र में बाइक का हार्न बजाने पर गोली मारकर युवक की हत्या के मामले में शनिवार को लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर और सपा कार्यकर्ताओं ने पीड़ित स्वजन से मिलकर ढांढस बंधाया। बता दें कि रतिराम कालोनी में 12 जुलाई की देर रात बाइक पर घर लौट रहे 25 वर्षीय विपिन की पड़ोस में रहने वाले बदमाश सोनू ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। विपिन की हत्या महज बाइक का हार्न बजाकर रास्ता मांगने पर हुई थी। घटना को अंजाम देने के बाद हत्यारोपित फरार हो गया था। मामले में पुलिस ने मुकदमे में नामजद उसके पिता व पत्नी को गिरफ्तार किया था। वहीं, हत्यारोपित की गिरफ्तारी न होने से स्वजन में रोष है। मृतक के भाई आजाद ने बताया कि शनिवार को समाज के लोग व सपा कार्यकर्ताओं ने घर पहुंचकर और स्वजन को ढांढस जताया। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने मृतक के स्वजन से मिलकर हत्यारोपित की जल्द गिरफ्तारी व सरकार द्वारा हर संभव सहायता दिलाए जाने का आश्वासन दिया। सपा कार्यकर्ता व पूर्व राज्यमंत्री रमेश प्रजापति ने स्वजन को बताया कि पीड़ित परिवार की हर संभव मदद कराई जाएगी। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि हत्यारोपित की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

पूर्व एसएचओ गुरिंद्रजीत सिंह नागरा गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

होशियारपुर/जालंधर। थाना टांडा (होशियारपुर) में तैनात रहे तत्कालीन एसएचओ गुरिंद्रजीत सिंह नागरा को कथित भ्रष्टाचार एवं रिश्वत मांगने के मामले में पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई उस मामले में की गई है, जिसमें अमेरिका में रह रहे एक परिवार की शिकायत के आधार पर जांच शुरू हुई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मामला बलविंदर सिंह निवासी मियानी के हत्या प्रकरण से जुड़ा बताया जा रहा है। आरोप है कि जांच के दौरान तत्कालीन एसएचओ ने अमेरिका में रह रहे संबंधित परिवार से चार लाख अमेरिकी डॉलर की कथित रिश्वत की मांग की। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि मांग पूरी न होने पर परिवार के सदस्यों को हत्या के मामले में फंसाने की धमकियां दी गईं। बताया जाता है कि पीड़ित परिवार ने इस संबंध में अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई (Federal Bureau of Investigation) से शिकायत की। शिकायत के बाद एजेंसी ने मामले की जांच शुरू की। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जांच के दौरान कथित तौर पर ऐसे साक्ष्य सामने आए, जिनमें संबंधित अधिकारी द्वारा परिवार से संपर्क कर धन की मांग और धमकियां दिए जाने के आरोप शामिल थे। मामले के सामने आने के बाद पंजाब पुलिस ने तत्कालीन एसएचओ गुरिंद्रजीत सिंह नागरा को पहले निलंबित कर लाइन हाजिर किया था।

इसके बाद विस्तृत जांच के उपरांत जालंधर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान कुछ गैंगस्टरों से कथित संबंधों की भी जांच की गई थी। हालांकि, इस संबंध में अंतिम निष्कर्ष न्यायिक प्रक्रिया और जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी की कोठी में फंदे पर लगी मिली युवती

चंडीगढ़। शहर के पॉश सेक्टर-10 में रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी की कोठी में घरेलू नौकरानी फंदे पर लगी मिली। परिवार वालों ने आरोप लगाया है कि आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या की गई है। 19 वर्षीय रोशनी मूलरूप से उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले की रहने वाली थी। एक सप्ताह पहले ही इस कोठी में घरेलू काम पर आई थी। पुलिस के अनुसार, रोशनी को कोठी की पहली मंजिल पर रहने के लिए कमरा दिया गया था। घर के सदस्यों ने सुबह करीब आठ बजे रोशनी को आवाज लगाई, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। कई बार फोन करने पर भी उसने मोबाइल नहीं उठाया। इसके बाद, दरवाजा तोड़कर देखा गया तो वह चुन्नी के सहारे पंखे से लटकी मिली। उसका मोबाइल फोन कमरे में ही पड़ा हुआ था। पुलिस ने तुरंत घटना की सूचना मिलने पर सेक्टर-16 स्थित सरकारी मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल (जीएमएसएच) पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए, अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की, लेकिन कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। इस कारण आत्महत्या के कारणों का पता लगाना मुश्किल हो रहा है।

बड़ागांव का मुख्य मार्ग बना दल-दल

बच्चों और बुजुर्ग व राहगीरों जल भराव व कीचड़ में निकलने को मजबूर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- विकासखंड नकहा ब्लॉक सदर तहसील की ग्राम पंचायत बड़ागांव में सरकारी दावे पूरी तरह फेल होते नजर आ रहे हैं बड़ागांव के मुख्य मार्ग की स्थित बेहद खराब हो चुकी है जहां जगह जल भराव और कीचड़ ने ग्रामीणों का जीना दुभर कर दिया है ग्रामीणों का आरोप, है कि बड़ागांव बार शिकायत करने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी और गांव का प्रधान पूरी तरह अनजान बने हुए हैं हालात यह है कि बड़ागांव के लोग रोजाना कीचड़ और गंदे पानी से होकर गुजरने को मज बूर है मुख्य मार्ग पर फैले कीचड़ के कारण राहगीरों और ग्रामीणों को भीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है बच्चों को भारी दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा है। रात में कई बार लोग फिसल कर गिर भी चुके हैं ग्रामीणों का कहना है कि जल भराव और गंदगी के कारण के कारण बड़ागांव में संक्रामक बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है जिससे डेंगू मलेरिया जैसी बीमारियों का डर बना हुआ है स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने की मांग की है ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो वो आंदोलन करने को लेकर मजबूर होंगे क्योंकि कई बार बड़ा गांव के ग्राम प्रधान से शिकायत की गई उसके बावजूद प्रधान ने ध्यान नहीं दिया नजरअंदाज कर दिया!

थारीके-दाद में ग्लाडा का बुलडोजर, 6 अवैध इमारतें सील कर ढहाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- पंजाब के आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां और ग्रेटर लुधियाना क्षेत्र विकास प्राधिकरण (ग्लाडा) के मुख्य प्रशासक विकास हीरा के निर्देश पर ग्लाडा ने अवैध कॉलोनियों और निर्माण कार्यों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में गांव थारीके और दाद में छह अवैध इमारतों को सील कर ध्वस्त कर दिया गया। ग्लाडा के अतिरिक्त मुख्य प्रशासक द्वारा जारी आदेशों के अनुपालन में 16 जुलाई को ड्यूटी मजिस्ट्रेट, पुलिस बल और नियामक शाखा की प्रवर्तन टीम ने संयुक्त अभियान चलाया। संबंधित डेवलपर्स को पहले ही नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन निर्माण कार्य बंद नहीं किए जाने पर पंजाब क्षेत्रीय एवं शहरी योजना तथा विकास अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई करते हुए इमारतों को सील कर गिरा दिया गया। यह अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। अधिकारियों ने बताया कि आने वाले सप्ताहों में भी अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि बिना अनुमति किए जा रहे निर्माण कार्यों को शुरुआती चरण में ही रोका जा सके। ग्लाडा के मुख्य प्रशासक ने लोगों से अपील की कि किसी भी कॉलोनी में भूखंड या भवन खरीदने से पहले उसकी वैधता की पूरी जांच-पड़ताल अवश्य करें। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों में रहने वालों को पेयजल, सीवर, सड़क, बिजली सहित अन्य बुनियादी नागरिक सुविधाओं के अभाव का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने निवेश से पहले ग्लाडा की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध स्वीकृत एवं नियमित कॉलोनियों की सूची में संबंधित परियोजना की स्थिति की पुष्टि करने की सलाह दी। ग्लाडा के अतिरिक्त मुख्य प्रशासक ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति विकास कार्यों में शामिल सभी लोगों और डेवलपर्स के खिलाफ आगे भी सख्त कानूनी कार्रवाई, सीलिंग और ध्वस्तीकरण अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का उद्देश्य सुनियोजित शहरी विकास सुनिश्चित करना और लोगों की मेहनत की कमाई को अवैध परियोजनाओं में फंसने से बचाना है।

म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन पटियाला ने एनिमल बर्थ कंट्रोल प्रोग्राम को किया मज़बूत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटियाला। शहर में पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने के लिए नगर निगम पटियाला की अतिरिक्त आयुक्त सिमरप्रीत कौर ने मोदी कॉलेज के पास स्थित सरकारी पॉली क्लीनिक में संचालित एबीसी केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य शाखा, एबीसी केंद्र के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ केंद्र की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त आयुक्त ने कुत्ता शेडों के रखरखाव, साफ-सफाई, आधारभूत सुविधाओं और समग्र प्रबंधन का जायजा लिया। उन्होंने एबीसी कार्यक्रम के तहत रखे जा रहे अभिलेखों, रजिस्टरों और अन्य दस्तावेजों का भी निरीक्षण कर निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए। सिमरप्रीत कौर ने बताया कि नगर निगम ने कुत्ता काटने की शिकायतों के लिए पहले ही आपातकालीन हेल्पलाइन (+91 62846 68219) शुरू कर दी है। इसके माध्यम से नागरिक कुत्ते के काटने और अन्य संबंधित शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि महापौर कुंदन गोगिया और निगम आयुक्त पूजा सियाल ग्रेवाल के निर्देश पर वार्डवार और चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की शत-प्रतिशत नसबंदी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नविंदर सिंह, सहायक शल्य चिकित्सक डॉ. अंकित नारंग तथा स्वास्थ्य शाखा के अधिकारियों को विशेष कार्ययोजना तैयार कर उसे लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त आयुक्त ने बताया कि वर्तमान एबीसी केंद्र में 15 शेड हैं, जहां परियोजना प्रमुख, सहायक शल्य चिकित्सक, पशु चिकित्सा सहायक, कुत्ता पकड़ने वाली विशेष टीम तथा एक सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि 25 शेड क्षमता वाला नया एबीसी केंद्र लगभग तैयार है और जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा। इसके चालू होने से आवारा कुत्तों की नसबंदी और ऑपरेशन के बाद उनकी देखभाल की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि मैदानी कार्रवाई को और प्रभावी बनाने के लिए एक अतिरिक्त कुत्ता पकड़ने वाली गाड़ी और विशेष टीम तैनात की जाएगी। साथ ही कार्यक्रम की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की भी नियुक्ति की जाएगी। सिमरप्रीत कौर ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों तथा पशु जन्म नियंत्रण नियमों के अनुरूप घलोरी के पास 1.61 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित डॉग शेल्टर के निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होगा और इसे अक्टूबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह शेल्टर आवारा कुत्तों के मानवीय संरक्षण, देखभाल और पुनर्वास की आधुनिक सुविधा उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम पटियाला जनसुरक्षा और पशु कल्याण के बीच संतुलन बनाए रखते हुए उच्चतम न्यायालय के निर्देशों तथा पशु जन्म नियंत्रण नियमों के अनुसार आवारा पशुओं के मानवीय एवं वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मोदी की फेरी पंजाब के विकास को पहुँचाएगी नए शिखरों पर- संदीप मित्तल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना। संदीप मित्तल भाजपा नेता द्वारा कहा गया कि है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 17 जुलाई को चंडीगढ़ तथा जालंधर छावनी में स्वयं पहुँच कर पंजाब के विकास कार्यों को हरी झंडी देना पंजाब के विकास के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाने वाला अध्याय है। जालंधर छावनी में 75 अमृत स्टेशनों का उद्घाटन करके उन्हे विश्व स्तरीय दर्जा देना विकसित भारत के सकल्प की और बढ़ा हुआ कदम माना जाएगा। कहा में रखरख का कोर्स शुरू कराने तथा बहुत से राज्य मार्गो के उद्घाटन पंजाब तथा केंद्र शासित चंडीगढ़ के विकास के नए आयाम मिले है। मित्तल ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा ही पंजाब के लिए बहुत कुछ सोचा तथा बहुत कुछ किया भी है। गुरुओं के प्रति सम्मान तथा सिखखो के मसले हल कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदैव तत्पर रहते है। मित्तल ने कहा केंद्र की भाजपा सरकार पंजाब के विकास के लिए बहुत कुछ कर रही है तथा उसे नए शिखरों पर ले जाने के लिए तत्पर है। पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार अपनी तरफ से कोई भी उन्नती का काम नहीं कर रही बलकि केंद्रीय स्कीमों को तोड़ -मरोड़ कर खराब कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब के पुनरुस्थान के लिए पंजाब में 2027 में भाजपा की सरकार लाने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पंजाब को दी गई देन का पंजाब ऋण उतार सकेगा। अगर पंजाब के लोग पंजाब की सभी समस्याओं का हल चाहते है तो 2027 में भाजपा की सरकार ला कर ही पंजाब का भला हो सकेगा।

नए पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार से दिल्ली के व्यापारियों को बड़ी आस

नई दिल्ली। दिल्ली के नए पुलिस आयुक्त से समस्त दिल्ली वासियों के साथ ही दिल्ली के कारोबारी हब को भी बड़ी उम्मीदें हैं। खासकर पूर्व में दिल्ली में उनकी तैनाती के दौरान सख्त व ईमानदार छवि को याद करते हुए व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि बाजारों में कानून व्यवस्था, अतिक्रमण, अवैध पार्किंग व बिल्डर माफिया पर बड़ी चोट की उम्मीद कर रहे हैं। शुक्रवार को गृह मंत्रालय के जारी ऐतिहासिक आर्डर में सतीश गोलछा को हटाकर अनुराग कुमार को दिल्ली का नया पुलिस आयुक्त बनाया गया। तत्काल ही अनुराग कुमार ने पदभार ग्रहण कर दिल्ली पुलिस को दुरुस्त करना शुरू कर दिया है। वहीं, व्यापारी संगठनों ने अनुराग कुमार के दिल्ली में पूर्व के कार्यकाल को याद करते हुए "कारोबारी हब" में बड़े सुधार की उम्मीद जताई है।

अमृतसर में सीमा पार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

विदेशी तस्करों से जुड़े थे आरोपी, अपराधियों तक पहुंचनी थी खेप; जांच जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़/अमृतसर। पंजाब में नशा और अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार संचालित एक तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 5.557 किलोग्राम हेरोइन, दो आधुनिक पिस्तौल और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आकाश संधू (30) निवासी रामबाग, सुनील सरोज (40) निवासी खाई मोहल्ला, हरविंदर सिंह उर्फ चमकौर (32) और वंश सिंह (40) निवासी गांव छिदन, अमृतसर के रूप में हुई है। इनमें आकाश संधू, सुनील सरोज और हरविंदर सिंह के खिलाफ पहले से ही मादक पदार्थ और शस्त्र अधिनियम के तहत कई मामले दर्ज हैं। बरामद हथियारों में एक 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल और एक .30 बोर पिस्तौल शामिल है। पुलिस ने आरोपियों की मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी विदेशी तस्करों के संपर्क में थे और नशीले पदार्थों व हथियारों की खेप अपराधियों तक पहुंचाने का काम करते थे। मामले में इनके अन्य साथियों और नेटवर्क की कड़ियों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

पुलिस आयुक्त (सीपी) गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि विश्वसनीय खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस ने सबसे पहले आकाश संधू को 192 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर 776 ग्राम हेरोइन और बरामद की गई। पूछताछ में आकाश ने बताया कि उसे यह खेप सुनील सरोज से मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने सुनील को 4.589 किलोग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान पुलिस ने हरविंदर सिंह उर्फ चमकौर और वंश सिंह को भी गिरफ्तार किया, जिनके कब्जे से दो आधुनिक पिस्तौल बरामद हुई। पुलिस के अनुसार हरविंदर सिंह पहले से ही छेहरटा थाने में दर्ज वाणिज्यिक मात्रा में हेरोइन बरामदगी के एक मामले में वांछित था। जांच में यह भी सामने आया कि हरविंदर और वंश सिंह अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट स्थित एक ही गांव के निवासी हैं और सीमा पार से नशीले पदार्थों व हथियारों की तस्करी में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। इस मामले में इस्लामाबाद और छेहरटा थानों में मादक पदार्थ एवं शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

ब्लाक रमियांबेहड़ में खाद कारोबारियों की मनमानी जारी, यूरिया संग किसानों को थमा रहे ,पैकेट

जनपद में यूरिया खाद की आपूर्ति नियमित हो रही है। लेकिन विभागीय अफसर खाद कारोबारियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लगा पा रहे। निर्धारित से अधिक मूल्य पर किसानों को यूरिया बेचा जा रहा है। कारोबारी यूरिया के साथ अनुपयोगी सामग्री (लगेज) भी किसानों को जबरन थमा रहे हैं। आपत्ति करने पर यूरिया नहीं दिया जाता। ये स्थिति तब है, जब प्रतिदिन दर्जनों दुकानों का निरीक्षण कृषि विभाग के अधिकारी कर रहे हैं। किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। विभागीय अफसर खाद कारोबारियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लगा पा रहे। किसानों को सस्ते दरों पर खाद उपलब्ध हो सके, इसके लिए सरकार ने खाद पर मोटा अनुदान दिया है। इसके बाद भी किसानों को सरकारी मूल्य पर खाद उपलब्ध नहीं हो पा रहा। धान,, मक्का , गन्ना की फसल कर रहे किसानों को इन दिनों यूरिया की जरूरत है। सरकारी मूल्य 266.50 रुपये प्रति बैग निर्धारित है। जबकि, फुटकर दुकानों पर यह बैग किसानों को 300 रुपये से 500 रुपए तक दिया जा रहा है। इसके अलावा जिंक, पोटास आदि अनुपयोगी सामग्री भी किसानों को जबरन बेची जा रही है। किसानों का कहना है कि ये सामग्री न खरीदें तो यूरिया नहीं मिलता। वहीं, फुटकर खाद विक्रेताओं का कहना है कि थोक विक्रेता उन्हें लगेज बेचते हैं। लगेज न लिया जाए तो खाद नहीं देते।

श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा में ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक कार्यशाला शुरू

17 से 31 जुलाई तक संगीत, नृत्य, नाटक और चित्रकला का मिलेगा प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। दूरदराज़ क्षेत्रों के बच्चों और युवाओं में छिपी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने तथा उन्हें कला एवं संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा स्थित सीवीपी हायर सेकेंडरी स्कूल में 17 से 31 जुलाई तक आयोजित पंद्रह दिवसीय ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक कार्यशाला का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। असम सरकार के सांस्कृतिक परिक्रमा विभाग की पहल, श्रीभूमि जिला प्रशासन के सहयोग और विजय उड़ान संस्था के संचालन में आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन विद्यालय परिसर में दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य देवाशीष सिन्हा, सेवानिवृत्त प्राचार्य ब्रजगोपाल सिन्हा, दुल्लभछड़ा सहकारी समिति के सचिव एवं समाजसेवी दीपन सिन्हा, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मृणाल सिन्हा, विजय उड़ान संस्था के सचिव मनोज नाथ तथा शिक्षक प्रदीप दास सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अतिथियों का पारंपरिक सम्मान भी किया गया। कार्यशाला में संगीत, नृत्य, नाटक और चित्रकला सहित विभिन्न विधाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संगीत का प्रशिक्षण आशुतोष सिन्हा, नृत्य का प्रशिक्षण वीरेश्वर सिन्हा तथा चित्रकला का प्रशिक्षण रुहित दत्त दे रहे हैं। प्राचार्य देवाशीष सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2023 से ग्रीष्मकालीन अवकाश को विद्यार्थियों के रचनात्मक विकास से जोड़ने के उद्देश्य से इस पहल की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि पाठ्य शिक्षा के साथ कला और संस्कृति का अभ्यास भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वक्ताओं ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को कला, संस्कृति और खेलों से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और यह कार्यशाला उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की शिक्षा और संस्कृति से जुड़ी विभिन्न पहलों की भी सराहना की गई। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता मनोरंजन सिन्हा (रानू) ने विजय उड़ान संस्था के सचिव मनोज नाथ से दुल्लभछड़ा के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर डस्टबिन लगाने का अनुरोध किया, जिस पर उन्होंने सकारात्मक आश्वासन दिया। '31 जुलाई तक चलने वाली इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को संगीत, नृत्य, नाटक और चित्रकला का नियमित प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उनकी अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। आयोजकों ने विश्वास जताया कि कार्यशाला की यह पहल बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जिलाधिकारी ने राजस्व कार्यों एवं आईजीआरएस की समीक्षा की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा अपर जिलाधिकारियों, उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों के साथ बैठक कर तहसीलवार राजस्व कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है । उनके द्वारा बैठक में लंबित कोर्ट केस, अंश निर्धारण सहित अन्य कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने पांच साल से अधिक पुराने वादो एवं पांच साल से अधिक अन्य राजस्व से सम्बंधित प्रकरणों को जुलाई माह में अनिवार्य रूप से निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए है। जुलाई माह के पश्चात किसी भी कोर्ट में 5 वर्ष से अधिक समय से लंबित कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिए तथा साथ ही साथ तीन वर्ष से अधिक लम्बित वादों एवं राजस्व से सम्बंधित अन्य प्रकरणों को भी शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए है । उन्होंने म्यूटेशन से सम्बंधित समयसीमा के उपरांत लम्बित सभी मामलों को जल्द से जल्द निस्तारित करने के सख्त निर्देश दिए है। यदि किसी भी तहसील में 1 सप्ताह के बाद म्यूटेशन सम्बंधित प्रकरण निर्धारित समय के उपरांत लम्बित पाया जायेगा, तो सम्बंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को नियमित रूप से न्यायालय में वादों की सुनवाई करने एवं वादों का शीघ्रता का निस्तारण करने हेतु कहा है। अभिलेख त्रुटि सुधार से सम्बंधित 1 वर्ष से लम्बित प्रकरणों को निस्तारित करते हुए शून्य किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने धारा-34, धारा-80, धारा-116 से सम्बंधित प्रकरणों को जिनमें सम्बंधित तहसीलों की रैंकिग प्रदेश स्तर पर अच्छी नहीं है, उनमें अभियान चलाकर प्रकरणों का निस्तारण कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने धारा 116 से संबंधित पांच वर्ष से अधिक समय से लंबित सभी मामलों को इसी माह निस्तारित करने के निर्देश दिए हैं । उन्होंने धारा 24 के 3 वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों को इसी माह समाप्त करने का निर्देश दिए हैं7 जिलाधिकारी ने तहसील में राजस्व से सम्बंधित ऐसे सभी प्रकरणों जिनमें खराब प्रगति है कड़ी नाराजगी व्यक्त की और कार्यप्रणाली में सुधार लाये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि समयसीमा के उपरांत कोई भी प्रकरण लम्बित न रहे। जिलाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों में तेजी लाए जाने तथा अंश निर्धारण से सम्बंधित कार्यों को 30 जुलाई तक समाप्त किए जान कृषक दुर्घटना से संबंधित समय सीमा के पश्चात लंबित मामलों को निस्तारित करने के निर्देश दिए हैं। सभी उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों को तहसीलों का काम समयबद्ध और बेहतर तरीके से कार्य करने तथा नियमित रूप से कोर्ट में बैठने तथा मुकदमों की नियमित रूप से सुनवाई करते हुए निस्तारण किए जाने। राजस्व मुकदमों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से किया जाये, जमीनी विवादों का निस्तारण मौके पर जाकर किया जायें। भूमि सम्बन्धित विवादों को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष तरीके से गुणवत्ता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाय।

वांगचुक को उठाए जाने के खिलाफ़ दिशा छात्र संगठन ने प्रदर्शन किया राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। परीक्षाओं में धाँधली और पेपर लीक के खिलाफ़ दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर पिछले 20 दिनों से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस द्वारा अवैध तरीके से उठाए जाने और अन्य प्रदर्शनकारियों के साथ मारपीट के खिलाफ़ दिशा छात्र संगठन की ओर से इलाहाबाद में जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया और राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा गया।

प्रदर्शन में बात रखते हुए दिशा छात्र संगठन के संजय ने कहा कि दिल्ली पुलिस लगातार नागरिकों के जनवादी अधिकारों पर हमले कर रही है। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रतिरोध हमारा जनवादी अधिकार हैं लेकिन मौजूद सरकार इसको भी बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं है। सोनम वांगचुक को अगवा करने के बाद दिल्ली पुलिस लगातार दिल्ली हाईकोर्ट का हवाला दे रही है। लेकिन सच्चाई यह है की दिल्ली हाईकोर्ट ने सोनम वांगचुक की जान बचाने का निर्देश दिया था न कि अगवा करने का। अगर दिल्ली पुलिस और केंद्र तथा दिल्ली की सरकार सोनम की ज़िंदगी को लेकर इतना ही चिंतित थी तो उसे सोनम से वार्ता करने आना चाहिए। लेकिन वार्ता करने की जगह पर अलोकतांत्रिक तरीके से कार्यकर्ताओं को अलावा करना निंदनीय हैं। हम इसकी भर्त्सना करते हैं और सभी इंसाफपसंद लोगों से अपील करते हैं कि देश में लोकतान्त्रिक मूल्यों की बहाली के लिए आगे आयें। प्रदर्शन में जय, हर्ष, अमन, धोनी, सुहानी, पूजा, आरती, विंदरेश, प्रेमचंद, अधिवक्ता अनीस सहित दर्जनों छात्र मौजूद रहे।

रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार हुआ सोरांव थाने का उपनिरीक्षक

एंटी करप्शन टीम ने 25 हजार रुपये के साथ दबोचा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) प्रयागराज इकाई ने सोरांव में तैनात एक उपनिरीक्षक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर एक मुकदमे में धाराएं कम करने के नाम पर 75 हजार रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप है। एंटी करप्शन टीम ने उसे 25 हजार रुपये की पहली किश्त लेते समय दबोच लिया। जानकारी के अनुसार, उदयराज पटेल, निवासी गहपुर, थाना सोरांव ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन से शिकायत की थी कि थाना सोरांव में तैनात उपनिरीक्षक संजय जायसवाल एक मुकदमे में राहत दिलाने और गंभीर धाराएं कम करने के बदले 75 हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद एंटी करप्शन टीम ने पूरे मामले का सत्यापन कराया, जिसमें शिकायत प्रथम दृष्टया सही पाई गई। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से शनिवार, 18 जुलाई 2026 को दोपहर लगभग 1:50 बजे थाना सोरांव के बाहर स्थित 'अमन गुप्ता चाय पान स्टाल' के पास ट्रैप बिछाया गया। जैसे ही आरोपी उपनिरीक्षक संजय जायसवाल, पुत्र महेंद्र प्रताप जायसवाल, निवासी नरहपुर, थाना लम्भुआ, जनपद सुल्तानपुर ने शिकायतकर्ता से 25 हजार रुपये की पहली किश्त ली, पहले से मौजूद एंटी करप्शन टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद टीम ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। एंटी करप्शन अधिकारियों के अनुसार, आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई के तहत थाना शिवकुटी में मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। इसके बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

नाबालिग को धमकाकर कराई चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार, 20,300 रुपये व मोबाइल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। थाना फूलपुर पुलिस ने चोरी के एक सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के जेवर बेचकर प्राप्त 20,300 रुपये नकद तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, थाना फूलपुर में मु0अ0सं0-213/26 के तहत धारा 308 (5)/318(4) भारतीय न्याय संहिता (BNS) में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की विवेचना के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपियों ने वादी के नाबालिग पुत्र को जान से मारने की धमकी देकर घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात मंगवा लिए थे। बाद में उन जेवरों को

बेचकर प्राप्त धनराशि आपस में बांट ली गई। पुलिस टीम ने शनिवार, 18 जुलाई 2026 को मुखबिर की सूचना पर पराशिनपुर नहर पुलिया चौराहा से मनिकापुर जाने वाली सड़क के पास घेराबंदी कर दोनों वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों की निशानदेही पर चोरी के गहने बेचकर प्राप्त 20,300 रुपये नकद तथा घटना में प्रयुक्त एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान आजाद धईकार (19 वर्ष) पुत्र जियाल निवासी लोचनगंज, थाना फूलपुर तथा विजय कुमार सोनी (39 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय त्रिभुवन नाथ सोनी निवासी बौड़ई कटौता, थाना फूलपुर के रूप में हुई है। मामले में एक बाल अपचारी को भी पुलिस अभिरक्षा में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई है। बरामदगी और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मुकदमे में धारा 61(2) एवं 317(2) भारतीय न्याय संहिता (BNS) की बढ़ोतरी करते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिलाधिकारी ने विगत तहसील दिवस के 51 निस्तारित प्रकरणों का 17 जिला स्तरीय अधिकारियों से कराया परीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। तहसील कोरांव, प्रयागराज में सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी, प्रयागराज द्वारा विगत तहसील दिवस के निस्तारित प्रकरणों में से रैण्डम आधार पर 51 निस्तारित प्रकरणों का परीक्षण 17 जिला स्तरीय अधिकारियों से कराया गया, जिसमें 23 ऐसे प्रकरण पाये गये जो जिला स्तरीय अधिकारियों के परीक्षण में शिकायतकर्ताओं से असंतोषजनक फीडबैक प्राप्त हुआ। जिलाधिकारी के निर्देश के कम में सतही आख्या प्रस्तुत करने वाले कार्मिकों को प्रतिकूल प्रविष्टि एवं संतोषजनक आख्या न प्रस्तुत करने वाले कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस व चेतावनी निर्गत किये जाने के निर्देश दिये गये है। शुभम मिश्रा, लेखपाल कोरांव-कारण बताओं नोटिस, बृजभान, राजस्व लेखपाल कोरांव-प्रतिकूल प्रविष्टि, प्रभाकांत, राजस्व निरीक्षक, -कारण बताओं नोटिस, श्री अजय कर्दम, अवर अभियन्ता, विद्युत विभाग-कारण बताओं नोटिस, श्री अवधेश कुमार अवर अभियन्ता, देवघाट-प्रतिकूल प्रविष्टि, श्री आशुतोष विजेता, जे0ई0 बेलन नहर विभाग-चेतावनी, श्री मथुरा यादव, उ0क्षे0 वन अधिकारी-प्रतिकूल प्रविष्टि, श्री अतुल कुमार तिवारी, लेखपाल कोरांव-कारण बताओं नोटिस, बालगोविन्द मिश्रा, जु0ई0 बेलन नहर प्रखण्ड-कारण बताओं नोटिस, श्री मानवेन्द्र सिंह, वन दरोगा, कोरांव रेंज-प्रतिकूल प्रविष्टि रामसकल, ग्रा0वि0अधि0 वि0ख0 माण्डा-कारण बताओं नोटिस, अंकुश कुमार, उप निरीक्षक, थाना कोरांव-कारण बताओं नोटिस, नवनीत उपाध्याय, लेखपाल, कोरांव-कारण बताओं नोटिस, दीपक राजपूत, उ0नि0 थाना कोरांव-कारण बताओं नोटिस, निष्कर्ष देव वर्धन पटेल, लेखपाल, कोरांव-कारण बताओं नोटिस रवि शंकर सरोज, लेखपाल, कोरांव-कारण बताओं नोटिस एवं अजय शंकर, पेशकार-कारण बताओं नोटिस निर्गत की गयी है।

समाधानदिवश पर सदर तहसील में आए 160 शिकायतें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। तहसीलदार सदर ने बताया है कि दिनांक 18.07.2026 को तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 160 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें राजस्व की 80, पुलिस विभाग की 20, नगर निगम की 37 तथा अन्य विभागों की 23 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 05 शिकायतों का मौके पर निस्तारण सुनिश्चित किया गया।

तहसील सोरांव में 527 शिकायतें।

तहसीलदार सोरांव ने बताया है कि दिनांक 18.07.2026 को तहसील सोरांव में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 527 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें राजस्व की 405, पुलिस विभाग की 60, विकास विभाग की 18 तथा अन्य विभागों की 44 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 06 शिकायतों का मौके पर निस्तारण सुनिश्चित किया गया।

तहसील हंडिया में निस्तारण में मनमानी।

तहसीलदार हंडिया ने लेखपाल प्रेमनाथ मिश्रा क्षेत्र जरांव एवं लेखपाल अर्क कुमार यादव क्षेत्र कहरा के द्वारा आईजीआरएस के प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर प्रतिकूल प्रविष्टि प्रदान दी है।

तहसील बारा। कुल287 फरियादी आए।

तहसीलदार बारा ने बताया है कि दिनांक 18.07.2026 को तहसील बारा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 287 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें राजस्व की 148, पुलिस विभाग की 75, विकास विभाग की 19, विद्युत विभाग की-18, खाद्य्य एवं रसद विभाग की-03, लोक निर्माण विभाग की-02, शिक्षा-2, कृषि विभाग की-03, वन विभाग की-04, सिंचाई विभाग की-05, जल निगम की-03, बाल विकास की-01, जिला पंचायत की-01, मत्स्य विभाग की-01 एवं नगर पंचायत की-02 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 05 शिकायतों का मौके पर निस्तारण सुनिश्चित किया गया। उपजिलाधिकारी फूलपुर ने मनोज कुमार मिश्रा लेखपाल क्षेत्र कुसुंगुर व श्री हरिशचन्द्र गौतम लेखपाल क्षेत्र अरवासी मय बहादुरगढ़ के द्वारा आईजीआरएस के प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर प्रतिकूल प्रविष्टि प्रदान दी है। तहसीलदार फूलपुर ने बताया है कि दिनांक 18.07.2026 को तहसील फूलपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 468 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें राजस्व की 295, पुलिस विभाग की 89, विकास विभाग की 21, शिक्षा-1, स्वास्थ्य-1, चकबंदी-08, विद्युत-11 तथा अन्य विभागों की 42 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 05 शिकायतों का मौके पर निस्तारण सुनिश्चित किया गया।

मां से विवाद के बाद किशोरी रहस्यमय ढंग से लापता, तलाश में जुटी पुलिस

नैनी,प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र के दाऊद नगर (हरिजन बस्ती) से एक किशोरी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। शनिवार सुबह मां से हुए घरेलू विवाद के बाद किशोरी घर से निकल गई और देर शाम तक वापस नहीं लौटी।

परिजनों द्वारा काफी तलाश के बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने पर पुलिस से मदद की गुहार लगाई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दाऊद नगर निवासी मालती देवी ने नैनी थाने में लिखित तहरीर देकर बताया कि उनकी पोती नन्दनी (पुत्री दल्लू) का शनिवार सुबह किसी बात को लेकर अपनी मां से विवाद हो गया था।

गरिमा मालवीय को मिला कांस्य पदक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। हुडसा संस्था की अकादमिक काउंसलर गरिमा मालवीय ने प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज की एलएलबी परीक्षा की मेरिट सूची में तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक अर्जित किया है। गरिमा मालवीय विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ एंड सोशल साइंस की मेधावी छात्रा रही हैं। उन्हें यह सम्मान बीते गुरुवार को प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय के नौवें दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा प्रदान किया गया।समदरिया स्कूल परिसर में संस्था के पदाधिकारियों, शिक्षकों, तथा कर्मचारियों ने बैठक करके गरिमा

मालवीय की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त किया और बधाई दी । प्रिंसिपल कादंबरी द्विवेदी ने कहा कि उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। संस्था को विश्वास है कि वे अपने ज्ञान, समर्पण और सामाजिक संवेदनशीलता के माध्यम से शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देती रहेंगी।

तोड़-फोड़ की कार्रवाई का इस्तेमाल चुनिंदा लोगों को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जा सकता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को साफ किया कि उसके पहले के फैसले में सभी बुलडोजर एक्शन पर रोक नहीं लगाई गई है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि तोड़-फोड़ की कार्रवाई का इस्तेमाल चुनिंदा लोगों को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट में मनमाने ढंग से बुलडोजर एक्शन के आरोपों वाली अवमानना याचिका दायर हुई थी। इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हर बुलडोजर एक्शन की वैधता की जांच उसके अपने तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए. हाईकोर्ट ही इसके लिए सही जगह हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 'बुलडोजर जस्टिस' पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि अवैध निर्माण और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है, मगर किसी आरोपी या उसके परिवार को चुन-चुनकर निशाना नहीं बनाया जा सकता। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि बुलडोजर कानून और संविधान के दायरे में ही चलना चाहिए. इस तरह चीफ जस्टिस सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया. बेंच का मानना था कि उठाए गए मुद्दों में तथ्यों से जुड़े विवादित सवाल शामिल हैं, जिनकी विस्तार से जांच की जरूरत है। याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि अवैध कब्जों के मामलों में बुलडोजर का इस्तेमाल सही हो सकता है, लेकिन उन्होंने भेदभावपूर्ण तरीके से इसके इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी दी. उन्होंने कहा, 'हां, जब अधिकारियों और अवैध कब्जा करने वालों की मिलीभगत से कानून के शासन का गला घोंटा जा रहा हो, तब बुलडोजर का इस्तेमाल जरूरी हो जाता है. लेकिन कानून लागू करने के नाम पर लोगों की छवि खराब नहीं की जानी चाहिए।

बिना नोटिस लोड बढ़ाने से उपभोक्ताओं को लगा झटका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज । भीषण गर्मी की मार झेल रहे आम उपभोक्ताओं पर अब बिजली विभाग के एक फैसले ने अतिरिक्त वित्तीय और मानसिक बोझ डाल दिया है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने अपने बिलिंग सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रदेश के करीब 47 लाख उपभोक्ताओं का स्वीकृत लोड अचानक बढ़ा दिया है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा उपभोक्ताओं का स्वीकृत बिजली लोड बिना किसी पूर्व नोटिस के स्वचालित रूप से बढ़ा दिया गया है, जिससे पूरे प्रदेश के उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश और मानसिक तनाव है। उपभोक्ताओं के मोबाइल पर सीधे मैसेज आ रहे हैं कि उनका लोड बढ़ा दिया गया है, जिससे आम जनता में हड़कंप और नाराजगी का माहौल है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अधिकतम उपयोग का हवाला देकर उपभोक्ताओं को सीधे लोड बढ़ाए जाने (जैसे 1 किलो वाट से सीधे 2 या 3 किलो वाट) के मैसेज भेजे जा रहे हैं। आम जनता का कहना है कि भीषण गर्मी में थोड़ी देर कूलर, पंखा या पानी की मोटर चलाने को ही आधार बनाकर विभाग छोटे-छोटे घरों का लोड बढ़ाकर उनके बिजली बिल का फिक्स्ड चार्ज (स्थाई शुल्क) बढ़ा रहा है, जिससे उनकी नींद हराम हो चुकी है। मध्यम और निम्न वर्ग के उपभोक्ताओं का कहना है कि वे बेहद सीमित संसाधनों में जीवन यापन करते हैं। तेज गर्मी के दिनों में घर के सभी सदस्य एक कमरे में बैठकर पंखा या कूलर चलाते हैं। पानी की टंकी भरने के लिए दिन में या एक दिन छोड़कर महज आधे घंटे के लिए टुल्लू (पानी की मोटर) चलाई जाती है। इन आवश्यक उपकरणों के एक साथ चलने से कुछ समय के लिए लोड बढ़ जाता है, लेकिन इसे 'स्थाई खपत' मान लेना पूरी तरह गलत है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि बिना जमीनी हकीकत जाने और बिना किसी पूर्व सूचना या जांच के सीधे 3 किलोवाट तक लोड बढ़ाना आम जनता को प्रताड़ित करने जैसा है।

विवाद का मुख्य कारण: नियमों के उल्लंघन का आरोप

इस पूरे मामले में उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद और कई उपभोक्ता संगठनों ने इस कदम को नियमों के खिलाफ बताया है। विद्युत आपूर्ति संहिता के नियमों के अनुसार, यदि किसी उपभोक्ता का लोड लगातार तीन महीनों तक स्वीकृत सीमा से अधिक पाया जाता है, तो उसे लोड बढ़ाने से पहले एक महीने का नोटिस देना अनिवार्य है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि इस नियम को पूरी तरह ताक पर रख दिया गया।

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने ग्राम पंचायत को सौंपी पेयजल व्यवस्था की जिम्मेदारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। बुन्देलखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में शनिवार को ललितपुर के तालबेहट विकास खंड ग्राम तिन्द्रा में जल अर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत पूर्ण हुई पेयजल परियोजना को ग्राम पंचायत को समर्पित करते हुए इसके संचालन, संरक्षण एवं संवर्धन की जिम्मेदारी ग्रामीणों को सौंपी। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के संकल्प को तेजी से पूरा कर रही है। अब यह जिम्मेदारी ग्रामवासियों की है कि वे पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करें और जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों को भी बिना किसी संकट के घर-घर नल से जल उपलब्ध होता रहे। इस दौरान गांव की महिलाओं ने लगभग 200 मीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाकर जलशक्ति मंत्री का स्वागत किया और उन पर पुष्पवर्षा की। घर तक नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचने की खुशी ग्रामीणों के चेहरे पर साफ दिखाई दी। कई ग्रामीण भावुक हो उठे और कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनके घरों तक भी नल से पानी पहुंचेगा। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार केवल पेयजल ही नहीं, बल्कि मुफ्त राशन, किसानों को सम्मान निधि, गांवों तक बिजली, पक्की सड़क और बच्चों को पोषण जैसी अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं भी संचालित कर रही है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधरोपण करने की अपील करते हुए कहा कि जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने बताया कि वह स्वयं तथा जल जीवन मिशन की पूरी टीम गांव-गांव जाकर योजनाओं की जमीनी हकीकत का निरीक्षण कर रही है, ताकि हर पात्र परिवार तक बिना किसी भेदभाव के नल से जल पहुंच सके। इस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों को जल संकल्प एवं जल प्रतिज्ञा भी दिलाई। कार्यक्रम में राज्यमंत्री मनोहर लाल, विधायक रामरतन कुशवाहा, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण तथा जिलाध्यक्ष हरीशचन्द्र ने भी संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने कहा कि हर घर जल योजना ललितपुर सहित पूरे बुन्देलखण्ड के लिए वरदान साबित हो रही है और इससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है। कार्यक्रम के दौरान गांव की महिलाओं और ग्राम प्रधान ने योजना से पहले की परिस्थितियों को याद करते हुए बताया कि पहले पानी लाने के लिए दो से तीन किलोमीटर दूर तक पैदल जाना पड़ता था। गर्मियों में पानी की कमी के कारण कई परिवारों को पलायन तक करना पड़ता था। अब घर-घर नल से पानी मिलने से महिलाओं का श्रम कम हुआ है, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होती और ग्रामीणों के स्वास्थ्य में भी सुधार आया है।

ललितपुर से उठी पृथक बुन्देलखण्ड राज्य की हुंकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। पृथक बुन्देलखण्ड राज्य की मांग को लेकर शनिवार को ललितपुर में आयोजित बैठक में आंदोलन को नई धार देने का आह्वान किया गया। मुख्य अतिथि एवं पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत ने कहा कि अब समय आ गया है कि बुन्देलखण्ड की जनता अपने अधिकार के लिए एकजुट होकर आवाज बुलंद करे। उन्होंने घोषणा की कि अब पूरे क्षेत्र में राज्य दो और वोट लो अभियान चलाया जाएगा और चुनाव के दौरान जनता हर प्रत्याशी से अलग बुन्देलखण्ड राज्य पर स्पष्ट रुख पूछेगी। पूर्व सांसद ने कहा कि बुन्देलखण्ड की पहचान उसकी भाषा, संस्कृति, इतिहास और गौरवशाली परंपराओं से है। उन्होंने ललितपुर की वीर भूमि, यहां के क्रांतिकारियों और भगवान महावीर के सिद्धांतों को नमन करते हुए कहा कि आगामी चुनाव लोकतंत्र का पर्व ही नहीं, बल्कि बुन्देलखण्ड के

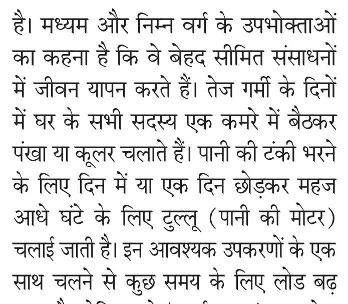

अधिकार का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि जैसे विवाह में नेंग मांगा जाता है, उसी प्रकार बुन्देलखण्ड की जनता सरकार से नेग के रूप में केवल अपना पृथक राज्य चाहती है। बैठक की अध्यक्षता रघुनाथपुरा ग्राम प्रधान अभय चौबे ने की, जबकि संचालन एड.भरत सिंह राजपूत ने किया। कार्यक्रम में राजीव गांधी खेल रत्न सम्मानित रेणु गोस्वामी, एड.पुष्पेन्द्र लोधी, अहमद हसन, बुविसे प्रमुख हरीश कपूर टीटू, बुमुमो केन्द्रीय उपाध्यक्ष नवनीत किलेदार, बुमुमो जिलाध्यक्ष विवेक व्यास, हरीबाबू शर्मा तथा गंधर्व सिंह लोधी बाबूजी सहित अनेक वरिष्ठजन उपस्थित रहे। इसके अलावा शिवाकांत, रेशु चौबे, अमित सैनी, अभय मिश्रा (धवारी), मोहसिन पठान, रवि मिश्रा, नीलेश तिवारी, एड. विकास झा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, पत्रकार, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में पृथक बुन्देलखण्ड राज्य की मांग को मजबूत करने और इसे जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। टिकट कट जाए तो भी मंजूर, लेकिन राज्य बनना चाहिए गंगाचरण राजपूत ने भावुक अंदाज में कहा कि बुन्देलखण्ड राज्य आंदोलन के लिए उन्होंने जीवनभर संघर्ष किया है और कई बार लाठीचार्ज भी झेला है, जिसका दर्द आज भी महसूस होता है। उन्होंने कहा कि यदि इस मांग को उठाने के कारण उनके बेटे का टिकट भी कट जाए तो उन्हें कोई अफसोस नहीं होगा। उन्होंने कहा, बेटे का टिकट काटना है तो काट दो, लेकिन बुन्देलखण्ड राज्य बनवाकर ही दम लेंगे। उन्होंने कहा कि अब पहले की तरह सड़कों पर लाठियां खाने की उम्र नहीं रही।

विकसित भारत की राह में माय भारत की बड़ी भूमिका: मांडविया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के युवा कार्य विभाग द्वारा 'मेरा युवा भारत' के माध्यम से 'विकसित युवा बनाएगा विकसित भारत' विषय पर दो दिवसीय चिंतन शिविर का शनिवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुभारंभ हुआ। शिविर का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार बनाने, जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन की रणनीति तैयार करने और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को गति देना है। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे, उत्तर प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव, युवा कार्य विभाग की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल, संयुक्त सचिव शिव रतन सहित MY Bharat, राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) और विभिन्न राज्यों से आए वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्य वक्तव्य में डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि MY Bharat प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसके तहत समाज के प्रत्येक वर्ग से एक लाख युवा नेताओं को तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी और MY Bharat उन्हें नेतृत्व, चरित्र निर्माण तथा राष्ट्र सेवा का सशक्त मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि चिंतन शिविर का उद्देश्य जमीनी स्तर पर कार्यरत अधिकारियों के बीच संवाद, सहयोग और अनुभवों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे स्वयं को केवल प्रशासनिक अधिकारी न मानें, बल्कि युवा सशक्तिकरण के मार्गदर्शक के रूप में कार्य करें। केंद्रीय मंत्री ने 15 अगस्त तक चल रहे MY Bharat पंजीकरण अभियान को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र युवा तक इस मंच की पहुंच सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी घोषणा की कि 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' अब राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ राज्यों में भी आयोजित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक युवाओं को नेतृत्व के अवसर मिल सकें। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने कहा कि दो करोड़ से अधिक पंजीकरणों के साथ MY Bharat देश का सबसे बड़ा युवा मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि 'संवाद के बिना समाधान संभव नहीं है।' विभिन्न राज्यों के अधिकारियों के अनुभव और सुझाव बेहतर नीतियां बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उत्तर प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि यह चिंतन शिविर केवल प्रशासनिक बैठक नहीं, बल्कि युवाओं के माध्यम से राष्ट्र के भविष्य को आकार देने की सामूहिक पहल है। उन्होंने प्रत्येक ग्राम पंचायत, विकासखंड और शैक्षणिक संस्थान को युवा नेतृत्व एवं सामाजिक भागीदारी का केंद्र बनाने का आह्वान किया। युवा कार्य विभाग की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल ने कहा कि विभाग MY Bharat और राष्ट्रीय सेवा योजना के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर युवाओं की सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल पंजीकरण ही लक्ष्य नहीं, बल्कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ना प्राथमिक उद्देश्य है। शिविर के पहले दिन 'संवाद से समाधान' विषय पर कई तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इनमें MY Bharat पोर्टल, डिजिटल पंजीकरण, हृस्र के साथ समन्वय, वार्षिक कार्ययोजना 2026-27 तथा विभिन्न राज्यों की सफल कार्यप्रणालियों पर विस्तार से चर्चा हुई। राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश ने युवा सहभागिता, स्वयंसेवक प्रबंधन और सामुदायिक कार्यक्रमों के सफल मॉडल प्रस्तुत किए।

रूस पर यूक्रेन का बड़ा ड्रोन हमला सात की मौत, 50 से अधिक घायल

मॉस्को(एजेंसी)। रूस के विभिन्न क्षेत्रों पर यूक्रेन द्वारा शनिवार रात किए गए बड़े पैमाने के ड्रोन हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हो गए। हमलों में ऊर्जा अवसंरचना, तेल डिपो और रसद प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। रूसी अधिकारियों के अनुसार, यूक्रेनी ड्रोन ने प्रमुख ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के दो बड़े गोदामों पर हमला किया। इनमें से एक तांबोव क्षेत्र के कोतोव्स्क और दूसरा मॉस्को के निकट इलेक्ट्रोस्टाल में स्थित है। तांबोव के गवर्नर येवगेनी पेरविशोव ने बताया कि कोतोव्स्क स्थित गोदाम में रात्रि पाली के दौरान हुए हमले में सात कर्मचारियों की मौत हुई और 25 अन्य घायल हो गए। मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव के अनुसार, इलेक्ट्रोस्टाल में 24 लोग घायल हुए, जबकि नोगिंस्क शहर में ड्रोन हमले के बाद एक तेल डिपो में आग लगने से दो अन्य लोग घायल हो गए। एहतियात के तौर पर एक प्रसूति अस्पताल और पास की आवासीय इमारत को खाली कराया गया। उधर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि लंबी दूरी के हमलों में मॉस्को और तांबोव क्षेत्रों के दो महत्वपूर्ण रसद प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया, जिनका इस्तेमाल रूस ड्रोन और नौवहन उपकरणों के लिए प्रतिबंधित कलपुर्जों की आपूर्ति में कर रहा था। उन्होंने एक तेल प्रतिष्ठान और आज़ोव सागर व रूस के कब्जे वाले क्षेत्रों में अन्य सैन्य लक्ष्यों पर भी कार्रवाई का दावा किया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रातभर में 19 क्षेत्रों, क्रीमिया, आज़ोव सागर और काला सागर के ऊपर कुल 379 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। वहीं, व्लादिमीर शहर में एक ड्रोन आवासीय इमारत से टकराने के बाद आग लग गई, हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध अब पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और दोनों देशों के बीच हवाई हमलों का सिलसिला लगातार तेज होता जा रहा है।

पीडीए संगठन मिलन समारोह में बूथ मजबूती पर सपा ने दिया जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को लेकर समाजवादी पार्टी ने शनिवार को इलाईट चौराहा स्थित अमर पैलेस में पीडीए संगठन मिलन समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह यादव ने की। इस दौरान ललितपुर एवं महरौनी विधानसभा क्षेत्रों के बूथ, सेक्टर तथा बूथ अध्यक्षों और सदस्यों के साथ संवाद कर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव में जीत की कुंजी मजबूत बूथ संगठन है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रत्येक बूथ पर सक्रिय रहकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पुनः मुख्यमंत्री बनेंगे, जिससे प्रदेश में विकास और खुशहाली का नया दौर शुरू होगा। समारोह में पूर्व विधायक फेरन लाल अहिरवार, जिला उपाध्यक्ष भजन लाल कुशवाहा, जिला महासचिव डॉ. शिशुपाल सिंह लोधी, पूर्व जिलाध्यक्ष ज्योति सिंह लोधी, अभिलाषा कुशवाहा तथा महरौनी विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी रामविलास रजक, नगराध्यक्ष अभि जैन खजुरिया सहित कई नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती और आगामी चुनाव की तैयारियों पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों को छोड़कर आए करीब आधा दर्जन से अधिक लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी नेताओं ने सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे। इस दौरान राजकुमारी गौतम, तुलसीराम अहिरवार, मोहन घायल, अनवर खान, हरीसिंह यादव, निर्भान सिंह, मक्खन सिंह, राजेश यादव जय गुरूदेव, सोन सिंह यादव, अरशद मंसूरी, रूचि यादव, शुभि यादव, नरेन्द्र सिंह राजपूत, गौरव विश्वकर्मा, प्रमोद इमलिया, राममूर्ति तिवारी, शहरोज खान, हुकुम सिंह, माहताब सिंह, प्रमोद इमलिया, दारासिंह, प्रमोद गौतम, आलोक रावत, जयराम गौतम, लखन यादव, अवतार सिंह यादव, अमन मंसूरी, मूरत सिंह यादव, राजेश झा, रामसिंह लोधी, राजेश गंधर्व, सुमित यादव, राजपाल सिंह लोधी, परशु रजक, परशु रजक, शिशुपाल सिंह, शाहिद अली, पुष्पेन्द्र यादव, पवन अहिरवार, आजाद सिंह, चंद्रपाल सिंह यादव, सनमान सिंह लोधी, सचिन यादव, रामेश्वर यादव, पुष्पेन्द्र यादव, राजेन्द्र सिंह, केपी यादव, जगदीश अहिरवार, राजेन्द्र सिंह, विन्द्रावन, संजू, मनोज कुमार लोधी, असवेन्द्र राजपूत, राजेन्द्र सिंह डुलावन, संतोष यादव, गौरीशंकर, बहादुर सिंह, प्रहलाद सिंह यादव, सत्येन्द्र सिंह लोधी, बलराम अहिरवार, अरविन्द कुमार, चंदन सिंह, दीपचंद्र प्रजापति, मो. इखलाक मंसूरी, अभि झा, दीपेश यादव, अंकुश यादव, अजय यादव, भागसिंह यादव, राजीव यादव दौलता, राजा भैया यादव, जय सिंह बरैना, रामलखन, मंगल सिंह, दिनेश, रामपाल, बलवान सिंह, फूलसिंह, लालचंद्र सेन, मूलचंद्र सेन, अमित चौरसिया, इरशाद मंसूरी, बृजेन्द्र कुमार, गेंदालाल, प्रदीप यादव, जसवंत सिंह, प्रभान सिंह, यशपाल सिंह, गोविन्द सिंह, रहीश यादव, राघवेन्द्र सिंह, भान सिंह यादव, तिलक सिंह यादव, बलवीर यादव, भरत पाल, सत्यम झा, जितेन्द्र कुमार कुशवाहा, नरेन्द्र धानुक सहित अनेकों सपा नेता मौजूद रहे।

मनोज कुमार की 89वीं जयंती पर ज़ी क्लासिक का खास प्रोग्राम

पूरे हते प्रसारित होंगी भारतीय सिनेमा के इस महान कलाकार की यादगार फिल्में।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

प्रयागराज। कुछ कलाकार सिर्फ मनोरंजन करते हैं, कुछ फिल्में बनाकर यादें छोड़ जाते हैं, लेकिन मनोज कुमार जैसे दिग्गज कलाकार पीढ़ियों के दिलों में हमेशा के लिए बस जाते हैं। 'भारत कुमार' के नाम से मशहूर मनोज कुमार ने देशभक्ति को सिर्फ पर्दे तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे हर भारतीय के दिल का जज़्बा बना दिया। उनकी फिल्मों में सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि यहाँ के लोग, उनके संघर्ष, उनके सपने, उनका त्याग और उनका अटूट हौंसला भी नजर आता था। इस जुलाई,में जब महान अभिनेता, लेखक और निर्देशक मनोज कुमार की 89वीं जयंती है, तब ज़ी क्लासिक उनके शानदार सफर को याद करते हुए एक खास फिल्म फेस्टिवल लेकर आ रहा है। 19 जुलाई से 24 जुलाई तक दर्शकों को उनकी कुछ सबसे यादगार और सुपरहिट फिल्में देखने का मौका मिलेगा। ये वही फिल्में हैं, जिन्होंने मनोज कुमार को भारतीय सिनेमा का अमर सितारा बनाया और जो आज भी दर्शकों को उतनी ही पसंद आती हैं। चार दशक से भी ज्यादा लंबे करियर में मनोज कुमार ने हिंदी सिनेमा को एक नई सोच दी। उस दौर में जब ज्यादातर फिल्में सिर्फ रोमांस और मनोरंजन पर आधारित होती थीं, तब उन्होंने आम आदमी, समाज और देश से जुड़ी कहानियों को बड़े पर्दे पर उतारा। एक अभिनेता के साथ साथ उन्होंने लेखक और निर्देशक के रूप में भी ऐसी फिल्में बनाई, जो अपनी दमदार कहानी, शानदार संगीत और हमेशा याद रहने वाले संदेश की वजह से आज भी मिसाल मानी जाती हैं। इस खास फिल्म फेस्टिवल में मनोज कुमार के सफर की छह शानदार फिल्में दिखाई जाएँगी। शुरुआत होगी 'रोटी कपड़ा और मकान' से, जिसमें आम आदमी के संघर्ष और उसके सपनों को बेहद असरदार तरीके से दिखाया गया है। इसके बाद आएगी 'उपकार', जिसने उन्हें हमेशा के लिए 'भारत कुमार' की पहचान दिलाई। देश के किसान और जवान को समर्पित यह फिल्म आज भी उतनी ही प्रेरणादायक मानी जाती है। इसके बाद 'पूरब और पश्चिम' भारतीय संस्कृति और संस्कारों की खूबसूरती को दिखाएगी। 'शोर' प्यार, बिछड़ने के दर्द और पिता के जज़्बात की ऐसी कहानी है, जो आज भी दिल को छू जाती है। 'शहीद' में मनोज कुमार ने भगत सिंह के किरदार को जिस दमदार अंदाज में निभाया, वो भारतीय सिनेमा की सबसे यादगार परफॉर्मेंस में गिना जाता है। इस खास सफर का समापन 24 जुलाई को उनकी भव्य फिल्म 'क्रांति' के साथ होगा। शानदार कलाकारों से सजी इस फिल्म ने एक बार फिर साबित किया कि मनोज कुमार बड़े कैनवास पर देशभक्ति, त्याग और इंसानियत की कहानियाँ कहने में बेमिसाल थे। इस खास मौके पर उनके साथ काम कर चुके कई कलाकारों और करीबी दोस्तों ने भी उन्हें याद किया। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, 'जब भी मैं मनोज कुमार जी को याद करता हूँ, तो सिर्फ एक शानदार अभिनेता या निर्देशक याद नहीं आता, बल्कि एक ऐसा इंसान याद आता है, जो अपनी हर फिल्म को पूरी तरह जीता था। उनके लिए सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं था। हर कहानी का एक मकसद होता था और हर किरदार कुछ बड़ा कहता था। साथ काम करके मैंने सीखा कि किसी भी कलाकार की सबसे बड़ी ताकत उसकी सच्चाई होती है। पूरी इंडस्ट्री उन्हें 'भारत कुमार' कहती थी, लेकिन हमारे लिए वो हमेशा मनोज जी ही रहे, एक बेहद सादगी पसंद, गरिमामय और अपने देश से बेइंतहा प्यार करने वाले इंसान। ' हेमा मालिनी ने कहा, 'मनोज जी के साथ काम करने की मेरी कई खूबसूरत यादें हैं। उनके सेट पर हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता था। वो अपने कलाकारों को बहुत प्यार और धैर्य से समझाते थे और हमेशा कहते थे कि अभिनय में सच्चाई दिखनी चाहिए, सिर्फ ड्रामा नहीं। प्यारेलाल ने कहा, 'मनोज कुमार जी के लिए संगीत बहुत मायने रखता था। जब भी हम साथ काम करते थे, वे घंटों हमारे साथ बैठकर सिर्फ धुन ही नहीं, बल्कि हर गीत के जज़्बात पर भी बात करते थे। संगीत की उनकी समझ कमाल की थी।

मलिहाबाद में झूठे मुकदमे में फसाने की साजिश

सरकारी सुरक्षा पाने के लिए झूठा मुकदमा रचाने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ/मलिहाबाद। मलिहाबाद थाना क्षेत्र में जानलेवा हमले के आरोपों से जुड़े एक प्रार्थना पत्र के सामने आने के बाद मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। तिलसुआ निवासी लल्ला यादव पुत्र लक्ष्मण सिंह की ओर से थाना मलिहाबाद में दिए गए प्रार्थना पत्र में कई लोगों पर वाहन रोककर हमला करने, गाड़ी में टक्कर मारने, तोड़फोड़ करने, जान से मारने की कोशिश करने और फायरिंग जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, इस मामले में नामजद राज यादव ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद, झूठा और साजिश के तहत लगाया गया बताया है। राज यादव का कहना है कि उन्हें जानबूझकर एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत झूठे मुकदमे में फंसाने की कोशिश की जा रही है। उनका दावा है कि जिस घटना का हवाला देकर उनके खिलाफ आरोप लगाए गए हैं, उसमें उनका कोई भी दोष नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने व्यक्तिगत रंजिश और दुर्भावना के चलते उनके खिलाफ झूठी कहानी तैयार कर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया है। और लल्ला यादव अपने सरकारी सुरक्षा (सरकारी पुलिस गनर)पाने के लिए उन्होंने यह मुकदमा रचा है ताकि आने वाले चुनावों में उनका भौकाल टाइट हो सके राज यादव के अनुसार, उन्होंने अपने निर्दोष होने से संबंधित सभी महत्वपूर्ण साक्ष्य, दस्तावेज और अन्य उपलब्ध प्रमाण पुलिस प्रशासन को सौंप दिए हैं। उनका कहना है कि ये सभी साक्ष्य स्पष्ट रूप से बताते हैं कि उनके ऊपर लगाए गए आरोप तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि पुलिस निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से जांच करेगी तो सच्चाई स्वयं सामने आ जाएगी और यह स्पष्ट हो जाएगा कि उन्हें गलत तरीके से इस मामले में घसीटा गया है। राज यादव ने कहा कि उन्हें भारतीय न्याय व्यवस्था और पुलिस प्रशासन पर पूरा भरोसा है। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया है कि किसी भी प्रकार के दबाव या एकतरफा शिकायत के आधार पर कार्रवाई करने के बजाय मामले की गहराई से जांच की जाए। उन्होंने मांग की है कि घटनास्थल से जुड़े सभी तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य उपलब्ध प्रमाणों का निष्पक्ष परीक्षण कराया जाए। राज यादव का यह भी कहना है कि यदि जांच पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता से की जाती है तो यह साफ हो जाएगा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप केवल उन्हें बदनाम करने और कानूनी परेशानी में डालने के उद्देश्य से लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसी निर्दोष व्यक्ति के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज होना न केवल उसके सम्मान को ठेस पहुंचाता है, बल्कि उसके परिवार को भी मानसिक और सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से अपील की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक तथ्यों को सामने लाया जाए, ताकि दोषी और निर्दोष के बीच सही अंतर स्थापित हो सके।

सुप्रीम कोर्ट ने जीवन बचाने वाली दवाओं तक पहुँच के मामले का स्वत: संज्ञान लिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जीवन बचाने वाली दवाओं तक पहुँच के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लिया। कोर्ट ने यह कदम केरल हाई कोर्ट में पेटेंट वाली कैंसर दवाओं की कीमत से जुड़ी एक याचिका के लंबे समय से लंबित रहने को देखते हुए उठाया। सीजेआई सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया और भारत सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। बेंच ने केरल हाई कोर्ट के सीजेआई से यह भी अनुरोध किया कि वे चार साल से अधिक समय से लंबित रिट याचिका का जल्द निपटारा सुनिश्चित करें। सीजेआई ने शुरुआत में कहा, 'इसे कई बार टाला गया है,' और कहा कि बेंच हाई कोर्ट से मामले पर जल्द फैसला लेने का अनुरोध करेगी। केरल राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील एल्जो जोसेफ ने बेंच को बताया कि हाई कोर्ट की याचिका के याचिकाकर्ता का निधन हो चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने तब से संबंधित दवा का आयात किया है ताकि इसे मरीजों को किफायती दरों पर उपलब्ध कराया जा सके। मृतक याचिकाकर्ता के पति की ओर से पेश वरिष्ठ वकील आनंद ग्रोवर ने स्वतः संज्ञान वाले मामले में हस्तक्षेप करने की अनुमति मांगी। उन्होंने कहा कि यह मामला एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दा उठाता है, क्योंकि जीवन बचाने वाली अधिकांश दवाएं पेटेंट द्वारा संरक्षित होती हैं, जिससे वे बहुत महंगी हो जाती हैं। उन्होंने बताया कि हालांकि केंद्र सरकार के पास पेटेंट अधिनियम के तहत अनिवार्य लाइसेंस जारी करने की शक्ति है, लेकिन 2005 के बाद से केवल एक ऐसा लाइसेंस दिया गया है। जोसेफ ने बेंच को यह भी बताया कि याचिकाकर्ता की मृत्यु के बाद, केरल हाई कोर्ट ने कार्यवाही को स्वतः संज्ञान वाली PIL के रूप में जारी रखा। सीजेआई ने कहा, 'समस्या केरल हाई कोर्ट की है... इसे 57 बार लिस्ट किया गया।' भारत के मुख्य न्यायाधीश कांत ने कहा, 'शुरू में मैं स्वतः संज्ञान लेने को लेकर हिचकिचा रहा था। मैंने सोचा, हाई कोर्ट को इस पर विचार करने दिया जाए। लेकिन आखिरकार यह बात सामने आई कि मामले पर फैसला नहीं हो रहा है।' उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता की मौत के बाद, हाई कोर्ट ने जनहित को ध्यान में रखते हुए मामले का दायरा बढ़ाया और इसे 'इन रीः जीवन रक्षक पेटेंट दवाओं की अत्यधिक कीमतें' नाम दिया। 2022 में केरल हाई कोर्ट में दायर याचिका में कैंसर की दवा 'रिबोसिक्लिब' के लिए पेटेंट एक्ट की धारा 100 के तहत 'सरकारी उपयोग लाइसेंस' की मांग की गई थी।

डीएम के आदेश में बीएनएस 316(5),एफआईआर से गायब: आखिर किसके निर्देश पर हटी गंभीर धारा?

डीएम ने कूटरचित ऑनलाइन दस्तावेज का माना मामला, 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम के साथ बीएनएस 316(5) में मुकदमे के दिए थे निर्देश; एफआईआर में सिर्फ 3/7 की धाराएं दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राज्य ब्यूरो- विपिन शुक्ला

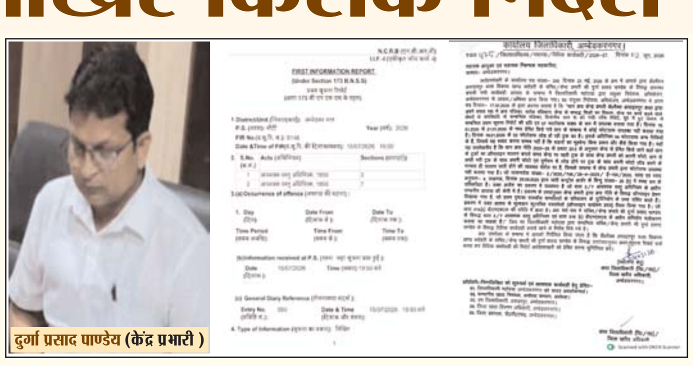

दुर्गा प्रसाद पाण्डेय (केंद्र प्रभारी)

अम्बेडकरनगर। धान खरीद केंद्र बी-पैक्स असाईदपुर कला के केंद्र प्रभारी दुर्गा प्रसाद पाण्डेय के खिलाफ दर्ज एफआईआर ने पुलिस कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिलाधिकारी के स्पष्ट आदेश में जहां आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के साथ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 316(5) के तहत भी अभियोग दर्ज कराने के निर्देश दिए गए थे, वहीं थाना भीटी में दर्ज एफआईआर में केवल धारा 3 और 7 आवश्यक वस्तु अधिनियम ही दर्ज की गई। हैरानी की बात यह है कि एफआईआर के तथ्यात्मक विवरण में स्वयं यह उल्लेख किया गया है कि कथित कूटरचित ऑनलाइन समर्पण पत्र बीएनएस की धारा 316(5) के दायरे में आता है, लेकिन यही धारा एफआईआर के सेक्शन कॉलम से गायब है। जिलाधिकारी कार्यालय के आदेश में अभियोजन कार्यालय की रिपोर्ट के आधार पर कहा गया था कि केंद्र प्रभारी द्वारा धान खरीद से जुड़े ऑनलाइन समर्पण पत्र में कथित अनियमितता और मूल्यवान कूटरचित दस्तावेज तैयार किए जाने के प्रथम दृष्टया तथ्य पाए गए हैं। इसी आधार पर धारा 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम तथा बीएनएस की धारा 316(5) के तहत मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद 15 जुलाई 2026 को दर्ज एफआईआर में केवल आवश्यक वस्तु अधिनियम की धाराएं दर्ज की गईं। इससे यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि जब जिलाधिकारी के आदेश और एफआईआर के कथानक दोनों में धारा 316(5) का उल्लेख है, तो फिर इसे एफआईआर की धाराओं में शामिल क्यों नहीं किया गया? क्या यह विवेचना के दौरान हुई तकनीकी चूक है, या फिर किसी स्तर पर गंभीर धारा जोड़ने से परहेज किया गया? यह सवाल अब प्रशासनिक और पुलिस महकमे में चर्चा का विषय बन गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, धारा 316(5) को शामिल न किए जाने को लेकर विभाग के भीतर भी चर्चाएं हैं। हालांकि, इन चर्चाओं की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। इसलिए इस संबंध में किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। अब निगाहें वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के जवाब पर टिकी हैं कि जिलाधिकारी के निर्देशों के बावजूद गंभीर धारा एफआईआर के सेक्शन से क्यों गायब रही।

उठ रहे हैं ये बड़े सवाल

- डीएम के आदेश में बीएनएस की धारा 316(5) का स्पष्ट उल्लेख।
- एफआईआर के तथ्यों में भी धारा 316(5) का जिक्र।
- लेकिन सेक्शन कॉलम में केवल धारा 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम।
- क्या यह तकनीकी त्रुटि है या किसी स्तर पर लिया गया निर्णय?

क्या पुलिस इस मामले में पूरक धाराएं जोड़ने की तैयारी कर रही है?

यह संस्करण पत्रकारिता की दृष्टि से अधिक सशक्त है और दस्तावेज़ों पर आधारित सवाल उठाता है, जबकि अप्रमाणित आरोपों को तथ्य के रूप में प्रस्तुत नहीं करता।

अटल आवासीय विद्यालय में बच्चों की तबीयत बिगडने़ पर सपा छात्रसभा का प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। समाजवादी छात्रसभा ने ग्राम धौर्रा स्थित अटल आवासीय विद्यालय में छात्र-छात्राओं को कथित रूप से गुणवत्ताहीन भोजन दिए जाने से चार दर्जन से अधिक बच्चों की तबीयत बिगड़ने के मामले को लेकर राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। संगठन ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। समाजवादी छात्रसभा जिलाध्यक्ष गौरव विश्वकर्मा ने ज्ञापन में कहा कि अटल आवासीय विद्यालय में छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य के साथ गंभीर लापरवाही बरती गई। आरोप है कि विद्यालय में मानकों के विपरीत एवं गुणवत्ताहीन भोजन परोसा गया, जिसके कारण लगभग चार दर्जन से अधिक छात्र-छात्राएं अचानक बीमार हो गए। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत गंभीर और जांच का विषय है। ज्ञापन में मांग की गई है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों एवं संबंधित दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य के साथ इस प्रकार की लापरवाही दोबारा न हो। सपा छात्रसभा ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान ज्ञापन सौंपने वालों में समाजवादी पार्टी की पूर्व जिलाध्यक्ष ज्योति सिंह लोधी, अभिलाषा कुशवाहा, नरेंद्र सिंह राजपूत, नीतू शर्मा, संजय रजक, रवि खटीक, दीपक सेन, राजेश झा, हरनाम सिंह, अनुज लोधी, अखिलेश, अंकुश कुशवाहा, महिपाल यादव, संजीव राजपूत, अनस अहमद, अजय राजपूत, रुचि यादव, सुभी यादव, अभिषेक, सुशील रैकवार, दीपेंद्र, शिवेंद्र, करन, विक्की रजक, यागवेंद्र यादव, रविन्द्र कुशवाहा, अभि जैन, राघवेंद्र रजक, अजय यादव, अमित राजपूत, मोहित और हेमंत सहित बड़ी संख्या में समाजवादी छात्रसभा एवं समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।